



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 331]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 29, 2018/भाद्र 7, 1940

No. 331]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 29, 2018/BHADRA 7, 1940

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुंबई 14 अगस्त, 2018

सं.टीएएमपी/7/2018-वीसीटीपीएल.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण, वीसीटीपीएल के दरमानों में सामान्य संशोधन के संबंध में आदेश संख्या टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 14 नवंबर 2017 की समीक्षा के लिए विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीटीपीएल) से प्राप्त समीक्षा आवेदन का संलग्न आदेश अनुसार निपटान करता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं.टीएएमपी-7/2018-वीसीटीपीएल

विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड

आवेदक

कोरमः

- (i) श्री टी.एस वाल सुब्रमनियन सदस्य(वित्त)
- (ii) श्री रजत सच्चर, सदस्य (आर्थिक)

आदेश

(जुलाई 2018 के 31वें दिन पारित)

यह मामला वीसीटीपीएल के दरमानों (एसओआर) में सामान्य संशोधन के संबंध में 14 नवंबर 2017 के आदेश संख्या टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल की समीक्षा के लिए विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीटीपीएल) द्वारा दायर समीक्षा आवेदन से संबंधित है।

2.1. इस प्राधिकरण ने वीसीटीपीएल के दरमानों(एसओआर) में सामान्य संशोधन के संबंध में 14 नवंबर, 2017 को एक आदेश संख्या टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल पारित किया था। यह आदेश भारत के राजपत्र में राजपत्र सं. 480 पर 21 दिसंबर, 2017 को प्रकाशित किया गया था और दिनांक 27 दिसंबर 2017 के हमारे पत्र के अंतर्गत वीसीटीपीएल को अप्रेपित किया गया था।

2.2. वीसीटीपीएल ने प्रतिस्पर्धा के वातावरण के मद्देनज़र अपने मत के आधार पर दरमानों के खंड 1.1.क(क) के तहत आयात और निर्यात के लिए लदे हुए कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए संयोजी दर में, 23.30 प्रतिशत की वृद्धि और अन्य सभी मदों पर यथा स्थिति बनाए रखने का अनुरोध किया है।

2.3. इस प्राधिकरण ने वीसीटीपीएल ने उपरोक्त प्रस्ताव पर 14 नवंबर 2017 के आदेश में लागत विवरण द्वारा प्रतिविवित शुद्ध अधिशेष के आधार पर और दिनांक 14 नवंबर 2017 के आदेश के पैरा 16(xxxi) में उल्लेखित कारणों के आधार पर, वीसीटीपीएल के तत्कालीन मौजूदा एसओआर की स्थिति यथावत् बनाए रखने का निर्णय लिया है।

2.4. प्रशुल्क आदेश की समीक्षा के लिए मार्च 2005 के प्रशुल्क दिशानिर्देश के खंड 3.3.1 में यथानिर्धारित कार्रवाई की जा सकती है बर्तेरे ऐसा आवेदन भारत का राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशित होने के 30 दिन के भीतर प्रस्तुत किया गया हो। प्राधिकरण ने, उपर्युक्त खंड का संदर्भ देते हुए आदेश के पैरा 16(xxxi) में उल्लेख किया था कि वीसीटीपीएल, रिकार्ड में किसी त्रुटि होने की स्थिति में आदेश की समीक्षा के लिए इस प्राधिकरण से आवेदन कर सकता है। वीसीटीपीएल से संबद्ध आदेश 21 दिसंबर 2017 को अधिसूचित कर दिया गया था।

2.5. वीसीटीपीएल ने 18 जनवरी 2018 के अपने पत्र के तहत समीक्षा आवेदन दायर किया है, जो 30 दिनों की निर्धारित समय सीमा के भीतर है।

3.1. 14 नवंबर 2017 के कथित प्रशुल्क आदेश के संदर्भ में, वीसीटीपीएल ने 18 जनवरी 2018 के अपने पत्र के माध्यम से प्रशुल्क आदेश की समीक्षा के लिए आवेदन दायर किया है।

3.2. वीसीटीपीएल के समीक्षा आवेदन में उल्लेखित विचारार्थ मुख्य मुद्दों का सारांश इस प्रकार है :

(I) **वर्ष 2014-15 और 2016-17 के दौरान विदेशी मुद्रा ऋण की चुकौती के समय घटित घटित कुल विदेशी मुद्रा हानि 18,30,42,316 पर विचार करें, जिसे 14 नवंबर 2017 के पिछले प्रशुल्क संशोधन आदेश में प्राधिकरण द्वारा अनुमत्त नहीं किया गया था:**

(क) वीसीटीपीएल ने 2011-12 और 2012-13 के दौरान खरीदे गये फिक्स्ड एसेट्स (अर्थात् 2 आरएमक्यूसी, 4 आरटीजीसी, स्प्रेडर्स, आरएमक्यूसी के लिए पूंजीगत स्पेयर और आरटीजीसी के लिए पूंजीगत स्पेयर) के भुगतान के लिए 18,372,815 अमरीकी डालर (समतुल्य भारतीय मुद्रा 98,63,27,717) की 5 साल की अवधि के लिए खरीददारों के क्रेडिट का लाभ उठाने के माध्यम से विदेशी मुद्रा ऋण प्राप्त किया था।
 (ख) लेखांकन मानकों(एएस) 11 के अनुसार, बकाया विदेशी मुद्रा देनदारियों का विनियम प्रासंगिक वित्तीय वर्ष के 31 मार्च तक प्रचलित विनियम दर पर किया जाना चाहिए और खातों की पुस्तकों में दिखाया जाना चाहिए। प्राधिकरण ने पिछले वर्ष में उल्लेखित विदेशी मुद्रा हानि की अनुमति नहीं दी थी (संदर्भ:टीएएमपी ऑर्डर नं. टीएएमपी/31/2015-वीसीटीपीएल दिनांक 28 अप्रैल 2016) और फिर वर्तमान आदेश संख्या टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 12 दिसंबर, 2017 (आधिकारिक राजपत्र में 21 दिसंबर 2017 को अधिसूचित) जिसमें वास्तविक हानि का दावा किया गया था। प्राधिकरण ने कहा था कि वास्तविक तुकसान 2014-15 से 2015-16 के लिए लेखापरीक्षित वार्षिक खातों में और वर्ष 2016-17 के अस्थायी वार्षिक खातों में नहीं मिलता है।
 (ग) वीसीटीपीएल ने, विदेश विनियम हानि' विदेशी विनियम ऋण और दीर्घावधि के वित्तीय वर्ष-वार उधार, विदेशी मुद्रा ऋण के संदर्भ में वार्षिक-रिपोर्ट, जिसमें विदेशी बकाया मुद्रा ऋण और तुलन पत्र के संदर्भ में प्रासंगिक संदर्भ के विवरणों की तालिका 'क' प्रस्तुत की है। बकाया ऋण का शेष इस प्रकार है:

31-3-2013	रु.99,86,54,356 (संदर्भ: नोट 5, दीर्घकालिक उधार (क) वित्त वर्ष 2012-13 के बैंक ऑफ फाइनेशियल से स्वीकृति - रु.99,86,54,356)।
31-3-2014	रु.109,79,22,680 (संदर्भ: नोट 5, दीर्घकालिक उधार (क) वित्त वर्ष 2013-14 के बैंक ऑफ फाइनेशियल से स्वीकृति - रु.80,64,23,509) और नोट 10 अन्य मौजूदा देयताएं - रु.29,14,99,171।
31-3-2015	रु.82,23,98,994 (संदर्भ: नोट 5, लंबी अवधि के उधार (क) वित्त वर्ष 2014-15 के बैंक ऑफ फाइनेशियल से स्वीकृति - रु.82,23,98,994)।
31-3-2016	रु.85,33,06,361 (संदर्भ: नोट 5, दीर्घकालिक उधार (क) वित्तीय वर्ष 2015-16 के बैंक ऑफ फाइनेशियल से स्वीकृति -

31-3-2017	शून्य	रु.87,24,15,010 से हेज लागत 1,91,08,650 घटा लें)
-----------	-------	--

(घ) इसी वित्तीय वर्ष की बैलेंस शीट को "नोट 5, दीर्घकालिक उधार (क) बैंक से स्वीकृति" और "नोट 10 अन्य वर्तमान देयताएं" अनुसूची के तहत संदर्भित किया जा सकता है। प्रासंगिक वर्षों की प्रासंगिक बैलेंस शीट अनुलग्नक -2 के रूप में प्रस्तुत की जाती है।

(ङ) ऋण प्रदायगी के बाद 2014-15 के दौरान निम्नलिखित भुगतान किया गया है और भुगतान प्रमाण प्रस्तुत किया गया है।

(i) 2014-15 के दौरान, 48,77,994 अमरीकी डालर की ऋण राशि (भा.मुद्रा 24,13,65,130) का भुगतान 28,68,74,833 रुपये के बहिर्वाह द्वारा किया गया था इसलिए, इस लेनदेन के लिए शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि भा.मुद्रा 4,55,09,703 थी। एक्सिस बैंक द्वारा जारी विदेशी बिल लेनदेन सलाह के रूप में भुगतान प्रमाण अनुलग्नक 11 ख और 11 ग के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

(ii) 2014-15 के दौरान, 3,42,750 अमरीकी डॉलर (भा.मु.रु. 1,66,21,448) की ऋण राशि का भुगतान भा.मुद्रा 2,06,78,108 के बहिर्वाह द्वारा किया गया था। इसलिए, इस लेनदेन के लिए शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि भारतीय मुद्रा-रु.40,56,659 थी। एक्सिस बैंक द्वारा जारी विदेशी बिल लेन-देन सलाह के रूप में भुगतान प्रमाण अनुलग्नक 11 ज और 11 झ के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

इसलिए, 2014-15 के दौरान कुल चुकौती भारतीय मुद्रा रु.30,75,52,941 थी और शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि भारतीय मुद्रा रु.4,95,66,362/- थी।

(च) वर्ष 2016-17 के दौरान ऋण संबंधी निम्नलिखित भुगतान किए गए हैं तथा भुगतान- प्रमाण प्रस्तुत किए गए हैं :

(i) 2016-17 के दौरान, 1,28,10,634 अमरीकी डॉलर (भारतीय मुद्रा रु.71,00,39,650) की ऋण राशि का भुगतान भारतीय मुद्रा रु.83,11,53,948 के बहिर्वाह द्वारा किया गया था। इसलिए, इस लेनदेन के लिए शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि भारतीय मुद्रा रु.12,11,14,292 थी। 'फौरन बिल ट्रांज़ेक्शन एडवाईस' के रूप में एक्सिस बैंक द्वारा जारी भुगतान प्रमाण अनुलग्नक 11 घ, 11 ड और 11 च पर प्रस्तुत किया गया है।

(ii) 2016-17 के दौरान, 1,83,163 अमरीकी डालर (भारतीय मुद्रा रु.98,54,395) की ऋण राशि 1,22,27,019 रुपये के बहिर्वाह द्वारा अदा की गई थी। इसलिए, इस लेनदेन के लिए शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि 23,72,624 रुपये थी। 'फौरन बिल ट्रांज़ेक्शन एडवाईस' के रूप में एक्सिस बैंक द्वारा जारी भुगतान प्रमाण अनुलग्नक 11-छ पर प्रस्तुत किया गया है।

(iii) 2016-17 के दौरान, 1,58,274 अमरीकी डालर (भारतीय मुद्रा रु.84,47,093) की ऋण राशि रुपये 1,02,68,829 का बहिर्वाह द्वारा भुगतान किया गया था। इसलिए, इस लेनदेन के लिए शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि भारतीय मुद्रा रु.18,21,736 थी। 'फौरन बिल ट्रांज़ेक्शन एडवाईस' के रूप में एक्सिस बैंक द्वारा जारी भुगतान प्रमाण अनुलग्नक 11-ज पर प्रस्तुत किया गया है।

इसलिए, 2016-17 के दौरान कुल पुनर्भुगतान 85,36,49,796 रुपये था और शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि भारतीय मुद्रा रु.12,53,08,652 थी।

(छ) विदेशी मुद्रा ऋण की अदायगी के समय कुल विदेश विनियम हानि का सारांश निम्न तालिका में दिया गया है:

बंतवात परिस्पत्तिया	विदेशी मुद्रा ऋण		वित्तीय वर्ष	बमेरिकी डॉलर	भुगतान	विदेश विनियम हानि
	बमेरिकी डॉलर	भारतीय मुद्रा रु.				
आरटीजीनी	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,833	45,509,703
स्प्रेडर	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,108	4,056,659
2014-15 के लिए उपयोग (क)	52,20,744	25,79,80,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,362
आरएमक्यूटी	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,292
आरटीजीनी स्पेयर्स	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624
आरएमक्यूटी स्पेयर्स	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736
2016-17 का उपयोग(ब)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,652
कुल (क+ब)	18,372,815	98,83,27,717		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,014

(ज) उपर्युक्त के अलावा, कंपनी ने 2015-16 के दौरान अपने विदेशी मुद्रा ऋण के हिस्से के तौर पर भा.मु.रु.64,88 प्रति अमरीकी डालर पर हेजिंग कार्य किया था और इसलिए, अतिरिक्त हेज लागत के लिए पात्र है (हेज दर और भुगतान दर के बीच केवल विनिमय अंतर को सीमित करते हुए)। विवरण नीचे प्रस्तुत हैं:

बदा की गई हेज लागत	पूरस्ती	तय की गई दर	हेजड दर	हेज लागत	कुल हेज लागत
संदर्भ अनुलग्नक 11 घ (आरएमक्यूसी ऋण -1)	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000
संदर्भ अनुलग्नक 11 घ (आरएमक्यूसी ऋण -2)	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840
संदर्भ अनुलग्नक 11 घ (आरएमक्यूसी ऋण -3)	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568
संदर्भ अनुलग्नक 11 घ (आरएमक्यूसी स्पेयर्स ऋण)	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894
कुल लागत					81,67,301

(झ) इसलिए, वीसीटीपीएल ने प्रशुल्क वृद्धि के लिए पात्रता हेतु विदेशी मुद्रा ऋण की चुकौती के समय 18,30,42,316 (यानी रु.17,48,75,014+रु.81,67,301) की कुल विदेशी मुद्रा हानि पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है, जिस पर एसओआर के सामान्य संशोधन के समय पिछली अवधि में प्राधिकरण द्वारा विचार नहीं किया गया था।

(II) वीसीटीपीएल द्वारा तैयार किए गए यात्रा और राजस्व प्रारूप पर पुनर्विचार :

(क) आईपीए प्रोजेक्शनों पर आधारित वीपीटी के प्रस्तावों पर विचारानुसार 2017-18 से 2019-20 तक मात्रा में वृद्धि हुई है और तदनुसार राजस्व 53.97 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है।

विवरण	2017-18	2018-19	2019-20	कुल (रुपये)
वीसीटीपीएल का प्रस्ताव	3,69,000	3,84,000	4,00,000	11,53,000
प्राधिकरण का अनुमोदन	4,00,000	4,50,000	4,74,500	13,24,500
राजस्व में वृद्धि	9.76 करोड़	20.77 करोड़	23.44 करोड़	53.97 करोड़

(ख) एमसी किन्से के संघ और आईपीए के ईसीओएम द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट 2014 का है, जब पड़ोसी बंदरगाहों की स्थापना - काकीनाडा, पारादीप और धामारा की कल्पना नहीं की गई थी। अब परिवृश्य पूरी तरह से बदल गया है और इसलिए, वीसीटीपीएल ने अपने वॉल्यूम और राजस्व अनुमानों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। वॉल्यूम जो इसके लिए आय को संभालने और प्रोजेक्ट करने में सक्षम नहीं हो सकता है, वह तीन साल के प्रशुल्क चक्र को प्रभावित करेगा, जिसका असर आरओसीई और कंपनी के केशफ्लो पर पड़ेगा।

(III) व्यव प्रक्षेपण में वृद्धि पर पुनर्विचार करना जो प्राधिकरण द्वारा पिछले प्रशुल्क संशोधन आदेश में डब्ल्यूपीआई के 2% तक सीमित कर दी गई है:

वीसीटीपीएल ने सभी लागत मदों का आकलन वास्तविक मुद्रास्फीति के आधार पर किया था। वीसीटीपीएल को पता है कि प्राधिकरण प्रशुल्क दिशानिर्देशों, 2005 द्वारा निर्देशित है और डब्ल्यूपीआई 2% तक सीमित कर दी गई है। तथापि, वीसीटीपीएल ने मुद्रास्फीति के अपने प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। ईंधन लागत में बढ़ोत्तरी की हालिया प्रवृत्ति प्रमुख उदाहरणों में से एक है क्योंकि 31-3-2020 तक तय 2% डब्ल्यूपीआई, कंपनी की लाभप्रदाता और आरओसीई पर गंभीर प्रभाव डालेगी।

4. वीसीटीपीएल का समीक्षा आवेदन, निर्धारित परामर्श प्रक्रिया के अनुसार, 18 जनवरी 2018 को, वर्ष 2012-13 से 2015-16 की वार्षिक रिपोर्ट को छोड़कर वीपीटी और संबंधित उपयोगकर्ताओं/प्रयोक्ता संगठनों को, 25 जनवरी, 2018 के हमारे पत्र के माध्यम से उनकी टिप्पणियों के लिए अग्रेप्ति किया गया है। वीपीटी और उपयोगकर्ताओं/उपयोगकर्ता संगठनों से प्राप्त टिप्पणियों को फाइबैक जानकारी के लिए वीसीटीपीएल को भेजा गया था। वीसीटीपीएल ने 21 फरवरी 2018 और 14 मार्च 2018 के अपने पत्रों के अंतर्गत इसका उत्तर प्रस्तुत किया है।

5. इस मामले में वीपीटी परिसर में 25 अप्रैल 2018 को संयुक्त सुनवाई आयोजित की गई थी। वीसीटीपीएल ने अपने समीक्षा आवेदन की एक पावर प्लाइट प्रस्तुति दी। संयुक्त सुनवाई में, वीसीटीपीएल और वीपीटी ने अपना पक्ष रखा।

6.1. समीक्षा आवेदन दिनांक 18 जनवरी 2018 की प्रारंभिक जांच के आधार पर हमारे 1 मई 2018 के अनुरोध पत्र के मुताबिक वीसीटीपीएल से अनुरोध किया गया था कि समीक्षा के लिए वीसीटीपीएल द्वारा मुद्दों में से एक के संदर्भ में अतिरिक्त जानकारी/स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए वर्ष 2014-15 और 2016-17 से संबंधित रु.1826.33 लाख विदेशी मुद्रा हानि पर विचार करे। वीसीटीपीएल ने 4 मई 2018 के अपने पत्र के माध्यम से अपना जवाब दे दिया है। हमारे द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी/स्पष्टीकरण का सारांश और वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत सूचना/स्पष्टीकरण नीचे सारणीबद्ध हैं:

क्रम सं.	प्राधिकरण द्वारा मांगी गई सूचना/स्पष्टीकरण	वीसीटीपीएल के उत्तर
(i)	14 नवंबर 2017 के आदेश से संबंधित कार्यवाही के समय, वीसीटीपीएल ने वर्ष 2016-17 के अस्थायी वार्षिक खातों को प्रस्तुत किया था जिसमें कहा गया है कि 2016-17 के लिए वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानक के तहत तैयार किए जाने हैं। समीक्षा आवेदन में वीसीटीपीएल ने वर्ष 2016-17 के लेखा-परीक्षित वार्षिक खातों को प्रस्तुत नहीं किया है, हालांकि वर्ष पहले से खत्म हो चुका है। इसलिए, वीसीटीपीएल को 2016-17 के लिए अंतिम लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है।	वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा प्रस्तुत किया गया है। [17 नवंबर 2017 के आदेश के पैरा 15 (iii) के अनुसार, वर्ष 2016-17 के लिए पिछले अवधि के विश्लेषण में विचार किए गए आंकड़े अस्थायी खातों पर आधारित थे; इसलिए, वर्ष 2016-17 के लिए वास्तविक स्थिति की समीक्षा अगले प्रशुल्क संशोधन कार्रवाई के दौरान की जाएगी।]
(ii)	वर्ष 2014-15 और 2015-16 के लिए लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा वर्ष 2016-17 के लिए अस्थायी वार्षिक लेखा वर्ष 2014-15 में ₹380.08 लाख, वर्ष 2015-16 में ₹406.70 लाख और वर्ष 2016-17 में ₹0.60 लाख की शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि का उल्लेख है। वीसीटीपीएल ने अपने सामान्य संशोधन प्रस्ताव के प्रसंस्करण के दौरान, कथित आदेश के पैरा 16(iv) (छ) (i) में लाए गए वार्षिक खातों/अस्थायी वार्षिक खातों में रिपोर्ट किए गए वास्तविक विदेशी मुद्रा लाभ/हानि का ब्यौरा प्रस्तुत किया था। तुरत संदर्भ के लिए कथित तालिका का प्रासंगिक हिस्सा आगे उप पैरा में दिया गया है। वीसीटीपीएल ने वर्ष 2016-17 के लिए अपने सामान्य संशोधन प्रस्ताव में लागत विवरण में ₹1826.33 लाख के विदेशी मुद्रा हानि की अलग-अलग प्रविष्टि पर विचार किया था और कहा था कि यह वर्ष 2014-15 और 2016-17 में किए गए 18.37 मिलियन अमरीकी डालर के वास्तविक ऋण भुगतान से संबंधित है। वीसीटीपीएल द्वारा विचारित आंकड़ा वर्ष 2014-15 से 2015-16 के लिए लेखापरीक्षित वार्षिक खातों में और वर्ष 2016-17 के अस्थायी वार्षिक खातों में नहीं पाया गया था और इसलिए पैरा 16(iv)(छ) (ii) में दर्ज कारणों से प्राधिकरण द्वारा नहीं माना गया है। वीसीटीपीएल ने अब इस मद की समीक्षा का अनुरोध किया है। वीसीटीपीएल ने विदेशी मुद्रा ऋण के भुगतान के समय होने वाले विदेश विनियम हानि का सारांश तालिका - ख में और अितरिक्त हेज्ज लागत का सारांश तालिका ग में किया है तथा ₹1830.42 लाख रुपये के विदेश विनियम हानि पर विचार करनेका अनुरोध किया है [प्राधिकरण के दिनांक 14 नवंबर 2017 के आदेश के पैरा 16(iv)(छ) (ii) में वीसीटीपीएलद्वारा विचारित राशि ₹1826.33 लाख है।] तालिका 'ख' विदेशी मुद्रा ऋण के भुगतान के समय विदेश विनियम हानि (वीसीटीपीएल द्वारा यथा प्रस्तुत)	--

अंतर्गत परिसंपत्तियां	विदेशी मुद्रा ऋण		भुगतान			विदेश विनियम हानि
	अमेरिकी डॉलर	भारतीय मुद्रा ₹.	वित्तीय वर्ष	अमेरिकी डॉलर	भारतीय मुद्रा ₹.	
आरटीजीसी	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	2 6,874,8 3	45,50 ,703
स्प्रेडर	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,108	4,056,659
2014-15 के लिए उप-योग (क)	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,362
आरएमक्यूर्सी	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,1 4,292
आरटीजीसी स्पेयर्स	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624
आरएमक्यूर्सी स्पेयर्स	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736
2016-17 का उप-योग(ख)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,798	12,53,08,652
कुल (क+ख)	18,372, 15	98,63,27,717		18,372,815	116,12,02,73	17,48,75,014

तालिका 'ग' उपर्युक्त के अतिरिक्त, अतिरिक्त हेज्ज लागत (केवल हेज्ज दर और भुगतान विनिमय के अंतर तक सीमित)

भुगतान की गई हेज्ज लागत	बमेरिकी डॉलर	निर्णीत दर	हेज्ज दर	हेज्ज लागत	हेज्ज की कुल लागत	बमेरिकी डॉलर
संदर्भ अनुलग्नक 11-घ (आरएमक्यूसी क्रृष्ण-1)	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000	15.03.2017
संदर्भ अनुलग्नक 11-ड (आरएमक्यूसी क्रृष्ण-2)	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840	15.03.2017
संदर्भ अनुलग्न नक 11-च (आरएमक्यूसी क्रृष्ण-3)	2,4 8,634	6 .05	64.88	0.17	414,568	29.03.2017
संदर्भ अनुलग्न नक 11-छ (आरएमक्यूसी स्पेयर्स क्रृष्ण)	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894	01.03.2017
कुल लागत					81,67,301	

क) तालिका-बी के संदर्भ में, चूंकि वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य के अनुसार वर्ष 2014-15 और 2016-17 में विदेशी मुद्रा क्रृष्ण की चुकौती हो गई है, इसलिए वीसीटीपीएल से अनुरोध है कि 2014-15 और 2016-17 के वार्षिक खातों में किए गए वर्षों में विदेशी मुद्रा क्रृष्ण की चुकौती के कारण लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 2014-15 में उल्लेखित विदेशी मुद्रा हानि के निम्नलिखित ब्यारे और पिछले सामान्य संशोधन के दौरान वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत 2016-17 के अस्थायी(प्रोविज्नल) लेखा में 2014-15 के लिए ₹.4,95,66,362 और वर्ष 2016-17 के लिए ₹. 12,53,08,652, की कथित विदेशी मुद्रा हानि किस शीर्ष के तहत है:

(रूपयों में)

क्रम सं.	विवरण	वर्ष 2014-15 और 2015-16 के लिए लेखा परीक्षित खातों में रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के साथ विधिवत मिलान और वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत विदेशी मुद्रा हानि/लाभ का ब्यौ रा और वर्ष 2016-17 के लिए अस्थायी लेखा	वित्तीय वर्ष 2014-15 (लेखा परीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2015-16 (लेखा परीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2016-17 (प्रोविज्नल)
1	प्रबंधन फीस	42,109	1,438	15,444	
2	एएमसी- नेवीस एलएलसी	941	(7,747)	(1,076)	
3	स्पेयर्स का आयात	1,394	193	-	
4	बीसी पर ब्याज	15,007	-	-	
5	यात्रा और अन्य व्यय	2,276	2,332	6,340	
6	क्रेता का उधार (बीसी) एलसी क्रृष्ण पुनःलेखांकन	32,029,255	30,907,372	-	
7	एफसीएनआर क्रृष्ण का भुगतान (विदेश विनिमय लाभ/हानि)	(6,980)	(4,013,002)	-	
8	एफसीएनआर क्रृष्ण की पुनःलेखांकन	5,938,467	13,779,714	-	
9	बैंक प्रभार	(13, 27)	294	-	
10	विदेश विनिमय दायित्वों की पुनःलेखांकन	-	-	39,312	
	कुल विदेश विनिमय हानि/(लाभ)	38,008,742	40,670,595	60,020	

वीसीटीपीएल द्वारा ₹.1830.42 लाख का लागत विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में विदेशी मुद्रा क्रृष्ण प्राप्त करने की तारीख शुरू होने की तिथि से भुगतान की तारीख तक संचयित विदेशी मुद्रा हानि पर आधारित है। विदेशी मुद्रा घाटे को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में संचय आधार पर माना जाता है और न कि भुगतान के समय बुक किए गए पूरे तुकसान को भारतीय लेखा मानक की प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है। ₹.1830.42 लाख के विदेशी मुद्रा घाटे के दो भाग हैं - (1) ₹.1745.32 लाख के शेष विदेशी मुद्रा क्रृष्ण के लिए पुनःलेखांकित और वास्तविक विदेश विनिमय हानि (2) वास्तविक विदेशी मुद्रा हानि के प्रति वसूला गया हेज लागत का हिस्सा यदि ₹.85.11 लाख की राशि विदेशी मुद्रा क्रृष्ण हेज नहीं किया गया होता। बहेतर स्पष्टता के लिए, क्रृष्ण विवरण दिखाते हुए एक विवरण प्रस्तुत किया गया है, जिसे प्रत्येक वर्ष की विदेश मुद्रा हानि और अंतिम भुगतान

		के साथ मुद्रा दर और बैलेंस शीट और पी एंड एल खाते के संदर्भ में आगे के पैरा में, दर्शाया गया है।
	(ख) इसी तरह, वर्ष 2016-17 के लिए की तालिका-ग में दी गई रु.81,67,301 की अतिरिक्त हेज लागत के कारण विदेशी मुद्रा हानि के संबंध में वीसीटीपीएल से यह बताने का अनुरोध किया जाता है कि अतिरिक्त हेज लागत के कारण 2016-17 के वार्षिक खातों में कौन सी विदेशी मुद्रा हानि है। साथ ही हेजिंग लागत के बारे में संक्षिप्त सूचना के लिए विदेशी मुद्रा हानि का उल्लेख किया गया है।	हेज लागत पर एक संक्षिप्त नोट वीसीटीपीएल द्वारा दिया है जो आगे के अनुच्छेद में उल्लेखित है।
(iii)	"खरीदारों के ऋण का भुगतान" शीर्षक के तहत, वीसीटीपीएल द्वारा समीक्षा आवेदन में तालिका 'क' में - रु.308,978 (आरटीजीसी ऋण) के अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि और रु.308,974(स्प्रेडर ऋण) के विदेशी मुद्रा लाभ को वर्ष 2014-15। इसी तरह, वर्ष 2016-17 के लिए रु.343,430 (आरटीजीसी स्पेयर लोन) और रु.182,176 (आरटीजीसी स्पेयर लोन) अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि माना जाता है। यदि वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य के साथ सहसंबंध नहीं किया जा सकता है तो वीसीटीपीएल अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि/लाभ के आधार को समझाए।	रु.3,08,978/- की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि और रु.3,08,974/-) के विदेशी मुद्रा लाभ को नजरअंदाज कर दिया जाए क्योंकि दोनों का साथ कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इसी प्रकार, रु.3,43,430/- को अनदेखा किया जाए। वास्तविक नुकसान बैंक से बसूल किया गया है और हेज लागत समायोजन का हिस्सा है। यह अलग से ऊपर हेज लागत लागत की बसूली के तहत दिखाया गया है। रु.1,82,176/- के संबंध में कोई दावा नहीं किया गया है और इसलिए यह एक टाईपोग्राफिकल त्रुटि हो सकती है कृपया अनदेखी की जाए।
(iv)	जैसा कि वर्ष 2017-18 वर्ष पहले से खत्म हो चुका है, वीसीटीपीएल द्वारा प्रहस्तित वास्तविक यातायात को भरा जाए:	वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए प्रहस्तित आगम/निर्गम 388,289 दीइयू है।

6.2. वर्ष 2014-15 और 2016-17 से संबद्ध विदेशी मुद्रा हानि का वीसीपीटीएल द्वारा प्रस्तुत विवरण नीचे दिया गया है :

(i). वीसीपीटीएल ने समीक्षा आवेदन के दौरान निम्नलिखित तालिका तुरत संदर्भ के लिए पहले ही प्रस्तुत कर दी है:

निहित परिसंपत्तियां	विदेशी मुद्रा ऋण		भुगतान/बदायबी			विवेक विनियम हानि भारतीय मुद्रा रु.
	बमेरिकी डॉलर	भारतीय मुद्रा रु.	वित्तीय वर्ष	बमेरिकी डॉलर	भारतीय मुद्रा रु.	
आरटीजीसी	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,834	45,509,704
स्प्रेडर	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,107	4,056,659
2014-15(क) के लिए उप बोग	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,363
आरएमक्यूसी	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,298
आरटीजीसी स्पेयर्स	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624
आरएमक्यूसी स्पेयर्स	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736
2016-17(च) के लिए उप बोग	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,658
बोग (क+च)	18,372,815	98,63,27,716		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,021

बेहतर स्पष्टता और प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लाभ हानि विवरण तथा तुलन पत्र में यह जिस प्रकार दर्शाया गया है, वीसीटीपीएल ने प्रत्येक संपत्तिवार ऋण दायित्वों और विदेश विनिमय हानि की मुद्रा दर को निम्नतालिकाओं में दर्शाया है:

क. प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण, विदेश विनिमय हानि से संबद्ध वर्षवार व्यौरे और आरटीजीसी के आयात के विरुद्ध ऋण के लिए किए गए अंतिम भुगतान विवरण की तालिका

वित्तीय वर्ष	विवरण	अमेरिकी डॉलर	एक्स दर	भारतीय मुद्रा रु.	हानि/लाभ
2011-12	आरटीजीसी ऋण देनदारियां -1	4,398,411	49.2250	216,511,767	
2012-13	आरटीजीसी ऋण देनदारियां -2	479,583	51.8228	24,853,363	
		4,877,994		241,365,130	
2011-12	31-3-2012 को पुनःलेखांकित किया गया		51.8521	228,066,832	11,555,065
2012-13	31-3-2013 को पुनःलेखांकित किया गया		54.3550	265,143,370	12,223,175
2013-14	31-3-2014 को पुनःलेखांकित किया गया		59.7580	291,499,172	26,355,802
2014-15	भुगतान 2014-15 में किया गया				
	16/05/2014	4,398,411	58.8100	258,670,534	
	16/05/2014	479,583	58.8100	28,204,300	
	आरटीजीसी ऋण का कुल भुगतान	4,877,994		286,874,834	(4,624,338)
2011-12 से	कुल विदेश विनिमय हानि—आरटीजीसी (i) [रु. 241,365,130 में से रु. 286,874,834 घटाएं]	45,509,704			
2014-15					

जैसा कि उपर्युक्त तालिका का संदर्भ दिया जा सकता है, 2012-13 तक 48,77,994 अमरीकी डालर के समतुल्य भारतीय मुद्रा रु. 24,13,65,130/-के विदेशी मुद्रा ऋण को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में पुनःलेखांकित कर दिया गया था। शेष विदेशी मुद्रा हानि को पी एंड एल खाते में डेविट कर दिया गया था और संबंधित वित्तीय वर्ष के अंत में बैलेंस शीट में ऋण देनदारियों को जमा किया गया था। 2014-15 में रु28,68,74,834/- ऋण व्यवस्थित किया गया था। जिसके परिणामस्वरूप रु4,55,09,704/- (वर्ष 2011-12 से 2014-15 तक जिसमें 2013-14 तक विदेशी मुद्रा हानि शामिल है)का कुल विदेशी मुद्रा घाटे को भुगतान के समय पूरे नुकसान को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में घटित(अकर्त्रित) आधार पर माना जाता है न कि भारतीय लेखा मानकों के अनुसार अनुकरणीय पद्धति के अनुरूप माना जाता है।

ख. प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण, विदेश विनिमय हानि का स्प्रेडर्स के आयात के लिए ऋण और अंतिम भुगतान के वर्षवार विवरण की तालिका

वित्तीय वर्ष	विवरण	अमेरिकी डॉलर	एक्स दर	भारतीय मुद्रा रु.	हानि / (लाभ)
2011-12	स्प्रेडर्स-ऋण देनदारियां -1	308,475	48.1213	14,844,218	
2011-12	स्प्रेडर्स-ऋण देनदारियां -2	34,275	51.8521	1,777,231	
		342,750		16,621,448	
2011-12	31-3-2012 को पुनःलेखांकित किया गया		51.8521	17,772,307	1,150,859
2012-13	31-3-2013 को पुनःलेखांकित किया गया		54.3550	18,630,176	857,869
2013-14	31-3-2014 को पुनःलेखांकित किया गया		59.7580	20,482,055	1,851,878
2014-15	2014-15 में भुगतान किया गया				
	18/06/2014	308,475	60.3500	18,616,466	
	19/06/2014	34,275	60.1500	2,061,641	
	स्प्रेडर्स ऋण के लिए कुल भुगतान	342,750		20,678,107	196,053
2011-12 से 2014-15 तक	कुल विदेश विनिमय हानि—स्प्रेडर्स (ii) [रु. 16,621,448 में से रु. 20,678,107 घटाएं]				4,056,659

जैसा कि उपर्युक्त तालिका का संदर्भ दिया जा सकता है, 2011-12 तक 3,42,750 अमरीकी डालर के समतुल्य भारतीय मुद्रा रु. 1,66,21,448/- के विदेशी मुद्रा ऋण को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में पुनःलेखांकित कर दिया गया था। शेष विदेशी मुद्रा हानि को पी एंड एल खाते में डेबिट कर दिया गया था और संबंधित वित्तीय वर्ष के अंत में बैलेंस शीट में ऋण देनदारियों को जमा किया गया था। रु. के लिए 2014-15 में 2,06,78,107/- ऋण तय किया गया था। जिसके परिणामस्वरूप रु. 4,56,09,704/- (वर्ष 2011-12 से 2014-15 तक जिसमें 2013-14 तक विदेशी मुद्रा हानि शामिल है) का कुल विदेशी मुद्रा घाटा हुआ। विदेशी मुद्रा घाटे को भुगतान के समय पूरे नुकसान को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में घटित(अकरुल) आधार पर माना जाता है न कि भारतीय लेखा मानकों के अनुसार अनुकरणीय पद्धति के अनुरूप माना जाता है।

ऊपर के और ख के आधार पर दोनों लेनदेनों के लिए वर्ष 2014-15 में अदा की गई निवल विदेश विनिमय हानि को निम्नलिखित तालिका में समेकित किया गया है:

2014-15 के लिए उप-बोग (क)	भारतीजीसी और स्पेक्स के लिए कुल विदेशी मुद्रा ऋण	बमेरिकी डॉलर	भारतीय मुद्रा रु.	हानि/ (लाभ)
	व्यवस्थापन के समय ओ/एस	5,220,744	257,986,578	
	किया गया भुगतान	5,220,744	307,552,941	49,566,363
	तालिका के और तालिका ख के अनुसार निवल विदेश विनिमय हानि (i+ii)			49,566,363

ग. प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण, पुनःलेखांकित किए गए वर्षवार विदेश विनिमय हानि और अदायगी आरएमक्यूसी के आयात के विरुद्ध लिए ऋण के अंतिम भुगतान

वित्तीय वर्ष	विवरण	बमेरिकी डॉलर	विनिमय दर	भारतीय मुद्रा रु.	हानि/ (लाभ)
2012-13	आरएमक्यूसी ऋण देनदारियां	12,810,634	55.4258	710,039,650	
2012-13	31-3-2013 को पुनःलेखांकित किया गया		54.3550	696,322,023	(13,717,627)
2013-14	31-3-2014 को पुनःलेखांकित किया गया		59.7580	765,537,880	69,215,857
2014-15	31-3-2015 को पुनःलेखांकित किया गया		62.5300	801,048,958	35,511,078
2015-16	31-3-2016 को पुनःलेखांकित किया गया		64.8800	831,153,948	30,104,990
2016-17	2016-17 में किया गया भुगतान				
	15/03/2017	9,300,000	64.8800	603,384,000	
	15/03/2017	1,072,000	64.8800	69,551,360	
	29/03/2017	2,438,634	64.8800	158,218,588	
	आरएमक्यूसी ऋण के लिए किया गया कुल भुगतान	12,810,634		831,153,948	-
2012-13 से 2016-17	कुल विदेश विनिमय हानि- आरएमक्यूसी (iii) [रु. 710,039,650 में से रु. 831,153,948 छटा है]				121,114,298

जैसा कि उपर्युक्त तालिका का संदर्भ दिया जा सकता है, 2012-13 तक 1,28,10,634 अमरीकी डालर के समतुल्य भारतीय मुद्रा रु. 71,00,39,650/- के विदेशी मुद्रा ऋण को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में पुनःलेखांकित कर दिया गया था। शेष विदेशी मुद्रा हानि को पी एंड एल खाते में डेबिट कर दिया गया था और संबंधित वित्तीय वर्ष के अंत में बैलेंस शीट में ऋण देनदारियों को जमा किया गया था। 2016-17 में : रु. 83,11,53,948/- ऋण तय किया गया था। जिसके परिणामस्वरूप रु12,11,14,298/- (वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक जिसमें 2015-16 तक विदेशी मुद्रा हानि और भुगतान के समय अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि शामिल है) का कुल विदेशी मुद्रा घाटा हुआ। चूंकि 2015-16 में विदेशी मुद्रा हानि को भारतीय मुद्रा रु. 64.88 पर रखा गया था, इसलिए भुगतान करने के समय कोई अतिरिक्त नुकसान नहीं हुआ है। विदेशी मुद्रा घाटे को भुगतान के समय पूरे नुकसान को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में घटित(अकरुल) आधार पर माना जाता है न कि भारतीय लेखा मानकों के अनुसार अनुकरणीय पद्धति के अनुरूप माना जाता है।

घ. प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण, विदेश विनिमय हानि से संबद्ध वर्षवार ब्यौरे और आरटीजीसी स्पेयर्स के आयात के विरुद्ध ऋण के लिए किए गए अंतिम भुगतान विवरण की तालिका

वित्तीय वर्ष	विवरण	बमेरिकी डॉलर	विनिमय दर	भारतीय मुद्रा रु.	हानि/ (लाभ)
2012-13	आरटीजीसी स्पेयर्स ऋण देनदारियां	183,163	53.8014	9,854,395	
2012-13	31-3-2013 को पुनःलेखांकित किया गया		54.3550	9,955,803	101,408
2013-14	31-3-2014 को पुनःलेखांकित किया गया		59.7580	10,945,431	989,628
2014-15	31-3-2015 को पुनःलेखांकित किया गया		62.5300	11,453,157	507,727
2015-16	31-3-2016 को पुनःलेखांकित किया गया		64.8800	11,883,589	430,432
2016-17	2016-17 में किया गया भुगतान				
	17/10/2016	183,163	66.7550	12,227,019	
	आरटीजीसी स्पेयर्स ऋण के लिए कुल भुगतान	183,163		12,227,019	343,430
2012-13 से 2016-17	कुल विदेश विनिमय हानि- आरटीजीसी स्पेयर्स (iv) [रु. 9,854,395 में से रु. 12,227,019 छटा है]				2,372,624

जैसा कि उपरोक्त तालिका में संदर्भित किया जा सकता है, 2012-13 तक 1,83,163 अमरीकी डालर के बराबर भारतीय मुद्रा रु. 98,54,395/- के विदेशी मुद्रा ऋण को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में पुनःलेखांकित कर दिया गया था। शेष विदेशी मुद्रा हानि को पी एंड एल खाते में डेविट कर दिया गया था और संवंधित वित्तीय वर्ष के अंत में बैलेंस शीट में ऋण देनदारियों को जमा किया गया था। 2016-17 में ऋण तय किया गया था। 1,22,27,019/- जिसके परिणामस्वरूप रु. 23,72,624/- (वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक जिसमें 2015-16 तक विदेशी मुद्रा हानि और भुगतान के समय अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि शामिल है) का कुल विदेशी मुद्रा घाटा हुआ। चूंकि 2015-16 में विदेशी मुद्रा ऋण को भारतीय मुद्रा रु. 64.88 पर रखा गया था का अतिरिक्त नुकसान। भुगतान करने के समय किए गए रु. 3,43,430 बाद में बैंक को भुगतान की गई हेज लागत से वापस समायोजित किया गया था। विदेशी मुद्रा घाटे को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में संचय आधार पर माना जाता है और भुगतान के समय बुक किए गए पूरे नुकसान को भारतीय लेखा मानक के अनुसार उपचार के अनुसार नहीं किया जाता है।

इ. प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण, विदेश विनियम हानि से संबद्ध वर्षवार ब्योरे और आरटीजीसी स्पेयर्स के आयात के विरुद्ध ऋण के लिए किए गए अंतिम भुगतान विवरण की तालिका:

वित्तीय वर्ष	विवरण	अमेरिकी डॉलर	विनियम दर	भारतीय मुद्रा रु.	हानि/(लाभ)
2012-13	आरएमक्यूसी स्पेयर्स ऋण देनदारियां	158,274	53.3700	8,447,093	
2012-13	31-3-2013 को पुनःलेखांकित किया गया		54.3550	8,602,993	155,900
2013-14	31-3-2014 को पुनःलेखांकित किया गया		59.7580	9,458,148	855,155
2014-15	31-3-2015 को पुनःलेखांकित किया गया		62.5300	9,896,884	438,736
2015-16	31-3-2016 को पुनःलेखांकित किया गया		64.8800	10,268,829	371,944
2016-17	2016-17 में किया गया भुगतान				
	01/03/2017	158,274	64.8800	10,268,829	
	आरटीजीसी स्पेयर्स ऋण के लिए कुल भुगतान	158,274		10,268,829	-
2012-13 से 2016-17	कुल विदेश विनियम हानि – आरटीजीसी स्पेयर्स (v) [रु. 8,447,093 में से रु. 10,268,829 घटाएं]				1,821,736

जैसा कि उपरोक्त तालिका में संदर्भित किया जा सकता है, 1,58,274 अमरीकी डालर के बराबर भारतीय मुद्रा रु. 84,47,093/- के विदेशी मुद्रा ऋण को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में पुनःलेखांकित कर दिया गया था। शेष विदेशी मुद्रा हानि को पी एंड एल खाते में डेविट कर दिया गया था और संवंधित वित्तीय वर्ष के अंत में बैलेंस शीट में ऋण देनदारियों को जमा किया गया था। रु. के लिए 2016-17 में ऋण तय किया गया था। 1,02,68,829/- जिसके परिणामस्वरूप रु के कुल विदेशी मुद्रा में कमी आई। 18,21,736/- (वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक जिसमें 2015-16 तक विदेशी मुद्रा हानि और भुगतान के समय अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि शामिल है)। चूंकि 2015-16 में विदेशी मुद्रा ऋण को भारतीय मुद्रा रु. 64.88 पर रखा गया था, इसलिए भुगतान करने के समय कोई अतिरिक्त नुकसान नहीं हुआ है। विदेशी मुद्रा घाटे को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में संचय आधार पर माना जाता है और भुगतान के समय बुक किए गए पूरे नुकसान को भारतीय लेखा मानक के अनुसार उपचार के अनुसार नहीं किया जाता है।

तालिका ग, घ और ड के आधार पर, 2016-17 में भुगतान किए गए लेनदेन के लिए शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि निम्नलिखित तालिका में समेकित की गई है:

	आरएमक्यूसी और आरटीजीसी के लिए आरएमक्यूसी और स्पेयर्स के लिए ऋण	अमेरिकी डॉलर	भारतीय मुद्रा रु.	हानि/(लाभ)
(घ) के लिए उप कुल	समायोजन करने समय शेष	13,152,071	728,341,138	
	किया गया भुगतान	13,152,071	853,649,796	125,308,658
	तालिका ग, घ और ड के अनुसार निवल हानि (iii+iv+v)			125,308,658

2011-12 से 2014-15 तक वित्तीय वर्षवार विदेशी मुद्रा हानि/(लाभ) क्रेता के पुनःलेखांकित किए गए केडिट (वीसी एफसी) ऋण इस प्राधिकरण को प्रस्तुत किया गया है और अप्रैल 2016 के पहले प्रशुल्क आदेश और नवंवर 2017 के वर्तमान प्रशुल्क आदेश में दिखाया गया दिया है।

संदर्भ की आसानी के लिए, वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत की गई अप्रैल 2016 के प्रशुल्क आदेश और नवंवर 2017 के वर्तमान प्रशुल्क आदेश में आने वाले विदेशी मुद्रा हानि तालिका नीचे दी गई है:

क्रम सं.	विवरण	वित्तीय वर्ष 2011-12 (लेखा परीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2012-13 (लेखा परीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2013-14 (लेखा परीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2014-15 (लेखा परीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2015-16 (लेखा परीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2016-17 (प्रेविज्ननल)
1	प्रबंधन फीस	1,096	103,860	18,704	42,109	1,438	15,444
2	एएमसी-नेवीस एलएलसी	6,823	(512,925)	27,762	941	(7,747)	(1,076)
3	स्पेयर्स का आयात	290,298	34,536	82,424	1,394	193	--
4	बीसी पर ब्याज	9,362	59,559	37,205	15,007	--	--
5	यात्रा एवं अन्य व्यय	3,470	(4,015)	305	2,276	2,332	6,340
6	प्रबंधन फीस का पुनःलेखांकन	108,840	--	--			
7	क्रेता का उधार (बीसी) एफसी क्रहन पुर्नलेखांकन *	13,424,421	(1,097,782)	99,268,320	32,029,255	30,907,372	--
8	एफसीएनआर क्रहन का भुगतान			--	(6,980)	(4,013,002)	--
9	एफसीएनआर क्रहन का पुर्नस्थापन	--	(707,911)	--	5,938,467	13,779,714	--
10	बैंकी प्रभार				(13,727)	294	--
11	विदेश विनिमय देनदारियों का पुनःलेखांकन						39,312
12	एफसी का रद्दीकरण	(11,436,110)	(5,100,677)				
	कुल हानि /(लाभ)	2,408,200	(7,225,356)	99,434,720	38,008,742	40,670,595	60,020
	पूर्ववर्ती आदेशों में अविचारित राशि लाखों में	2,097,151	(6,198,459)	99,268,320	37,982,729	44,687,087	39,312
	अनुज्ञेय वास्तिविक हानि/(लाभ)	311,049	(1,026,897)	166,400	26,013	(4,016,492)	20,708

* चिन्हित बीसी एफसी क्रहन की पुनःलेखांकित की गई राशियों को पिछले प्रशुल्क आदेशों में नहीं दर्शाया गया है:

2011-12 से 2013-14 तक (पिछले प्रशुल्क चक्र से) : रु. 11,15,94,959/-

2014-15 : रु. 3,20,29,255/-

2015-16 : रु. 3,09,07,372/-

2016-17 : रु. -

कुल विदेश विनिमय हानि : रु. 17,45,31,586/-

तालिका क, ख, ग, घ और ड को समेकित करते हुए :

वित्तीय वर्ष	लाभ व हानि में उल्लेखित विदेश विनिमय हानि/(लाभ)	क्रहन देनदारियां	बीएस में संदर्भ
2011-12 से 2013-14	11,15,94,959	1,097,922,680	वित्तीय वर्ष 2013-14, नोट 5, दीर्घावधि के देनदारियां (बैंकों से स्वीकार्यता - सुरक्षित) भारतीय मुद्रा रु. 80,64,23,509 + नोट 10: अन्य वर्तमान देनदारियां भारतीय मुद्रा रु. 29,14,99,171.

2014-15	3,20,29,255	822,398,994	वित्तीय वर्ष 2014-15, नोट 5, दीर्घावधि के देनदारियां (बैंकों से स्वीकार्यता – सुरक्षित) भारतीय मुद्रा रु.82,23,98,994.
2015-16	3,09,07,367	853,306,366	वित्तीय वर्ष 2015-16, नोट 5, दीर्घावधि के देनदारियां (बैंकों से स्वीकार्यता – सुरक्षित) भारतीय मुद्रा रु. 87,24,15,010 में से बैंक द्वारा दी जाने वाली भारतीय मुद्रा रु. 1,91,08,644 घटाएं क्योंकि वर्ष 2015-16 में देनदारियां को हेज्ज किया गया था।
2016-17	3,43,430	--	वित्तीय वर्ष 2016-17, नोट 16, उधार (बैंकों से स्वीकार्यता – सुरक्षित) भारतीय मुद्रा रु. शून्य. अतिरिक्त भारतीय मुद्रा हानि रु.3,43,430 को हेज्ज लागत लेखा में समजित किया गया है।
योग	17,48,75,011	--	
घटाएं : हेज्ज लेखा(खाता) में व्यवस्थित	3,43,430		
लाभ व हानि में उल्लेखित विदेश विनियम हानि	17,45,31,581		

चूंकि एफसी ऋण ओ/एस को वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान प्रति माह 64.88 रुपये पर रखा गया था और 31-03-2016 को इसे पुनःलेखांकित किया गया था, 2016-17 में भुगतान करने के समय कोई अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि का उल्लेख नहीं किया गया था। हालांकि, हेज्ज लागत अर्थात बैंक को प्रीमियम का भुगतान वीसीटी द्वारा वहन किया गया और इसे 2015-16 और 2016-17 के पी एंड एल खाते में घटित आधार पर वित्त लागत में डेबिट कर दिया गया था।

(ii) **हेज्जिंग पर संक्षिप्त नोट :**

2015-16 के दौरान अत्यधिक अस्थिर विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए, कंपनी ने 19 अक्टूबर 2015 को बकाया विदेशी मुद्रा ऋण को हेज्ज करने का विकल्प चुना था। अपनी परिपक्वता तिथि पर भुगतान के लिए ऋण पूँजी और ब्याज भुगतान @ प्रति अमेरिकी डालर रु. 64.88 पर हेज्ज किए गए। कंपनी ने प्रीमियम के प्रति हेज लागत का भुगतान किया और संबंधित वित्तीय वर्षों में घटित आधार पर अपनी वित्त लागत में इसे डेबिट कर दिया।

यदि ऋण हेज्ज नहीं किए गए होते तो विदेशी मुद्रा हानि निम्नानुसार होती :

विवरण	शेष ऋण अमेरिकी डॉलर में	प्रति यूएसडी भारतीय मुद्रा में देय एफसी ऋण	प्रति यूएसडी भारतीय मुद्रा दर पर लिया गया	हानि बैंक से प्राप्त अतिरिक्त विदेश विनियम प्रति यूएसडी	बदा की गई हेज्ज लागत से बसूल की गई लाभत (वास्तविक विदेश विनियम हानि होती)
आरएमक्यूसी ऋण -1	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000
आरएमक्यूसी ऋण -2	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840
आरएमक्यूसी ऋण -3	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568
कुल आरएमक्यूसी ऋण	12,810,634				7,882,408
आरएमक्यूसी स्पेयर्स ऋण	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894
आरटीजीसी स्पेयर्स ऋण	183,163	66.76	64.88	1.88	343,430
हेज्ज अमेरिकी डॉलर मुद्रा	13,152,071				8,510,731
बैंक को बदा की गई हेज्ज लागत से बसूल कुल लागत जो वास्तविक विदेश विनियम हानि होती					

इसलिए, वीसीटीपीएल ने इस प्राधिकरण से निम्नलिखित पर विचार करने का अनुरोध किया:

अपने संबंधित वित्तीय वर्षों में पी एंड एल में विदेशी

मुद्रा हानि का उल्लेख किया गया

: रु.17,45,31,581/-

हेज लागत का हिस्सा भुगतान की राशि

: रु. 85,10,731/-

कुल विदेशी मुद्रा हानि

: रु.18,30,42,313/-

=====

7. लाइसेंसधारक पोर्ट, को हमारे 3 मई 2018 के पत्र के अंतर्गत कुछ मुद्दों पर 10 मई 2018 तक अतिरिक्त जानकारी देने के लिए वीपीटी से अनुरोध किया गया था, जिसके बाद 21 मई 2018 को अनुस्मारक दिया गया था। इसके जवाब में, वीपीटी ने 28 मई 2018 को लिखित पत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया। हमारे द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी और वीपीटी द्वारा प्रस्तुत किए गए संबंधित उत्तरों का सारांश नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

क्रम सं.	हमारे द्वारा मांगी गई जानकारी	वीपीटी के उत्तर
	<p>वीसीटीपीएल ने 21 फरवरी 2018 के अपने पत्र के दौरान, वीपीटी की टिप्पणियों पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करते हुए दोहराया कि पड़ोसी बंदरगाहों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण, वीपीटी के यातायात अनुमान बहुत अधिक हैं और केवल वीसीटीपीएल द्वारा अनुमानित बॉल्यूम और राजस्व अनुमान पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है। 25 अप्रैल 2018 को आयोजित संयुक्त सुनवाई में, वीसीटीपीएल ने बताया है कि वर्ष 2017-18 के लिए प्रशुल्क आदेश में अनुमानित 4.00 लाख टीईयू के यातायात के मुकाबले, वीसीटीपीएल ने वास्तविक शर्तों में 3,88,000 टीईयू का ही प्रहस्तन कार्य किया है। वर्ष 2017-18 पहले ही खत्म हो चुका है इसलिए वीपीटी, वीसीटीपीएल द्वारा प्रहस्तित वास्तविक यातायात की पुष्टि करें। इसके अलावा, वीपीटी, वीसीटीपीएल द्वारा वर्ष 2017-18 के अब उपलब्ध प्रहस्तित वास्तविक यातायात के आधार पर वर्ष 2018-19 और 2019-20 के ट्रैफिक अनुमानों की समीक्षा क्रमशः 4,50,000 टीईयू और 4,74,500 पर करें।</p>	<p>3 फरवरी 2018 के वीपीटी पत्र के माध्यम से प्रस्तुत कंटेनर यातायात अनुमानों के संबंध में स्थिति अच्छी है। वर्ष 2017-18 के दौरान, 4 लाख टीईयू की अनुमानित मात्रा के मुकाबले वीपीटी में 388,624 टीईयू का प्रहस्तन कार्य हुआ। अनुमानित मात्रा के मुकाबले भिन्नता 3% से कम थी जो महत्वहीन है। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष के अप्रैल 2018 में दौरान पिछले वर्ष अप्रैल 2017 में की इसी अवधि के दौरान प्रहस्तित किए गए 28,656 टीईयू की तुलना में 33,262 टीईयू प्रहस्तित किए गए थे, और 16% की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह अनुमानित मात्रा वीपीटी के कथन को पर्याप्त रूप से उचित ठहराती है।</p>

8.1 वीपीटी द्वारा 28 मई 2018 के पत्र के माध्यम से दिए गए उत्तर को हमारे 15 जून 2018 को वीसीटीपीएल को टिप्पणी के लिए भेजा गया था। वीसीटीपीएल से अनुरोध किया गया था कि वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए यातायात अनुमान हेतु वर्ष 2017-18 के 388,624 टीईयू पर प्रहस्तित वास्तविक यातायात के आधार पर विचार करें।

8.2 इस संबंध में, वीसीटीपीएल ने 21 जून 2018 के अपने पत्र के माध्यम से वीपीटी द्वारा प्रदान किए गए यातायात अनुमानों पर निम्नलिखित विंदुओं पर प्रकाश डाला है:

- (i) वर्ष 2017-18 के दौरान वीसीटीपीएल द्वारा संचालित श्रूपट 3,88,289 टीईयू था और वीपीटी द्वारा उल्लिखित 3,88,624 टीईयू नहीं था। वीसीटीपीएल में प्रहस्तित किए गए कुल कंटेनर श्रूपट में वर्ष 2016-17 की तुलना में 5.9% की वृद्धि दर्ज हुई।
- (ii) वीपीटी ने वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए क्रमशः 4,50,000 टीईयू और 4,74,500 टीईयू के रूप में कंटेनर यातायात का अनुमान लगाया था। कृपया ध्यान दें कि अप्रैल 2018 के दौरान वीसीटीपीएल में अप्रैल 2017 के दौरान प्रहस्तित कंटेनर श्रूपट 298026 टीईयू के मुकाबले 31080 टीईयू था, यानी 4% की वृद्धि और वीपीटी द्वारा उल्लिखित 16% की वृद्धि नहीं थी। वीपीटी ने यह भी कहा था कि अप्रैल 2018 के दौरान कंटेनर श्रूपट में 16% की वृद्धि के आधार पर, उनके द्वारा अनुमानित श्रूपट उचित है। इस संबंध में, उल्लेख किया जाता है कि:
 - (क) अप्रैल 2018 के दौरान कंटेनर यातायात की वास्तविक वृद्धि अप्रैल 2017 के मुकाबले केवल 4% थी।
 - (ख) प्रक्षेपण की एक वर्ष के लिए पुष्टि के लिए वीपीटी द्वारा एक महीने की स्थिति आधार के रूप में लिया जाना सही नहीं है क्योंकि यह कार्गो प्रोफाइल / बाजार स्थितियों के कारण हर महीने में भिन्न होता है और सालाना औसत पर प्रभाव डालेगा।
- (iii) उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए प्रस्तावित संशोधित यातायात क्रमशः निम्नलिखित बाजार परिदृश्य के आधार पर 4,16,000 टीईयू और 4,36,000 टीईयू है:
 - (क) वीसीटीपीएल में प्रस्तित कंटेनर यातायात का लगभग 40% उड़ीसा क्षेत्र से निकलता है। पारादीप में पहले से ही शुरू ऑपरेशन करने वाली नई कंटेनर हैंडलिंग सुविधा के साथ, खासकर इस बंदरगाह की ओर से गुजरने वाले कलिंग नगर - जजपुर बेल्ट से, वीसीटीपीएल पर माल के कुछ अधिक मात्रा की उम्मीद है।

(xv) इसी प्रकार, काकीनाडा बंदरगाह भी कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए आक्रामक कार्रवाई कर रहा है। पश्चिमी गोदावरी क्षेत्र से पैदा होने वाले माल (चावल, जमे हुए श्रिंग, पेपर इत्यादि जैसी वस्तुओं) काफी मात्रा बढ़ने हैं जो इस बंदरगाह के निकट हैं और उनमें से अधिकतर अच्छी पोत कनेक्टिविटी के कारण वीसीटीपीएल के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में, काकीनाडा बंदरगाह में कंटेनर जहाजों की नियमित सासाहिक कॉल होती है और माल के कुछ हिस्से को इस बंदरगाह में स्थानांतरित किया जाता है। आने वाले महीनों में यह वॉल्यूम शिफ्ट बढ़ने की उम्मीद है।

(iv) उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, वीसीटी द्वारा वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए यातायात अनुमान क्रमशः 4,50,000 टीईयू और 4,74,500 के बजाय क्रमशः 2018-19 और 2019-20 के लिए 4,16,000 और 4,36,000 टीईयू के रूप में माना जाएगा।

(v) संशोधित यातायात प्रक्षेपण के साथ, इन दोनों वर्षों में वार्षिक वृद्धि दर 6% होगी और पिछले वित्त वर्ष 2017-18 के अनुरूप है।

8.3 इसके अलावा, वीसीटीपीएल ने 22 जून 2018 के अपने पत्र के माध्यम से और 04 जुलाई 2018 के बाद के पत्र ने जून 2017, सितंबर 2017, दिसंबर 2017, मार्च 2018, अप्रैल 2018, मई 2018 और जून 2018 के महीने के लिए डीजल बिल प्रस्तुत किए हैं और ईंधन लागत में हालिया बढ़ोतरी के बाद यह भी उल्लेख किया है:

(i) जनवरी 2018 में समीक्षा आवेदन देते समय, वीसीटीपीएल ने ईंधन लागत में तेज वृद्धि और 31.03.2020 तक तय दिसंबर 2017 के टैरिफ ऑर्डर में 2% मुद्रास्फीति पर प्रकाश डाला था, इसका आरओसीई पर गंभीर असर होगा।

(ii) अन्य मामलों के साथ ईंधन मूल्य में वृद्धि पर 25 अप्रैल 2018 को आयोजित संयुक्त सुनवाई के दौरान वीसीटीपीएल ने प्रतिवेदन दिया। संयुक्त सुनवाई के समय, ईंधन की कीमत रु.68.51 प्रति लीटर थी। जो मार्च 2017 में प्रचलित लागत के मुकाबले 17% की वृद्धि है। मार्च 2017 में प्रचलित लागत की तुलनात्मक दृष्टि से वर्तमान मूल्य रु.75.13 रुपये प्रति लीटर में 28.43% की वृद्धि हुई।

(iii) ईंधन कुल ऑपरेटिंग लागत का 10% है और ईंधन लागत में किसी भी अत्यधिक वृद्धि का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

(iv) निम्नलिखित तालिका में लागत प्रभाव की तुलना प्रति टीईयू में प्रस्तुत की गई है:

विवरण	मार्च 2017	मार्च 2018	अप्रैल 2018	मई 2018	जून 2018
लागत प्रति लीटर	58.50	62.48	68.51	72.04	75.13
घपत प्रति टीईयू	2.25	2.42	2.42	2.42	2.42
रु. लागत प्रति टीईयू	132	151	166	174	182
लागत में वृद्धि प्रति टीईयू रु.		20	34	43	50

(v) वर्तमान ईंधन मूल्य के अनुसार, लागत पर प्रभाव रु.50 प्रति टीईयू है।

(vi) इसलिए, वीसीटीपीएल ने अपने टैरिफ समीक्षा आवेदन में 28.43% की ईंधन मुद्रास्फीति पर विचार करने का अनुरोध किया है।

(vii) वीसीटीपीएल ने वर्ष 2017-18 के लिए अप्रैल 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए महीने के अनुसार ईंधन लागत और वर्ष 2018-19 के लिए अप्रैल 2018 से जून 2018 के महीने के लिए एक विवरण प्रस्तुत किया है। वीसीटीपीएल ने आंकड़ों के समर्थन में ईंधन-बिलों की प्रतियां भी प्रस्तुत की हैं। वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत ईंधन लागत का बयान नीचे सारणीबद्ध है:

(क) वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए

माह	मात्रा	राशि	प्रति लीटर औसत लागत
अप्रैल 2017	72000	4,348,513	60.40
मई 2017	72000	4,339,183	60.27
जून 2017	72000	4,298,700	59.70
जुलाई 2017	96000	5,609,893	58.44
अगस्त 2017	84000	5,061,298	60.25
सितंबर 2017	84000	5,161,910	61.45
अक्टूबर 2017	72000	4,410,618	61.26
नवंबर 2017	72000	4,489,427	62.35

दिसंबर 2017	72000	4,606,764	63.98
जनवरी 2018	84000	5,493,201	65.40
फरवरी 2018	72000	4,824,521	67.01
मार्च 2018	92000	6,025,148	65.49
कुल	944000	58,669,176	62.17

(व) वित्तीय वर्ष 2018-19:

माह	मात्रा	राशि	प्रति लीटर औसत लागत
अप्रैल 2018	96000	6,522,926	67.95
मई 2018	108000	7,744,914	71.71
जून 2018	132000	9,794,591	74.20
कुल	336000	24,062,431	71.29

9. संक्षेप में, वीसीटीपीएल ने 18 जनवरी 2018 के अपने समीक्षा आवेदन में अपने पत्र के साथ दायर किया और मामले के प्रसंस्करण के दौरान जमा किए गए बाद के पत्रों में 14 नवंबर 2017 के आदेश निम्नलिखित विंदुओं की समीक्षा के लिए अनुरोध किया गया है:

- (i) वर्ष 2014-15 और 2016-17 में विदेशी मुद्रा ऋण की चुकौती के समय 18,30,42,316 रुपये के कुल विदेशी मुद्रा हानि पर विचार करें, जिसे 14 नवंबर 2017 के अंतिम टैरिफ संशोधन आदेश में प्राधिकरण द्वारा अस्वीकृत किया गया था।
- (ii) वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत यातायात अनुमानों के आधार पर, वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए यातायात अनुमान के लिए वीसीटीपीएल के टैरिफ निर्धारण में इसी अवधि के लिए प्राधिकरण द्वारा, वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित क्रमशः 4,00,000 टीईयू, 4,50,000 टीईयू और 4,74,500 टीईयू के मुकाबले वास्तविक ट्रैफिक क्रमशः 3,88,289 टीईयू, 4,16,000 टीईयू और 4,36,000 टीईयू पर विचार करें।
- (iii) कर्मचारी लागत, विजली लागत, ईधन लागत के प्रति 2% वार्षिक वृद्धि बहुत कम है। वीसीटीपीएल द्वारा अनुमानित वास्तविक मुद्रास्फीति के आधार पर सभी लागत वस्तुओं पर विचार करें। ईधन लागत पर 28.43% वृद्धि का विचार करें।

10. इस मामले में परामर्श से संबंधित कार्यवाही इस प्राधिकरण के कार्यालय में रिकॉर्ड पर उपलब्ध है। पक्षों द्वारा प्राप्त टिप्पणियों और तर्कों का एक अंश प्रासंगिक पार्टियों को अलग से भेजा जाएगा। ये विवरण हमारी वेबसाइट <http://tariffauthority.gov.in> पर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

11. समीक्षा आवेदन में वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत विंदुओं का सारांश, 14 नवंबर 2017 के टैरिफ ऑर्डर से प्रासंगिक उद्धरण और इनका क्रमवार विश्लेषण नीचे दिया गया है।

- (i) **वर्ष 2014-15 और 2016-17 में विदेशी मुद्रा ऋण के पुनर्भुगतान के समय भारतीय मुद्रा रूपये 18,30,42,316 की कुल विदेशी मुद्रा हानि पर विचार करें, जिसे 14 नवंबर 2017 के अंतिम टैरिफ संशोधन आदेश में प्राधिकरण द्वारा अनुमत नहीं किया गया था**

(क) वीसीटीपीएल के कथन:

- (i) 2011-12 और 2012-13 के दौरान खरीदी गई फिक्स्ड एसेट्स के भुगतान के लिए वीसीटीपीएल ने 18,372,815 अमरीकी डालर (समतुल्य रु.98,63,27,717) की 5 साल की अवधि के लिए खरीदारों के क्रेडिट का लाभ उठाने के माध्यम से विदेशी मुद्रा ऋण प्राप्त किया था।

(ii) लेखा मानक (एएस) 11 के अनुसार, बकाया विदेशी मुद्रा देनदारियों का परिवर्तन प्रासंगिक वित्तीय वर्ष के 31 मार्च तक प्रचलित विनिमय दर पर किया जाना चाहिए और खातों की पुस्तकों में दिखाया गया है। वीसीटीपीएल ने प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में एएस 11 के अनुसरण में ऋण देयता को पुनःलेखांकित कर दिया है।

(iii) प्राधिकरण ने 28 अप्रैल 2016 के ऑर्डर नं टीएएमपी/31/2015-वीसीटीपीएल संबंधित पिछले वर्ष में परिवर्तित विदेशी मुद्रा हानि और 12 दिसंबर 2017 के वर्तमान आदेश संख्या टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल में फिर से अनुमति नहीं दी थी जिसमें वास्तविक हानि का दावा यह उल्लेख करते हुए किया गया था कि वास्तविक घटित हानि 2014-15 से 2015-16 तक के लिए लेखापरीक्षित वार्षिक खातों में और वर्ष 2016-17 के अस्थायी वार्षिक खातों में नहीं मिली है।

(iv) उपकरणों की खरीद के लिए वीसीटीपीएल द्वारा लिया गया विदेशी मुद्रा ऋण, इसके समकक्ष भारतीय रूपये, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में ऋण पुनःलेखांकन मूल्य, वास्तविक ऋण चुकौती और वापसी के समय विदेशी मुद्रा हानि प्रस्तुत की गई है।

(v) विदेशी मुद्रा ऋण के समय निर्वहन में किए गए कुल विदेशी मुद्रा हानि का सारांश रु.17,48,75,014 है। इसके अलावा, वीसीटीपीएल ने 2015-16 के दौरान रु. 64.88 प्रति अमरीकी डालर में अपने विदेशी मुद्रा ऋण के हिस्से का हेजिंग कार्य किया था। इसलिए, वीसीटीपीएल ने रु.81,67,302 (हेज दर और भुगतान दर के बीच केवल विनिमय अंतर तक सीमित)की अतिरिक्त हेज लागत पर विचार करने की मांग की है।

(vi) संक्षेप में, वीसीटीपीएल ने प्राधिकरण से रु.18,30,42,316 (अर्थात रु.17,48,75,014 + रु.81,67,302) की कुल विदेशी मुद्रा हानि पर विचार करने का अनुरोध किया है जो टैरिफ वृद्धि की पात्रता के विदेशी मुद्रा ऋण की चुकौती के समय हुआ।

(क) आदेश सं. टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 14 नवंबर, 2017 के पैरा सं.16(iv)(छ) (i) और (ii) के उद्धरण।

"(i) वीसीटीपीएल के वार्षिक लेखे वर्ष 2014-15 से 2016-17 में क्रमशः रु.380.08 लाख रु.406 लाख और रु.0.60 लाख का निबल विदेशी मुद्रा विनिमय घाटा बताता है।

वीसीटीपीएल ने वार्षिक लेखों में प्रतिवेदित वास्तविक विदेशी मुद्रा लाभ/हानि का ब्रेकअप प्रस्तुत किया है।

प्रशुल्क आदेश 2015 एवं समीक्षा आदेश सं. टीएएमपी/31/2015 –वीसीटीपीएल दिनांक 30 मार्च 2016 में वास्तविक लेनदेन के कारण हाने वाले विदेशी मुद्रा लाभ हानि और वास्तविक भुगतान प्रशुल्क निर्धारण प्रक्रिया के प्रयोजन के लिए लागत विवरण में लिए गए हैं। ऋण/परिसंपत्तियों/व्ययों के पुनर्विवरण के कारण होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ अथवा हानि प्रशुल्क निर्धारित किए जाने के समय सुविचारित नहीं किए गए हैं। वर्ष 2014-15 से 2016-17 के वास्तविक आंकड़ों का विश्लेषण करते समय इसी दृष्टिकोण का अनुसरण किया गया है।

वार्षिक लेखों में प्रतिवेदित निबल विदेशी मुद्रा घाटे में से वीसीटीपीएल ने खरीददार के क्रेडिट (वीसी), एफसी ऋण पुनर्विवरण, विदेशी मुद्रा गैर वापसीयोग्य (एफसीएनआर) ऋण पुनर्विवरण, वीसी पर व्याज, आदि के लिए वर्ष 2014-15 2015-16 और 2016-17 के लिए क्रमशः रु.379.61 लाख (अर्थात रु.380.29 लाख विदेशी मुद्रा घाटा घटा रु.20.71 लाख विदेशी मुद्रा लाभ) रु.406.74 लाख (अर्थात रु.446.91 लाख विदेशी पुद्रा घाटा घटा रु.40.20 लाख विदेशी मुद्रा लाभ) और शून्य को अलग रखा है लेखों में प्रतिवेदित आंकड़ों के साथ मिलान करते हुए वीसीटीपीएल द्वारा प्रेक्षित निबल विदेशी मुद्रा घाटा और पुनर्विवरण के लेखा पर इसकी सीमा तक स्वीकार्य निबलविदेशी मुद्रा घाटा/लाभ के ब्यारे नीचे तालिकाबद्ध किया गया है।

(रूपयों में)

क्रम सं.	विवरण	वर्ष 2014-15 और 2015-16 के लिए लेखापरीक्षित खातों में रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के साथ विवरण भिलान और वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत विदेशी मुद्रा हानि/लाभ का ब्यौरा और वर्ष 2016-17 के लिए अस्थायी लेखा	व्यय के तौर पर अनुज्ञात निबल विदेश विनियम हानि				
		वित्तीय वर्ष 2014-15 (लेखापरीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2015-16 (लेखापरीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2016-17 (प्रोविज्ञन)	वित्तीय वर्ष 2014-15 (लेखापरीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2015-16 (लेखापरीक्षित)	वित्तीय वर्ष 2016-17 (प्रोविज्ञन)
1	प्रबंधन फीस	42,109	1,438	15,444	42,109	1,438	15,444
2	एएमसी-नेवीस एलएलसी	941	(7,747)	(1,076)	941	(7,747)	(1,076)
3	स्पेयर्स का आयात	1,394	193	-	1,394	193	-
4	बीसी पर ब्याज	15,007	-	-	-	-	-
5	यात्रा और अन्य व्यय	2,276	2,332	6,340	2,276	2,332	6,340
6	क्रेता का उधार (बीसी) एलसी ऋण पुनःलेखांकन	32,029,255	30,907,372	-	-	-	-
7	एफसीएनआर ऋण का भुगतान (विदेशी विनियम लाभ/हानि) सी	(6,980)	(4,013,002)	-	(6,980)	(4,013,002)	-
8	एफसीएनआर टी ऋण की पुनःलेखांकन सी	5,938,467	13,779,714	-	-	-	-
9	बैंक प्रभार इ	(13,727)	294	-	(13,727)	294	-
10	विदेश विनियम देनदारियों की पुनःलेखांकन द्वा	-	-	39,312	-	-	-
	कुल विदेशी विनियम हानि/लाभ	38,008,742	40,670,595	60,020	26,013	(4,016,492)	20,708

प्रेषित व्योरों से खरीददारों के क्रेडिट के पुनर्लेखांकन के कारण प्रतिवेदित निबल विदेशी विनियम घाटा, एफसीएनआर ऋण पुनर्विवरण तथा फोरेंसिस देयता का पुनःलेखन विवरण वर्ष 2014-15 से 2016-17 के लिए क्रमशः रु.379.82 लाख, रु.446.87 लाख और रु.39.91 लाख जोकि संदर्भ के लिए निम्नलिखित तालिकाबद्ध रूप में प्रस्तुत हैं:-

विवरण	2014-15	2015-16	2016-17
क्रेता का उधार (बीसी) एफसी ऋण पुनःलेखांकन	32,029,255	30,907,372	-
विदेश विनियम देनदारियां की पुनःलेखांकन	-	-	39,312
बीसी पर ब्याज	15,007	-	-
एफसीएनआर ऋण पुनःलेखांकन	5,938,467	13,779,714	-
कुल	37,982,729	44,687,087	39,312

(ii) इसके अलावा वर्ष 2016-17 के लिए बीसीटीपीएल ने लागत विवरण में रु.1826.33 लाख के विदेशी मुद्रा घाटे की पृथक प्रविष्टि पर विचार किया है। बीसीटीपीएल ने बताया है कि 2014-15 और 2016-17 के अ.डा. 18.37 मिलियन का वातविक ऋण भुगतान किया है। बीसीटीपीएल द्वारा सुविचारित उक्त आंकड़े वर्ष 2014-15 से 2015-16 के लेखा परीक्षित वार्षिक लेखाओं और वर्ष 2016-17 के अस्थायी वार्षिक लेखों में नहीं पाए गए हैं। वर्ष 2014-15 से 2015-16 के लेखा परीक्षित लेखों और वर्ष 2016-17 के अस्थायी लेखों में प्रतिवेदित आंकड़े और पहले यथास्पष्ट किए गये चुकौती के समय लेखा पर होने वाला विदेशी मुद्रा लाभ/हानि और बीसीटीपीएल द्वारा प्रेषित ब्रेकअप के आधार पर उपर्युक्त तालिका में दिए गए पर इस विश्लेषण में विचार किया गया है।"

(ग) विश्लेषण:

(i) प्राधिकरण द्वारा 14 नवंबर 2017 को पारित किए गए आदेश के अनुसार बीसीटीपीएल ने अपने दरमानों में सामान्य संशोधन प्रस्ताव से संबंधित कार्यवाही के दौरान वर्ष 2014-15 और 2015-16 के लिए वार्षिक खातों में वास्तविक विदेशी मुद्रा लाभ/हानि और वर्ष 2016-17 के

लिए अस्थायी वार्षिक लेखा का व्यौरा प्रस्तुत किया था जो कि कथित आदेश के पैरा 16 (iv) (छ)

(i) में लाया गया है। कथित तालिका का प्रासंगिक हिस्सा पिछले पैरा में दर्शाया गया है और इसलिए यहां पुनः नहीं दर्शाया गया है।

वीसीटीपीएल ने लागत विवरणी में अपने सामान्य संशोधन प्रस्ताव में 2016-17 के लिए रु. 1826.33 लाख विदेशी मुद्रा हानि पर अलग-अलग प्रविष्टि के रूप में विचार किया था और कहा था कि यह 2014-15 और 2016-17 में अदा किए गए 18.37 मिलियन अमरीकी डालर के वास्तविक ऋण भुगतान से संबंधित है। वीसीटीपीएल द्वारा विचारित यह आंकड़ा वर्ष 2014-15 से 2015-16 के लेखापरीक्षित वार्षिक खातों में और वर्ष 2016-17 के अस्थायी वार्षिक खातों में नहीं पाया गया था और इसलिए आदेश के पैरा 16(iv) (छ) (ii) में दर्ज कारणों से इस पर प्राधिकरण द्वारा विचार नहीं किया गया है।

(ii) वीसीटीपीएल ने अब इस मद की समीक्षा की मांग की है। इस मद के तहत निम्नलिखित दो घटक हैं जिनकी समीक्षा करने का अनुरोध किया गया है:

(क) रु. 1,748.75 लाख के विदेशी ऋण की वास्तविक वापस अदायगी के समय विनिमय भिन्नता के कारण विदेशी मुद्रा हानि; तथा

(ख) रु. 81.67 लाख की हेजिंग लागत।

(iii) आदेश के पैरा 16 (iv)(छ)(ii) में बताए गए कारणों से इस प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2016-17 में अन-अनुज्ञेय रु. 1826.33 लाख की विदेशी मुद्रा हानि से संबंधित उपर्युक्त (क) के संबंध में, वीसीटीपीएल ने इस मद की समीक्षा की मांग की है, जिसमें कहा है कि वीसीटीपीएल ने वर्ष 2014-15 और 2016-17 में विदेशी मुद्रा ऋण की चुकौती कर दी थी और इसके द्वारा किए गए भुगतान के समर्थन में दस्तावेजी सबूत प्रस्तुत किए हैं। चूंकि ऋण की चुकौती के कारण हानि से संबंधित कोई भी प्रविष्टि वर्ष 2014-15 से 2016-17 में लेखापरीक्षित वार्षिक खातों में प्रतिविवित नहीं है, इसलिए वीसीटीपीएल से यह बताने का अनुरोध किया गया था कि वर्ष 2014-15 और 2016-17 के वार्षिक खातों में वर्ष 2014-15 के लिए रु. 4,95,66,362 की विदेशी मुद्रा हानि और वर्ष 2016-17 के लिए रु. 12,53,08,652 विदेशी मुद्रा ऋण की चुकौती के प्रमुख शीर्ष कौन से हैं।

वीसीटीपीएल ने अब स्पष्ट किया है और कि इसे अनुसूची के तहत "नोट 5, दीर्घ अवधि के उधार (क) बैंक से स्वीकृति" और "नोट 10 अन्य वर्तमान देयताएं" प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लाभ और हानि खाते और बैलेंस शीट में प्रदर्शित किया गया है। वीसीटीपीएल ने वीसीटीपीएल द्वारा लिए गए विदेशी विनिमय ऋण का इसके पुनर्स्थापित मूल्य और विदेशी ऋण के वापस भुगतान, विदेशी ऋण पुनर्भुगतान के समय विदेशी मुद्रा हानि का भी प्रत्येक परिसंपत्ति-वार विवरण प्रस्तुत किया है।

लेखांकन मानक को पूरा करने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में विदेशी ऋण पुनःलेखांकित कर दिया गया है। वीसीटीपीएल ने स्पष्ट किया है कि विदेशी विनिमय घाटे को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में घटित आधार पर माने गए हैं, न कि भुगतान करने के समय हुए समस्त तुकसान के आधार पर जो कि भारतीय लेखा मानक के अनुरूप हैं।

संक्षेप में, वीसीटीपीएल ने विदेशी मुद्रा परिवर्तन का उल्लेख करने वाले प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में विदेशी मुद्रा ऋण को पुनःलेखांकित कर दिया है। इसलिए, ऋण की चुकौती के वर्ष में, विदेशी मुद्रा हानि के प्रति कोई प्रविष्टि नहीं है क्योंकि ऋण पहले से ही उनके लेखापरीक्षित वार्षिक खातों में पुनःलेखांकित कर दिया गया था।

वीसीटीपीएल ने ऋण लेते समय प्रचलित विदेशी विनिमय दर की तुलना में प्रत्येक विदेशी मुद्रा ऋण का परिकलन, प्रत्येक वित्तीय वर्ष में उनकी पुनर्स्थापित वैल्यू, पुनर्भुगतान और वास्तविक विदेशी मुद्रा हानि का पुनर्स्थापित मूल्य का व्यौरा/परिकलन दिया है। वीसीटीपीएल द्वारा ऋण की प्रत्येक चुकौती दस्तावेजी सबूत के साथ प्रमाणित है।

उपकरणों की खरीद और वास्तविक भुगतान के लिए वीसीटीपीएल द्वारा किए गए विदेशी मुद्रा ऋण को दर्शाते हुए एक सारांश स्थिति और विदेशी मुद्रा ऋण की चुकौती के समय घटित विदेशी मुद्रा हानि को नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

अंतर्गत परिसंपत्तियां	विदेशी मुद्रा ऋण		भुगतान			विदेश विनिमय हानि
	यूएसडी	आईएनआर	वित्तीय वर्ष	यूएसडी	आईएनआर	
आरटीजीसी	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,834	45,509,704
स्प्रेडर	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,107	4,056,659
2014-15 के लिए उपयोग (क)	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,363
आरएमक्यूसी	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,298
आरटीजीसी स्पेयर्स	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624
आरएमक्यूसी स्पेयर्स	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736
2016-17 का उपयोग(ख)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,658
कुल (क+ख)	18,372,815	98,63,27,716		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,021

आरटीजीसी ऋण I और II के संबंध में वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत विदेशी मुद्रा हानि का विस्तृत परिकलन, अर्थात् वीसीटीपीएल द्वारा पिछली तालिका की पहली दो मर्दों को आसानी से समझने के लिए पुनः दर्शाया गया है:

वित्तीय वर्ष	विवरण	अमेरिकी डालर	विनिमय दर	भारतीय मुद्रा (₹.)	हानि/(लाभ)
2011-12	आरटीजीसी ऋण देनदारियां - 1	4,398,411	49.2250	216,511,767	
2012-13	आरटीजीसी ऋण देनदारियां - 2	479,583	51.8228	24,853,363	
		4,877,994		241,365,130	
2011-12	31-3-2012 को पुनःलेखांकित की गई		51.8521	228,066,832	11,555,065
2012-13	31-3-2013 को पुनःलेखांकित की गई		54.3550	265,143,370	12,223,175
2013-14	31-3-2014 को पुनःलेखांकित की गई		59.7580	291,499,172	26,355,802
2014-15	2014-15 में भुगतान की गई राशि				
	16/05/2014	4,398,411	58.8100	258,670,534	
	16/05/2014	479,583	58.8100	28,204,300	
	आरटीजीसी ऋण की, की गई कुल अदायगी	4,877,994		286,874,834	(4,624,338)
2011-12 से 2014-15	कुल विदेश विनिमय हानि आरटीजीसी(i)[₹. 241,365,130 में से ₹. 286,874,834 घटाएं]				45,509,704

जैसा कि उपरोक्त तालिका में देखा जा सकता है, वर्ष 2011-12 और 2012-13 में आरटीजीसी की खरीद के लिए कुल विदेशी मुद्रा ऋण (ऋण I और II) अमरीकी डालर 48,77,994 ₹. 241,365,130/ के बराबर था। कथित ऋण वीसीटीपीएल द्वारा एस 11 का अनुपालन करने के लिए वर्ष 2012-13 और 2013-14 में पुनःलेखांकित किया गया और 31 मार्च 2014 को

पुनःलेखांकित की गई राशि रु26355,802 है। पुनःलेखांकित की गई विदेशी मुद्रा हानि को लाभ और हानि खाते में डेविट कर दिया गया था और संबंधित वित्तीय वर्षों के अंत में तुलन पत्र में ऋण दायित्वों उसे क्रेडिट कर दिया गया था। इस प्राधिकरण के द्वारा अपनाए गए सामान्य दृष्टिकोण का अनुकरण करते हुए नवंबर 2017 के टैरिफ निर्धारण आदेश में विदेशी मुद्रा हानि को पुनर्स्थापना के कारण अन्य मामलों में नहीं लिया गया था। वीसीटीपीएल द्वारा कथित ऋण वर्ष 2014-15 में समतुल्य भारतीय मुद्रा रु. 28,68,74,834/- के रूप में में चुकाया गया था - जिसके परिणामस्वरूप रु. 4,55,09,704/- की कुल विदेशी मुद्रा की हानि हुई थी [वर्ष 2011-12 में लिए गए विदेशी ऋण भारतीय रु. 241,365,130 के बराबर में से वर्ष 2014-15 में विदेशी ऋण रु. 286,874,834 का पुनर्भुगतान घटा दें]। वीसीटीपीएल ने स्प्रेडर, आरएमक्यूसी, आरटीजीसी की खरीद के लिए, लिए गए प्रत्येक विदेशी ऋण के संबंध में विदेशी मुद्रा हानि के लिए समान गणना की है, जो पहले पैराग्राफ में दी गई है और इसलिए संक्षेपार्थ पुनः उल्लेखित नहीं की जा रही है।

वीसीटीपीएल ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2014-15 के लिए रु4,95,66,363 की विदेशी मुद्रा हानि। [रु.आरटीजीसी के लिए रु.45,509,703 के लिए + रु.40,56,659 स्प्रेडर के लिए] और वर्ष 2016-17 के लिए रु.12,53,08,653 [रु.12,11,14,292 आरएमक्यूसी के लिए + रु.23,72,624 आरटीजीसी स्पेयर के लिए+रु.18,21,732 आरएमक्यूसी स्पेयर के लिए] अर्थात् कुल रु.17,48,75,021 मुद्रा ऋण का लाभ उठाने की तारीख से शुरू होकर भुगतान की तारीख तक प्रासंगिक विदेशी मुद्रा हानि से संबंधित है। विदेशी मुद्रा हानि को घटित आधार पर माना जाता है यानी प्रत्येक वित्तीय वर्ष में पुनःलेखांकित किया जाता है, न कि भुगतान करने के समय पूरी हानि का उल्लेख किया जाता है। यह भारतीय एएस 11 के अनुसार की जाने वाली कार्रवाई का पालन करना है। इसलिए, विदेशी मुद्रा हानि भुगतान के वर्ष में दिखाई नहीं दे रही है। नवंबर 2017 के आदेश से संबंधित कार्यवाही के दौरान वीसीटीपीएल द्वारा अब प्रस्तुत उपर्युक्त स्पष्टीकरण प्रदान नहीं किया गया था। इसलिए, पुनर्भुगतान पर विदेशी मुद्रा हानि को स्वीकार करने के लिए वीसीटीपीएल द्वारा की गई समीक्षा मांग उचित है जो कि नवंबर 2017 आदेश में इस प्राधिकरण द्वारा नहीं मानी गयी थी।

अब, वीसीटीपीएल के अनुरोध के संदर्भ में और विदेशी मुद्रा ऋण, विदेशी मुद्रा की चुकौती के समय विदेशी मुद्रा में भिन्नता के कारण उत्पन्न विदेशी मुद्रा हानि की वास्तविक पुनर्भुगतान के संबंध में वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी समर्थन के आधार पर, वर्ष 2014-15 में रु.4,95.66 लाख और वर्ष 2016-17 में रु.12,53.09 लाख पर, वर्ष 2014-15 से 2016-17 की पिछली अवधि के लिए अर्थात् नवंबर 2017 के आदेश के अंतर्गत पिछली अवधि के लिए लागत विवरण - अनुलग्नक - । के तहत विचार किया जाता है।

(iv) वर्ष 2015-16 के दौरान उच्च अस्थिर विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए हेज लागत के संबंध में, वीसीटीपीएल ने 19 अक्टूबर 2015 को बकाया विदेशी मुद्रा ऋण हेज करने का विकल्प चुना है। इसकी परिपक्वाता की तिथि पर भुगतान के लिए ऋण मूल-धन और व्याज भुगतान 1 अमरीकी डालर = रु.64.88 पर तय किया गया था। वीसीटीपीएल ने प्रीमियम के प्रति हेज लागत का भुगतान किया है और संबंधित वित्तीय वर्षों में घटित आधार पर अपनी वित्त लागत में इसे डेविट कर दिया है। वीसीटीपीएल ने हेज लागत के संदर्भ में निम्नलिखित प्रस्तुत विवरण प्रस्तुत किया है:

विवरण	शेष ऋण अमेरिकी डॉलर में	प्रति यूएसडी भारतीय मुद्रा में देय एफसी ऋण	प्रति यूएसडी भारतीय मुद्रा दर पर लिया गया	हानि बैंक से प्राप्त अतिरिक्त विदेश विनियम प्रति यूएसडी	बदा की गई हेज लागत से बसूल की गई लागत (वास्तविक विदेश विनियम हानि होती)
आरएमक्यूसी ऋण -1	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000
आरएमक्यूसी ऋण -2	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840
आरएमक्यूसी ऋण -3	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568

कुल आरएमक्यूसी ऋण	12,810,634				7,882,408
आरएमक्यूसी स्पेयर्स ऋण	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894
आरटीजीसी स्पेयर्स ऋण	183,163	66.76	64.88	1.88	343,430
हैज्जड अमेरिकी डॉलर मुद्रा	13,152,071				
बैंक को अदा की गई हेज्जड लागत से बसूल कुल लागत जो वास्तविक विदेश विनियम हानि होती					8,510,731

यह उल्लेख करते हुए वीसीटीपीएल ने हेज लागत पर विचार करने का अनुरोध किया है कि अगर ऋण को हेज नहीं किया गया होता तो वर्ष 2015-16 के लिए वास्तविक विदेशी मुद्रा हानि रु.85.11 लाख होती।

इस संदर्भ में, यह कहना है कि पिछले अनुच्छेदों में पैरा 6.2 में तालिका ग के तहत, यह देखा गया है कि कुल आरएमक्यूसी ऋण 12,810,634 अमरीकी डालर के लिए, वर्ष 2016-17 में वीसीटीपीएल द्वारा किए गए पुनर्भुगतान को 1 अमेरिकी डॉलर = ₹64.88 में ऋण लेने की तारीख से चुकौती की तारीख तक विदेशी मुद्रा में भिन्नता और विदेशी मुद्रा हानि के कारण वीसीटीपीएल द्वारा रु.121,114,298 की मांग की गई है जिसे समीक्षा की पिछली मद पर वीसीटीपीएल के अनुरोध के आधार पर पहले से ही माना जा रहा है। वीसीटीपीएल द्वारा दावा किए गए हेज लागत के संबंध में, वीसीटीपीएल ने दावा किया है कि अगर ऋण को हेज नहीं किया गया तो उन्होंने 1 अमरीकी डालर = ₹64.88 के बजाय 65.60 से ₹66.76 तक का भुगतान किया होता। ऋण की चुकौती पर विदेशी मुद्रा हानि के कारण वास्तविक नुकसान पहले से ही माना गया है। वीसीटीपीएल द्वारा ₹85.11 लाख की हेज लागत की मांग चुकौती के कारण वास्तविक विदेशी मुद्रा हानि नहीं है। यह एक नोशनल नुकसान प्रतीत होता है। इसलिए, इस मद पर विचार नहीं किया जाता है।

(v) (क) उपर्युक्त विश्लेषण के परिणामस्वरूप, 14 नवंबर 2017 के आदेश में वर्ष 2014-15 और 2016-17 की अवधि के लिए अनुलग्नक -1 के रूप में दर्शाए गए लागत विवरण 2014-15 में ₹495.66 लाख और वर्ष 2016-17 में रुपये 1253.09, कुल ₹1748.75 लाख के विदेशी ऋण को, चुकौती के कारण उत्पन्न होने वाले विदेशी मुद्रा हानि के प्रभाव पर विचार करते हुए आशोधित किया गया है। पिछली अवधि के आशोधित लागत विवरण अनुलग्नक -1 के रूप में संलग्न है।

(ख) पिछले प्रश्नुक आदेश में वास्तविक और अनुमानित के बीच तुलना का सारांश तथा अनुलग्नक -1 के अनुसार उसी का सारांश अर्थात् 2014-15 से 2016-17 की पिछली अवधि का आशोधित लागत विवरण, के अनुसार सारांश - नीचे तालिकावद्वारा है:

(क) जैसा कि नवंबर 2017 के आदेश के पैरा 16 (x) में दिया गया है:

(रु. लाखों में)

विवरण	2014-15 से 2016-17 तक के लिए सकल में पूर्णांकन (रु. लाखों में)		प्रकारान्तर % में
	आगम निर्गम आदेश के अनुसार आकलन	आगम निर्गम आदेश के अनुसार आकलन	
आगम निर्गम (टीईयू में)	8,57,639	9,06,467	5.7%
प्रचालन आय	27,669.61 *	33,550.17	21.3%
कुल व्यय	23,419.92	22103.47	-5.7%
अधिशेष / प्रत्यागम पूर्व घाटा	4,227.89	11,446.70	170.7%
नियोजित पूंजी (ओसतन)	13,943.50	10,380.37	-25.6%
2014-15 से 2016-17 तक तीन वर्षों के लिए नियोजित पूंजी पर 16% प्रत्यागम	6,692.88	4,982.58	-25.6%
आरओसाई के बाद निवल अधिशेष	(-) 2,464.99	6,464.13	

*मार्च 2015 और मार्च 2016 के प्रश्नुक आदेश में प्रदान की गई प्रश्नुक वृद्धि के प्रभाव को दर्शाने के लिए प्रचालन आय आकलन को अपडेट किया गया है।

ख. वापसी भुगतान के कारण विदेश विनियम हानि की समीक्षा के परिणामस्वरूप पिछली अवधि की आशोधित लागत विवरणी :

(रु. लाखों में)

विवरण	2014-15 से 2016-17 तक के लिए सकल में पूर्णकान (रु. लाखों में)		प्रकारान्तर % में
	आगम निर्गम आदेश के अनुसार आकलन	वास्तविक	
आगम निर्गम (टीईयू में)	8,57,639	9,06,467	5.7%
प्रचालन आय	27,669.61 *	33,550.17	21.3%
कुल व्यय	23,419.92	23852.22	1.9%
अधिशेष / प्रत्यागम पूर्व घाटा	4,227.89	9,697.95	129.4%
नियोजित पूंजी (औसतन)	13,943.50	10,380.37	-25.6%
2014-15 से 2016-17 तक तीन वर्षों के लिए नियोजित पूंजी पर 16% प्रत्यागम	6,692.88	4,982.58	-25.6%
आरओसीई के बाद निवल अधिशेष	(-) 2,464.99	4,715.37	

* मार्च 2015 और मार्च 2016 के प्रशुल्क आदेश में प्रदान की गई प्रशुल्क वृद्धि के प्रभाव को दर्शाने के लिए प्रचालन आय आकलन को अपडेट किया गया है।

(vi) (क) नवंबर 2017 के टैरिफ ऑर्डर में किए गए पिछले वर्ष 2014-15 से 2016-17 के संबंध में पिछली अवधि के संदर्भ में विश्लेषण के निष्कर्ष पुनर्भुगतान के कारण उत्पन्न होने वाले विदेशी मुद्रा हानि के प्रभाव पर विचार करते हुए अद्यतन किए जाते हैं। इसके अलावा, वर्ष 2014-15 से 2016-17 की पिछली अवधि के विश्लेषण में कोई अन्य आशोधन नहीं किया गया है।

(ख) उपर्युक्त आशोधन के परिणामस्वरूप व्यय पक्ष पर, तीन वर्षों के लिए वास्तविक कुल व्यय संबंधित अवधि के लिए अनुमानित व्यय ₹.234.20 करोड़ के मुकाबले ₹.238.52 करोड़ है। इस प्रकार पिछले टैरिफ ऑर्डर में अनुमानित वास्तविक व्यय, नवंबर 2017 के आदेश में 5.7% की नकारात्मक भिन्नता के मुकाबले 1.9% की सकारात्मक भिन्नता दिखाता है।

(ग) हमारे द्वारा तैयार की गई पिछली अवधि के लिए आशोधित लागत विवरणी के अनुसार, प्रत्यागम से पहले वीसीटीपीएल ने ₹.1,829.31 लाख, ₹. 2,476.07 लाख और ₹.5,392.57 लाख के अधिशेष अर्जित किए हैं जो वर्ष 2014-15 से 2016-17 के लिए औसत अधिशेष ₹.3,232.65 लाख बनते हैं। औसत पूंजी पर अर्जित औसत प्रत्यागम 31.1% निम्न तालिका में उल्लेखित की गई है:

विवरण	(रु. लाखों में)			
	2014-15	2015-16	2016-17	औसत
वीसीटीपीएल द्वारा अर्जित प्रत्यागम पूर्व वास्तविक अधिशेष	1,829.31	2,476.07	5,392.57	3,232.65
वास्तविक पूंजी नियोजित	10,852.24	10,773.30	9,515.58	10,380.37
नियोजित पूंजी पर अर्जित वास्तविक प्रत्यागम	16.86%	22.98%	56.67%	31.1%

(घ) नवंबर 2017 के आदेश में विस्तार से किए गए उल्लेख अनुसार, टैरिफ दिशानिर्देशों के खंड 2.13 के अनुसार, यदि पिछले टैरिफ चक्र के लिए वास्तविक भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा से + या 20% से अधिक की भिन्नता दिखाई देती है, तो इस तरह के अर्जित लाभ/नुकसान का 50% को अगले टैरिफ चक्र में समायोजित किया जाना है। एमओएस द्वारा संप्रेषित एजी की राय के अनुसार, खंड 2.13 के प्रयोजन के लिए वास्तविक भौतिक और वित्तीय दोनों मापदंडों में भिन्नता को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसके अलावा, एजी की राय के अनुसार, यदि भौतिक और वित्तीय दोनों मानकों में भिन्नता 20% से अधिक है, तो अधिशेष के 20% अधिशेष को प्रचालक द्वारा बनाए रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह केवल 20% से ऊपर और ऊपरि अधिशेष है जिसे ऑपरेटर और उपयोगकर्ताओं के बीच समान रूप से 50:50 साझा किया जाएगा। संक्षेप में, 60% अतिरिक्त अधिशेष को ऑपरेटर के साथ बनाए रखने की अनुमति है और भविष्य में टैरिफ में समायोजन पर विचार करके 40% अतिरिक्त उपयोगकर्ताओं के साथ साझा किया जाएगा।

उपर्युक्त विश्लेषण से यह देखा जा सकता है कि भौतिक पैरामीटर में भिन्नता यानी वास्तविक प्रहस्तन यातायात 20% से कम यानि 6% सकारात्मक है और पूँजी नियोजित पूँजी पर प्रत्यागम के मामले में वित्तीय प्रदर्शन सकारात्मक है और यह 20% से अधिक यानी 31.1% है। इसके अलावा, उपरोक्त तालिका के अनुसार, वीसीटीपीएल ने पिछले टैरिफ ऑर्डर में 16% रिटर्न के मुकाबले नियोजित पूँजी पर 31.1% की औसत प्रत्यागम अर्जित किया है। पिछले टैरिफ ऑर्डर में, पिछले अनुच्छेद विश्लेषण में पिछले पैराग्राफ में बताए गए अनुसार लागत विवरण में संशोधन के संदर्भ में औसत प्रत्यागम 36.8% है जो घट कर 31.1% हो गया है। इस प्रकार, हालांकि वित्तीय मानकों में सकारात्मक भिन्नता है, भौतिक और वित्तीय दोनों मानकों में भिन्नता 20% से अधिक नहीं है। इसलिए, 2005 के टैरिफ दिशानिर्देशों के खंड 2.13 की व्याख्या के अनुसार एजी की राय पर टैरिफ चक्र 2017-18 से 2019-20 के लिए टैरिफ परिकलन वीसीटीपीएल के प्रचालन के पिछली अवधि अधिशेष के समायोजन का कोई मामला नहीं है।

(ii) **इस प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए विचारित क्रमशः 4,00,000 टीईयू 4,50,000 टीईयू और 4,74,500 टीईयू के मुकाबले, वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित वास्तविक यातायात अनुमान क्रमशः 3,88,289 टीईयू और 4,16,000 टीईयू और 4,36,000 टीईयू के वास्तविक ट्रैफिक पर विचार करें :**

(क) वीसीटीपीएल का कथन :

(i) वीसीटीपीएल ने 2017-18 से 2019-20 के लिए क्रमशः 3,69,000 टीईयू, 384,000 टीईयू और 4,00,000 टीईयू पर यातायात अनुमान प्रस्तुत किया था। वीपीटी द्वारा प्रस्तुत यातायात अनुमानों के आधार पर 2017-18 से 2019-20 के लिए 4,00,000 टीईयू, 4,50,000 टीईयू और 4,74,500 टीईयू पर यातायात अनुमानों में वृद्धि पर विचार किया गया है जो आईपीए को सलाहकार एम सी किन्से और एईसीओएम के अनुमानों पर आधारित था। नतीजतन, अनुमानित राजस्व वृद्धि के साथ ₹.53.97 करोड़ के लिए संशोधित किया गया था।

(ii) वीसीटीपीएल द्वारा यातायात अनुमान और प्राधिकरण द्वारा 14 नवंबर 2017 के आदेश संख्या टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल में विचारित यातायात अनुमान नीचे दिए जाते हैं:

विवरण	2017-18	2018-19	2019-20	कुल (टीईयू)
वीसीटीपीएल का प्रस्ताव	3,69,000	3,84,000	4,00,000	11,53,000
प्राधिकरण का अनुमोदन	4,00,000	4,50,000	4,74,500	13,24,500
राजस्व में वृद्धि	9.76 करोड़	20.77 करोड़	23.44 करोड़	53.97 करोड़

(iii) इस संबंध में यह कहना है कि जब पड़ोसी बंदरगाहों - काकीनाडा, पारादीप और धामरा की स्थापना की कल्पना नहीं की गई थी एमसी किन्से और एईसीओएम के संघ द्वारा आईपीए को प्रस्तुत रिपोर्ट 2014 की है। वीपीटी द्वारा किए गए यातायात अनुमानों में धामरा, काकीनाडा बंदरगाहों और पारादीप बंदरगाह से प्रतिस्पर्धा नहीं है। पारादीप और धामरा पोर्ट ने वर्ष 2018-19 से काम करना शुरू कर दिया और 2019-20 तक विजाग बंदरगाह के अधिक माल आकर्षित करने लगेंगे। परिदृश्य अब पूरी तरह से अलग है और इसलिए, ट्रैफिक वॉल्यूम और राजस्व अनुमानों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया जाता है। वह मात्रा जिसे वीसीटीपीएल प्रहस्तित नहीं कर पाएगा और उससे होने वाली आय को प्रोजेक्ट करने में सक्षम नहीं होगा उससे तीन साल का टैरिफ चक्र प्रभावित होगा। इसके परिणामस्वरूप वीसीटीपीएल का आरओसीई और कैशफ्लो को प्रभावित होगा।

(iv) इस समीक्षा आवेदन के प्रसंस्करण के दौरान वीसीटीपीएल ने वर्ष 2017-18 के दौरान प्राधिकरण द्वारा 2017-18 में विचारित 4.00 लाख टीईयू के मुकाबले 3,88,289 टीईयू वास्तविक शूपुट का प्रहस्तन किया है। वर्ष 2016-17 के लिए जब वीसीटीपीएल द्वारा प्रहस्तित समग्र रूप से कंटेनर शूपुट की तुलना 366683 टीईयू से की गई तो वीसीटीपीएल ने 5.9% की वृद्धि दर्ज की। अप्रैल 2018 के दौरान वीसीटीपीएल में प्रहस्तित कंटेनर शूपुट अप्रैल 2017 के 298026 टीईयू के

मुकाबले 31080 टीईयू है, अर्थात् अप्रैल 2018 के दौरान कंटेनर यातायात की वास्तविक वृद्धि अप्रैल 2017 में वास्तविक कंटेनर यातायात से केवल 4% अधिक है।

एक वर्ष के आधार के रूप में प्रक्षेपण की पुष्टि के लिए एक महीने की निष्पादन वृद्धि को लेने के लिए वीपीटी का विवाद सही नहीं है क्योंकि यह कार्गो प्रोफाइल/बाजार स्थितियों के कारण प्रतिमाह भिन्न हो सकता है और सालाना औसत पर प्रभाव पड़ता है।

(v) वीसीटीपीएल पर वर्ष 2017-18 में प्रहस्तित वास्तविक यातायात 3,88,28 9 टीईयू के आधार पर, वीसीटीपीएल ने वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए पिछले ट्रैफिक संशोधन के दौरान 3,84,000 टीईयू और 4,00,000 टीईयू के मुकाबले क्रमशः 4,16,000 टीईयू और 4,36,000 टीईयू का संशोधित यातायात का अनुमान प्रस्तुत किया है। बाजार परिदृश्य के आधार पर संशोधित यातायात अनुमानों के समर्थन में वीसीटीपीएल ने निम्नानुसार औचित्य दिया है:

(क) वीसीटीपीएल में प्रस्तित कंटेनर यातायात का लगभग 40% उड़ीसा क्षेत्र से निकलता है। पारादीप में पहले से ही शुरू ऑपरेशन करने वाली नई कंटेनर हैंडलिंग सुविधा के साथ, खासकर इस बंदरगाह की ओर से गुजरने वाले कलिंग नगर - जजपुर बेल्ट से, वीसीटीपीएल पर माल के कुछ अधिक मात्रा की उम्मीद है।

(ख) इसी प्रकार, काकीनाडा बंदरगाह भी कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए आक्रामक कार्रवाई कर रहा है। पश्चिमी गोदावरी क्षेत्र से पैदा होने वाले माल (चावल, जमे हुए श्रिंग, पेपर इत्यादि जैसी वस्तुओं) काफी मात्रा बढ़ने हैं जो इस बंदरगाह के निकट हैं और उनमें से अधिकतर अच्छी पोत कनेक्टिविटी के कारण वीसीटीपीएल के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में, काकीनाडा बंदरगाह में कंटेनर जहाजों की नियमित साप्ताहिक कॉल होती है और माल के कुछ हिस्से को इस बंदरगाह में स्थानांतरित किया जाता है। आने वाले महीनों में यह वॉल्यूम शिफ्ट बढ़ने की उम्मीद है।

(ख) **आदेश सं. टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 14 नवंबर 2017 के पैरा 16(xii) से प्रासंगिक उद्धरण:**

“प्रशुल्क दिशानिर्देश 2005 के खंड 3.1.8 के अनुसार सामान्य प्रशुल्क वैधता चक्र तीन वर्षों की अवधि के लिए है और इसलिए वीसीटीपीएल के मामले में अनुमानों का विश्लेषण तीन वर्षों की अवधि अर्थात् 2017-18 से 2019-20 के लिए किया गया है। वीसीटीपीएल द्वारा प्रहस्तित वास्तविक शूपुट वर्ष 2016-17 में 3,66,683 टीईयू है। इसके विपरीत वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए वीसीटीपीएल द्वारा अनुमानित यातायात क्रमशः 3,69,000, 3,84,000 और 4,00,000 टीईयू है।

तत्संबंधी पूर्व वर्षों के वास्तविक आंकड़ों/अनुमानों पर वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए यातायात में पूर्वानुमानित वृद्धि क्रमशः 0.63 प्रतिशत, 4.07 प्रतिशत और 4.17 प्रतिशत है और औसत वृद्धि दर 2.95 प्रतिशत है। वीसीटीपीएल ने बताया है कि विशाखापत्तनम में और आसपास उपलब्ध यातायात पर विचार करते हुए यातायात का पूर्वानुमान लगाया गया है। पड़ोसी पत्तनों से प्रतिस्पर्धा, डॉलर मूल्य में मूल्य ह्रास और आगामी वर्ष में उत्तन आर्थिक वृद्धि और पूर्व तट पर भारी क्षमता सृजित की जा रही है। वीसीटीपीएल ने यह भी कहा है कि पोत संबंधी प्रभाव तेजी से बढ़े हैं जिससे शिपिंग लाइंस प्रभावित हुई हैं।

जब वीपीटी से वीसीटीपीएल द्वारा दिए गए यातायात पूर्वानुमान की उपयुक्तता पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए अनुरोध किया गया था तब वीपीटी ने बताया था कि भारतीय पत्तन संघ (आईपीए) ने सागरमाला कार्यक्रम के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय भावी योजना तैयार करने के लिए परामर्शदाता के रूप में एमसी किन्से और एईसीजोएम के कंसोर्टियम को नियुक्त किया था। वीपीटी ने बताया है कि भारतीय पत्तनों में मुख्य कार्गो का मूल गतव्य अगले 20 वर्षों की अवधि के लिए यातायात परिदृश्य विकसित करने के लिए परामर्शदाता द्वारा मैप तैयार किया जाता है। आईपीए द्वारा नियुक्त परामर्शदाता की रिपोर्ट के आधारपर वीपीटी ने बतायाथा कि वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए वीसीटीपीएल में कंटेनर पूर्वानुमान तदनुरूपी

अवधिके लिए क्रमशः 369000 टीईयू, 384000 टीईयू और 400000 टीईयू की दर से वीसीटीपीएल के अनुमानों के विपरीत 4.00, 4.50 और 4.90 लाख टीईयू परिगणित होता है।

इस प्रकार, संधेप में, वीपीटी ने वीसीटीपीएल के यातायात पूर्वामानों को स्वीकार किया है। यहां उल्लेख करना प्रासंगिक है कि वर्ष 2014-15 से 2016-17 में वीसीटीपीएल द्वारा अर्जित वास्तविक यातायात वृद्धि -5 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 26 प्रतिशत है जोकि 13 प्रतिशत वार्षिक औसत वृद्धि परिगणित होती है। यदि पूर्व अवधि में वीसीटीपीएल द्वारा यथा अर्जित 13 प्रतिशत वृद्धि प्रतिवर्ष 2016-17 के वास्तविक यातायात पर सुविचारित किया जाता है तो यातायात अनुमान क्रमशः 414342 टीईयू, 468218 और 529083 टीईयू परिगणित होता है। वीपीटी द्वारा पूर्वानुमानित यातायात वृद्धि वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए क्रमशः 8 प्रतिशत, 17 प्रतिशत और 23 प्रतिशत है जोकि वीसीटीपीएल द्वारा दिए गए यातायात पूर्वानुमानों से अधिक पाया गया है।

चूंकि लाइसेंसदाता पत्तन ने आईपीए द्वारा नियुक्त परामर्शदाता की रिपोर्ट के आधार पर और पूर्वकाल में वीसीटीपीएल द्वारा अर्जित यातायात वृद्धि पर विचार करते हुए भी वीसीटीपीएल के वर्षावार यातायात का पूर्व अनुमान लगाया है, इसलिए वीसीटीपीएल द्वारा प्रेषित यातायात अनुमान वर्ष 2019-20 के लिए संशोधन के सिवाय लाइसेंसदाता पत्तन वीपीटी द्वारा प्रेषित यातायात पूर्वानुमान के स्तर पर अद्यतन किया गया है। यह देखा गया है कि वर्ष 2019-20 के लिए वीपीटी द्वारा पूर्वानुमानित यातायात 4,90,000 टीईयू है। जबकि वीसीटीपीएल द्वारा मूल्यांकित सर्वोत्तम क्षमता 4,74,500 टीईयू है। ऐसी स्थिति में वर्ष 2019-20 के लिए यातायात पूर्वानुमान वीसीटीपीएल द्वारा मूल्यांकित सर्वोत्तम क्षमता के स्तर पर सुविचारित किया गया है।

वीसीटीपीएल ने वीसीटीपीएल द्वारा पूर्वानुमानित यातायात के राजस्व अनुमान की विस्तृत गणना भेजी है। गणना के देखने पर यह देखा गया है कि कंटेनर मिश्रण का बोर्ड हिस्सा अर्थात् आयात कंटेनर, निर्यात कंटेनर पोतांतरण कंटेनर और रिस्टो कंटेनर आय अनुमान के लिए वर्ष 2017-18 से 2019-20 के प्रत्येक वर्ष के लिए क्रमशः 37 प्रतिशत, 37 प्रतिशत और 25 प्रतिशत और 1 प्रतिशत की दर से पूर्वानुमानित किया गया है। वर्ष 2014-15 से 2016-17 में कंटेनर मिश्रण की औसत हिस्सेदारी तदनुरूपी कंटेनर श्रेणियों के लिए क्रमशः 45%, 45%, 9% और 1% थी।

आईसीडी सहित आयात तथा निर्यात कंटेनरों की हिस्सेदारी में कटौती वीसीटीपीएल के आगामी पड़ोसी कंटेनर टर्मिनलों एवं पूर्वी तट में सुजित की जा रही भारी क्षमता के लिए वीसीटीपीएल द्वारा आरोप्य है। वीसीटीपीएल ने यह भी बताया है कि कानकार एमएमएलपी वर्तमान में आंशिक रूप से परिचालन में है और इस वित्तीय वर्ष में टर्मिनल में आईसीडी मात्रा में पहले ही कमी आई है। क्योंकि ट्रेनें कानकार एमएमएलपी स्वयं द्वारा प्रहस्तित की जा रही हैं। वीसीटीपीएल ने बताया है कि तथापि, पोतांतरण के लिए यातायात में वृद्धि उनके परिचालनों के शुरू होने की संभावना वाली कुछ सेवाओं पर विचार करते हुए कुल मात्रा के 25 प्रतिशत की समीमा तक पूर्वानुमानित की गई है। यह उल्लेखनीय है कि वीपीटी ने वीसीटीपीएल ने अनुमानित कंटेनर मिश्रण पर आपत्ति नहीं उठाई है।

उपर्युक्त स्थिति के मद्देनज्जर सीसीटीपीएल द्वारा बताया गया है, वीसीटीपीएल द्वारा सुविचारित कंटेनर मिश्रण की हिस्सेदारी पर विश्वास किया गया है और सभी विचाराधीन वर्षों के लिए सुविचारित किया गया है। बहुत कार्गो श्रेणियों के लिए वीसीटीपीएल द्वारा सुविचारित कंटेनर मिश्रण की हिस्सेदारी अद्यतन किए गए यातायात पूर्वानुमानों पर विचार किया गया है। ”

(ग) विश्लेषणः

- (i) जैसा कि वीसीटीपीएल ने बताया है, नवंबर 2017 के आदेश में इस प्राधिकरण द्वारा 2017-18 और 2018-19 के लिए विचारित संशोधित यातायात 4 लाख टीईयू, 4.50 लाख टीईयू वीपीटी द्वारा प्रस्तुत यातायात अनुमानों पर आधारित था। जहां तक 2019-20 के लिए वीपीटी द्वारा प्रस्तुत यातायात अनुमान 4.90 लाख टीईयू का संबंध

है, आशोधित किया गया और उस पर टर्मिनल की 4.745 लाख टीईयू की क्षमता के अनुसार विचार किया गया था। वीपीटी द्वारा यातायात अनुमान आईपीए द्वारा नियुक्त परामर्शदाता की रिपोर्ट पर आधारित था।

वीसीटीपीएल द्वारा इस मद की समीक्षा के संदर्भ में, वीपीटी ने इस मामले के प्रसंस्करण के दौरान पहले उनके द्वारा प्रस्तुत यातायात अनुमानों को बनाए रखा है। वीपीटी ने कहा है कि वीपीटी में 2012-13 से 2016-17 के दौरान कंटेनर यातायात 10% से अधिक की एक संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है। वीपीटी के लिए वित्तीय वर्ष 2020, 2025 और 2035 के लिए मैसर्स एईसीओएम द्वारा तैयार मास्टर प्लान रिपोर्ट में निहित कंटेनर कार्गो के संबंध में यातायात अनुमान क्रमशः 0.49, 0.61 और 1.02 मिलियन टीईयू हैं। मास्टर प्लान में विचारित वृद्धि 10% अर्थात वित्त वर्ष 2017 में 0.37 मिलियन टीईयू से वित्तीय वर्ष 2020 में 0.49 मिलियन टीईयू थी। इस प्रकार, वीपीटी ने पाया है कि कंटेनर यातायात में 10% की वृद्धि पर विचार करना समझदारी है।

वीपीटी ने वीसीटीपीएल द्वारा 4 लाख टीईयू की अनुमानित मात्रा के मुकाबले वर्ष 2017-18 में वास्तविक रूप से प्रहस्तित ट्रैफिक 388,624 टीईयू की जानकारी दी गई है। जब बंदरगाह से 2017-19 और 2019-20 के लिए वर्ष 2017-18 में वीसीटीपीएल द्वारा प्रहस्तित वास्तविक यातायात के आधार पर यातायात अनुमानों की समीक्षा करने का अनुरोध किया गया था तो वीपीटी ने आकलित किया कि 2017-18 के दौरान अनुमानित मात्रा और वास्तविक में 3% से कम अंतर है जो महत्वहीन है। वीपीटी ने अप्रैल 2018 में 33,262 टीईयू पर वास्तविक ट्रैफिक का संदर्भ दिया है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 28,656 टीईयू का प्रहस्तन किया गया था अर्थात अप्रैल 2017 में 16% की वृद्धि दर्ज की गई थी। वीपीटी ने कहा है कि वीसीटीपीएल ने हाल ही में दो नए आरएमक्यूसी और रीच स्टैकर्स खरीदे हैं जो मौजूदा क्षमता को बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार वीपीटी ने नवंबर 2017 के आदेश से संबंधित कार्यवाही के समय इसके द्वारा प्रस्तुत किए गए यातायात अनुमानों को बनाए रखा है।

(ii) वीसीटीपीएल ने 2017-18 के दौरान वीपीटी द्वारा प्रहस्तित 3,88,289 टीईयू की वास्तविक शूपुट रिपोर्ट की है न कि 3,88,624 टीईयू। वीसीटीपीएल में 2016-17 की तुलना में वर्ष 2017-18 में प्रहस्तित कुल कंटेनर शूपुट में 5.9% की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा, वीसीटीपीएल ने यह भी कहा है कि अप्रैल 2018 के दौरान वीसीटीपीएल में प्रहस्तित कंटेनर शूपुट अप्रैल 2017 के दौरान 298026 टीईयू के मुकाबले 31080 टीईयू है, यानी अप्रैल 2017 की तुलना में अप्रैल 2018 के दौरान कंटेनर यातायात में वास्तविक वृद्धि केवल 4% अधिक है।

वीसीटीपीएल ने कहा है कि वीपीटी द्वारा किए गए यातायात अनुमानों में धामरा, काकीनाडा बंदरगाहों और पारादीप बंदरगाह से प्रतिस्पर्धा पर विचार नहीं किया गया है। पारादीप और धामरा पोर्ट ने वर्ष 2018-19 से काम करना शुरू कर दिया है और 2019-20 तक विजाग बंदरगाह के अधिक माल को आकर्षित करना शुरू कर देगा और इस प्रकार वीसीटीपीएल की यातायात मात्रा को प्रभावित करेगा।

वीसीटीपीएल ने पिछले यातायात संशोधन के दौरान अनुमानित 3,84,000 टीईयू और 4,00,000 टीईयू के मुकाबले क्रमशः 2018-19 और 2019-20 के लिए 4,16,000 टीईयू और 4,36,000 टीईयू पर संशोधित यातायात प्रक्षेपण प्रस्तुत किया है। यह संशोधित यातायात अनुमान वर्ष 2017-18 में वीसीटीपीएल द्वारा प्रहस्तित वास्तविक यातायात 3,88,289 टीईयू और बाजार परिदृश्य पर आधारित है। वीसीटीपीएल ने संशोधित यातायात अनुमानों के लिए औचित्य प्रस्तुत किया है:

(क) वीसीटीपीएल में प्रस्तित कंटेनर यातायात का लगभग 40% उड़ीसा क्षेत्र से निकलता है। पारादीप में पहले से ही शुरू ऑपरेशन करने वाली नई कंटेनर

हैंडलिंग सुविधा के साथ, खासकर इस बंदरगाह की ओर से गुजरने वाले कलिंग नगर - जजपुर बेल्ट से, वीसीटीपीएल पर माल के कुछ अधिक मात्रा की उम्मीद है।

(x) इसी प्रकार, काकीनाडा बंदरगाह भी कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए आक्रामक कार्रवाई कर रहा है। पश्चिमी गोदावरी क्षेत्र से पैदा होने वाले माल (चावल, जमे हुए श्रिंप, पेपर इत्यादि जैसी वस्तुओं) काफी मात्रा बढ़ने हैं जो इस बंदरगाह के निकट हैं और उनमें से अधिकतर अच्छी प्रोत कनेक्टिविटी के कारण वीसीटीपीएल के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में, काकीनाडा बंदरगाह में कंटेनर जहाजों की नियमित सासाहिक कॉल होती है और माल के कुछ हिस्से को इस बंदरगाह में स्थानांतरित किया जाता है। आने वाले महीनों में यह वॉल्यूम शिफ्ट बढ़ने की उम्मीद है।

(iii) उपर्युक्त के परिप्रेक्ष्य में वीसीटीपीएल ने अनुरोध किया है कि वर्ष 2017-18 के लिए वास्तविक रूप से प्रहस्तित 3,88,289 टीईयू पर और वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के लिए प्रस्तावित क्रमशः 4,50,000 और 4,74,500 टीईयू की अपेक्षा वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के लिए 4,16,000 टीईयू और 4,36,000 टीईयू पर विचार किया जाए।

(iv) 2017-18 के संबंध में, वीपीटी ने बताया है कि वीसीटीपीएल ने 3,88,624 टीईयू संभाले हैं। वीसीटीपीएल ने पुष्टि की है कि संचालित यातायात 3,88,289 टीईयू है न कि 3,88,624 टीईयू जैसा कि वीपीटी ने उल्लेख किया है। यह प्राधिकरण इस संबंध में वीओटी ऑपरेटर वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत वास्तविकताओं को मानता है।

(v) वीपीटी द्वारा उठाए गए बिंदु कि वीसीटीपीएल ने हाल ही में दो नए आरएमक्यूसी और रीच स्टैकर्स खरीदे हैं जो मौजूदा क्षमता में वृद्धि कर सकते हैं, के संबंध में प्रासंगिक है कि वीसीटीपीएल द्वारा अतिरिक्त उपकरणों के प्रभाव को पहले ही 14 नवंबर 2017 के आदेश में टैरिफ संशोधन के दौरान क्षमता के आकलन के लिए दर्ज कर लिया गया था। वर्ष 2016-17 में 395500 टीईयू की इष्टतम क्षमता वर्ष 2017-18 में बढ़ कर 474500 टीईयू हो गई थी। हालांकि क्षमता उपलब्ध है, वीसीटीपीएल ने यातायात अनुमानों को उचित ठहराया है जिन पर पिछले अनुच्छेदों में कार्रवाई कर ली गई है।

(vi) वीसीटीपीएल द्वारा संशोधित यातायात अनुमानों के साथ, 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 में 7.14% अधिक है प्रतिशत वृद्धि वास्तविक ट्रैफिक और पिछले वर्ष के अनुमानों के मुकाबले 2019-20 में 4.81% अधिक है। 2017-18 से 2019-20 के वर्षों के, यातायात में औसत वार्षिक वृद्धि 5.95% अनुमानित है।

(vii) वीसीटीपीएल ने कंटेनर यातायात के लिए प्रतिस्पर्धा परिदृश्य पर प्रकाश डाला है। यह उल्लेखनीय है कि मैसर्स पारादीप इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्रा. लिमिटेड ने बहुउद्देशीय माल के अलावा 25 अप्रैल 2018 से कंटेनर प्रहस्तन ऑपरेशन शुरू कर दिया है। प्रतिस्पर्धा परिदृश्य के मुद्दे पर वीपीटी की प्रतिक्रिया शून्य है। संशोधित यातायात प्रक्षेपण के लिए वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत औचित्य के आधार पर और यह कि वीसीटीपीएल द्वारा वर्ष 2017-18 में प्राप्त 5.89% की वास्तविक वृद्धि के मुकाबले 5.95% वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पर अनुमानित औसत वार्षिक वृद्धि तुलनात्मक है, वीसीटीपीएल द्वारा वर्ष 2017-18 से 2019-20 का यातायात अनुमान क्रमशः 3,88,289 टीईयू, 4,16,000 टीईयू और 4,36,000 टीईयू माना जाता है। किसी भी स्थिति में, यदि प्रक्षेपण के साथ वीसीटीपीएल द्वारा संचालित वास्तविक यातायात में बदलाव +/(-) 20% अधिक होता है तो इसे 2005 के प्रशुल्क दिशानिर्देशों के अनुरूप निपटाया जाएगा।

(viii) उपर्युक्त संशोधनों के परिणामस्वरूप, 14 नवंबर 2017 के आदेश में अनुमानित आय संशोधित यातायात अनुमानों के कारण भी आशोधित की गई है। 14 नवंबर 2017 के आदेश में वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक के वर्षों में आशोधित आय ₹.14,247.01 लाख, ₹.15,825.01 लाख और ₹.16,649.50 लाख के मुकाबले क्रमशः ₹.13,878.38 लाख, ₹.14,755.09 लाख और ₹.15,438.33 लाख पर विचार किया गया है।

(ix) यातायात में उपर्युक्त आशोधन के परिणामस्वरूप, ऑपरेटिंग लागत के आकलन जैसे विजली की लागत, ईंधन लागत उपकरण चलने वाली लागत, अनुज्ञेय रॉयल्टी, उपकरण किराया शुल्क और के तहत परिवर्तनीय वस्तुओं के तहत अन्य खर्चों जैसे परीक्षण शुल्क और कामगार शुल्क का किराया जो यातायात से जुड़े हुए हैं, भी आशोधित हैं।

14 नवंबर 2017 के आदेश में विचारित आशोधित परिचालन लागत ₹.6,075.61 लाख, ₹. 7,512.25 लाख और ₹.8,068.25 लाख अर्थात् ₹ 21,656.10 लाख के मुकाबले वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए क्रमशः ₹.6,008.80 लाख, ₹.7,337.61 लाख और ₹.7,850.20 लाख अर्थात् कुल ₹.21,196.61 लाख है। संशोधित परिचालन लागत में बाद के अनुच्छेदों में लाए गए कारणों के लिए ईंधन की आशोधित इकाई दर को लिया गया है।

(iii) **कर्मचारी लागत, विजली लागत, ईंधन लागत के प्रति वर्ष 2% की वृद्धि बहुत कम है। वीसीटीपीएल स्व-अनुमानित वास्तविक मुद्रास्फीति के आधार पर सभी लागत वस्तुओं की समीक्षा और उन पर विचार करने का अनुरोध करता है:**

(क) वीसीटीपीएल का कथन है कि :

(i) वीसीटीपीएल को पता है कि इस प्राधिकरण को टैरिफ दिशानिर्देश, 2005 द्वारा निर्देशित है और डब्ल्यूपीआई को 2% तक सीमित किया गया है। हालांकि, वीसीटीपीएल ने इस प्राधिकरण द्वारा 2017-18 से 2019-20 तक मानी जाने वाली मुद्रास्फीति पर वार्षिक 2% वृद्धि पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है।

(ii) ईंधन लागत में बढ़ोतरी की हालिया प्रवृत्ति प्रमुख उदाहरणों में से एक है कि क्यों 31-3-2020 तक तय 2% डब्ल्यूपीआई का कंपनी की लाभप्रदता और आरओसीई पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

(iii) कर्मचारी लागत, विजली लागत और ईंधन लागत की प्रति वर्ष 2% की वृद्धि बहुत कम है। 2016-17 की तुलना में, ईंधन लागत 17%, विजली की लागत 8% और कर्मचारी लागत 11% बढ़ी है। पिछले साल न्यूनतम मजदूरी लागत 44% बढ़ गई है। संयुक्त सुनवाई के समय, ईंधन की कीमत ₹.68.51 रुपये प्रति लीटर थी जो मार्च 2017 में प्रचलित लागत के मुकाबले 17% अधिक है। वर्तमान मूल्य ₹.75.13 रुपये प्रति लीटर है जो मार्च 2017 में प्रचलित लागत से 28.43% अधिक है। ईंधन पर कुल परिचालन लागत का 10% का लगता है और ईंधन लागत में किसी भी अत्यधिक वृद्धि का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्तमान ईंधन मूल्य के अनुसार, लागत पर प्रभाव ₹.50 प्रति टीईयू है। इसलिए, वीसीटीपीएल ने अपने टैरिफ समीक्षा आवेदन में 28.43% की ईंधन मुद्रास्फीति पर विचार करने का अनुरोध किया है।

(ख) ऑर्डर नं. टीएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल के दिनांक 14 नवंबर 2017 में पैरा संख्या 16

(xiv) का प्रासंगिक उद्धरण:

"(xiv) प्रशुल्क दिशानिर्देशों का खंड 2.5.1 अपेक्षा करता है कि महापत्तनों/टर्मिनल परिचालकों के व्यय प्रूर्वानुमान भारत सरकार द्वारा यथा घोषित सभी घटकों के लिए

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के मौजूदा संचलन के संदर्भ में कीमत उतार-चढ़ाव के लिए समायोजित यातायात के अनुसार होना चाहिए। वर्ष 2017-18 के दौरान निपटान किया जाने वाला प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2005 के अधीन दाखिल प्रशुल्क मामलों के मामले में इस प्राधिकरण द्वारा अंगीकृत वृद्धि कारक 2 प्रतिशत है। अनुरक्षण लागत ईंधन लागत आदि जैसी कुल लागत मदों का अनुमान लगाने के लिए वीसीटीपीएल द्वारा लागू वार्षिक वृद्धि 4 प्रतिशत है और बिजली लागत 10 प्रतिशत है जो कि स्वीकार्य स्तर से अधिक पायी गयी है।

लेवर लागत के संबंध में वीसीटीपीएल ने बताया है कि भारत सरकार द्वारा 01 अप्रैल 2017 से संशोधित न्यूनतम मंजूदी नीति के अनुसार, मौजूदा दर में 43 प्रतिशत से 44 प्रतिशत के बीच न्यूनतम मंजूदी सीमा में वृद्धि है। उद्धरित करते हुए कि वीसीटीपीएल ने अनुभवी और प्रशिक्षित कार्मिकों को बनाये रखने के लिए लेवर की लागत में 10 प्रतिशत तक वार्षिक वृद्धि पर विचार करने का अनुरोध किया है।

इस संबंध में यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2005 द्वारा इस प्राधिकरण का मार्गदर्शन किया जाता है। संशोधित प्रशुल्क दिशानिर्देशों का खंड 2.5.1 अपेक्षा करना है कि व्यय-पूर्वनुमान भारत सरकार द्वारा यथा घोषित सभी घटकों के लिए थोक मूल्य सूचकांक(डब्ल्यूपीआई) के मौजूदा संचलन के संदर्भ में है। डब्ल्यूपीआई चिह्नित समूहों की कीमतों का भारित औसत संचलन है। डब्ल्यूपीआई के आस्केट में सभी समूह वृद्धि की इस मात्रा से प्रभावित नहीं होते हैं। चूंकि यह प्राधिकरण प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2005 की शर्तों के अनुसार वर्ष 2017-18 में निर्णीत किए जाने वाले प्रशुल्क मामलों के लिए इस प्राधिकरण द्वारा यथा घोषित 2 प्रतिशत वार्षिक तक सीमित किया गया है।

तदनुसार, हमारे विश्लेषण में, वर्ष 2017-18 से 2019 के लिए अनुमान तत्संबंधी पिछले वर्षों के वास्तविकताओं अनुमानों पर 2 प्रतिशत का वार्षिक वृद्धिकारण लागू करते हुए संशोधित किए गए हैं जहां कहीं वीसीटीपीएल द्वारा वार्षिक वृद्धि उल्लिखित स्तर से अधिक रहती है और यातायात वृद्धि के लिए समायोजित की जाती है। यह प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2005 के अधीन अन्य बीओटी परिचालकों के लिए प्रशुल्क निर्धारण के समय अनुसरित दृष्टिकोण के अनुसार है।“

(ग) विश्लेषण :

- (i) जैसा कि नवंबर 2017 के आदेश में बताया गया है, इस प्राधिकरण को टैरिफ दिशानिर्देश, 2005 द्वारा निर्देशित होता है। टैरिफ दिशानिर्देशों के खंड 2.5.1 में आवश्यक है कि प्रमुख पत्तनों/टर्मिनल ऑपरेटरों के व्यय अनुमान भारत सरकार द्वारा घोषित सभी मदों के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के वर्तमान प्रचलन के संदर्भ में मूल्य में उतार-चढ़ाव के लिए समायोजित यातायात के अनुरूप होने चाहिए। ऐसा नहीं है कि डब्ल्यूपीआई की श्रेणी में सभी समूह एक ही मात्रा में वृद्धि का सामना करें। चूंकि यह प्राधिकरण टैरिफ दिशानिर्देशों, 2005 का पालन करने के लिए बाध्य है, इसलिए, वर्ष 2017-18 में टैरिफ मामलों का निर्णय लेने के लिए इस प्राधिकरण द्वारा घोषित वार्षिक वृद्धि टैरिफ दिशानिर्देश, 2005 की शर्तों के अनुसार 2% तक सीमित थी।
- (ii) यहां यह उल्लेख प्रासंगिक है कि जहां भी वीसीटीपीएल ने पिछले टैरिफ संशोधन के दौरान अनुबंध कर प्रतिलिपि प्रस्तुत की थी, उदाहरण के लिए, उपकरण किराया शुल्क, लैशिंग/अनलैशिंग, टैली और मैन पावर, सुरक्षा लागत इत्यादि के लिए, लागत का आकलन वैध अनुबंध की इकाई दर के अनुसार किया गया है। अनुबंध अवधि से परे की अवधि के लिए, यूनिट दर को थोक मूल्य सूचकांक स्तर पर 2% वार्षिक वृद्धि लागू करने के लिए बढ़ा दिया गया है। यह टैरिफ दिशानिर्देशों, 2005 के तहत अन्य बीओटी ऑपरेटरों के लिए टैरिफ निर्धारण के लिए अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है।

(iii) वीसीटीपीएल ने वर्तमान समीक्षा आवेदन में, अनुरोध करते हुए कि सभी लागत वस्तुओं को अनुमानित स्तर पर बढ़ाया जा सकता है, विशेष रूप से विजली लागत, ईंधन लागत और कर्मचारी लागत की समीक्षा की मांग की है। कर्मचारी लागत के संबंध में, 2017-18 से 2019-20 के प्रत्येक वर्ष के लिए वीसीटीपीएल द्वारा अनुमानित श्रमिकों की नफरी पर विचार किया गया है। यूनिट लागत के संबंध में, वर्ष 2016-17 के लिए परिचालन और प्रत्यक्ष श्रम और रखरखाव श्रम की वास्तविक औसत लागत आधार के रूप में ली जाती है और लाए गए इस आइटम का आकलन करने के लिए प्रति वर्ष 2% की वृद्धि होती है। आदेश दिनांक 14 नवंबर 2017 के पैरा 16 (xv) में उल्लेखित किया गया है।

जहां तक विद्युत लागत का संबंध है वीसीटीपीएल द्वारा आकलित प्रति यूनिट खपत पर विचार किया गया है। वर्ष 2016-17 के लिए सूचित औसत परिवर्तनीय वास्तविक विद्युत लागत को आधार माना गया है और वर्ष 2017-18 से 2019-20 के प्रत्येक वर्ष के लिए 2 प्रतिशत तक अनुज्ञेय वार्षिक वृद्धि स्तर से बढ़ाया गया है। वीपीटी ने यह भी उल्लेख किया है कि प्राधिकरण द्वारा विचारित विद्युत लागत में वृद्धि समुचित है।

इसके अलावा, वर्तमान समीक्षा आवेदन में, वीपीटी ने वीपीटीपी से विजली प्राप्त करने के लिए वीसीटीपीएल को सुझाव दिया है जो ₹.5.50 / इकाई के आसपास है जैसा कि एस्सार विजाग टमिनल लिमिटेड (ईवीटीपीएल) और वेदांत (वीजीसीबीपीएल) जैसे अन्य वीपीटी ऑपरेटरों को प्रदान की जाती है जो आंध्र प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (एपीईआरसी) से वीसीटीपीएल द्वारा प्राप्त विजली की तुलना में काफी सस्ता है जो ₹.8 प्रति यूनिट के आसपास है। वीसीटीपीएल ने वीपीटी द्वारा उल्लेखित गए इस विंदु की जांच करने पर भी सहमति व्यक्त की है। उपरोक्त को देखते हुए, यह प्राधिकरण इस मद की समीक्षा करना पसंद नहीं करता है।

(iv) ईंधन लागत के संबंध में, वीसीटीपीएल द्वारा आकलित ईंधन खपत 2017-18 से 2019-20 के प्रत्येक वर्ष के लिए नवंबर 2017 के प्रशुल्क आदेश में मानी गई थी।

पिछले प्रशुल्क संशोधन से संबंधित कार्यवाही के दौरान, वीसीटीपीएल ने अप्रैल 2017 से जून 2017 के महीनों के लिए ईंधन विल प्रस्तुत किए थे। इन तीन महीनों के लिए औसत इकाई दर (यानी ₹.60.94/ लीटर) को वर्ष 2017-18 लागत अनुमान में और बाद के वर्षों के लिए 2018-19 से 2019-20 तक, वार्षिक वृद्धि को 2% के स्वीकार्य स्तर पर आशोधित किया गया था।

अब, वर्तमान समीक्षा आवेदन में, वीसीटीपीएल ने कहा कि मार्च 2017 से ईंधन दर से ईंधन लागत में 28.43% की वृद्धि हुई है। वीसीटीपीएल ने वर्ष 2017-18 और वर्ष 2018-19 से अप्रैल 2018 से जून 2018 तक के लिए ईंधन लागत का एक व्यौरा दिया है। वीसीटीपीएल ने ईंधन विलों की प्रति के साथ भी प्रमाणित किया है। प्रस्तुत विवरण के अनुसार, वर्ष 2017-18 के लिए ईंधन दर की औसत लागत प्राधिकरण द्वारा विचारित ₹.60.94/लीटर के स्थान पर वीसीटीपीएल द्वारा ₹.62.17/लीटर ली गई है। 2018-19 (जून 2018 तक) के लिए, औसत ईंधन लागत ₹.61.20/लीटर के मुकाबले इस प्राधिकरण द्वारा विचारित ₹.71.29/लीटर है जो 2017-18 में मानी गयी ईंधन की इकाई दर पर 2% वृद्धि के साथ उल्लेखित है। वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए ईंधन की इकाई लागत में भिन्नता नवंबर 2017 के आदेश में मानी गई इकाई लागत पर 2.02% और 16.49% तक अधिक है। यहां तक कि वीपीटी ने भी ईंधन लागत की इकाई दर की समीक्षा के लिए वीसीटीपीएल के प्रस्ताव का समर्थन किया है जिसमें कहा गया है कि हाल के दिनों में ईंधन लागत में वृद्धि हुई है।

उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए, यह प्राधिकरण ईंधन की इकाई दर की समीक्षा करने और इसे वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत विवरणों के आधार पर वर्ष 2017-18 के लिए ₹.62.17/लीटर और वर्ष 2018-19 के लिए ₹.71.29/लीटर पर विचार करने का इच्छुक है जिसे ईंधन विलों की प्रतियों के साथ समर्थित किया गया है। वर्ष 2019-20

के लिए 2018-19 की आशोधित इकाई दर पर 2% वार्षिक वृद्धि पर अन्य लागत वस्तुओं के आकलन और टैरिफ दिशानिर्देश 2005 के अनुपालन में अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुसार विचार किया जाता है।

(V) उपर्युक्त विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में उपकरण चलाने की लागत के तहत उल्लेखित इंधन आकलनों को अशोधित किया जाता है। इस मद को आशोधित करते समय, जैसा कि पहले भी कहा गया है इसे इस समीक्षा आवेदन से उत्पन्न संशोधित यातायात प्रस्तावों के लिए समायोजित किया जाता है।

12.1. उपर्युक्त विश्लेषण के अध्याधीन, नवंबर 2017 के टैरिफ ऑर्डर में समेकित स्थिति को देखते हुए लागत विवरण संशोधित और अनुलग्न - II के रूप में संलग्न है। आशोधित लागत विवरण में प्रतिविंवित लागत स्थिति का सारांश नीचे संक्षेप में दिया गया है:

(रु. लाखों में)

विवरण	2017-18	2018-19	2019-20	कुल
प्रचालन आय	13878.38	14755.09	15438.33	44071.79
निवल अधिशेष(घाटा)	111.25	(768.39)	(964.65)	(1621.79)
निवल अधिशेष(घाटा) प्रचालन आय के प्रतिशत के तौर पर	0.80%	(5.21%)	(6.25%)	(3.55%) औसत

उपर्युक्त तालिका में वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक कुल रु.1621.79 लाख का घाटा दिखाया गया है।

12.2. नवंबर 2017 के आदेश में पिछले टैरिफ संशोधन में वीसीटीपीएल ने एसओआर के 1.1.क (क) के तहत आयात और निर्यात हेतु लदे हुए कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए समग्र दर में 23.30% की टैरिफ वृद्धि का प्रस्ताव दिया था। अन्य सभी टैरिफ मदों के लिए, वीसीटीपीएल ने तत्कालीन प्रचलित एसओआर में प्रतिस्पर्धा के अपने विचार के आधार पर स्थिति यथावत बनाए रखी थी।

12.3. नवंबर 2017 के आदेश के विवरण में वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक के लिए क्रमशः रु.161.56 लाख, रु.252.66 लाख और रु.154.23 लाख अनुज्ञेय लागत के बाद शुद्ध अधिशेष जो तत्कालीन प्रशुल्क स्तर पर कुल रु.568.45 लाख रुपये, जो वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए 1.22% के औसत शुद्ध अधिशेष के लिए प्रतिशत के तौर पर परिलक्षित किया गया है। यह मानते हुए कि लागत विवरण द्वारा प्रतिविंवित शुद्ध अधिशेष मामूली था, इस प्राधिकरण ने वीसीटीपीएल के मौजूदा दरमान यथावत् बनाए रखने का फैसला किया था।

12.4. वीसीटीपीएल द्वारा दायर समीक्षा आवेदन के विश्लेषण के आधार पर, यह उपर्युक्त आशोधित लागत विवरण और ऊपर तालिका में प्रतिविंवित सारांश स्थिति से पाया गया है कि वर्ष 2017-18 में 111.25 लाख, वर्ष 2018-19 से 2019-20 के लिए क्रमशः रु.768.39 लाख और रु.964.65 की अनुज्ञेय लागत लाख को जोड़ कर वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए कुल रु.1621.79 लाख का शुद्ध अधिशेष है। विश्लेषण से उत्पन्न लागत विवरणी में दर्शायी गई घाटे की स्थिति के परिप्रेक्ष्य में यह रु.1621.79 लाख के कुल घाटे को पूरा करने के लिए प्रशुल्क में वृद्धि प्रदान करने से संबंधित एक मामला है।

12.5. वीसीटीपीएल का वर्तमान प्रशुल्क-चक्र साल 2017-18 से 2019-20 तक है। वर्ष 2017-18 पहले से खत्म हो चुका है और 2018-19 साल भी आधा बीत गया है। जब तक इस प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश प्रभावी होगा, यह सितंबर 2018 के आसपास होगा। इसलिए, रु.1621.79 लाख की घाटे को पूरा करने के लिए एसओआर के 1.1.ए (क) के तहत आयात और निर्यात हेतु लदे हुए कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए टैरिफ की संयोजी दर में वृद्धि प्रदान की गई है जो वर्ष 2018-19 के लिए सितंबर 2018 से मार्च 2019 तक के लिए 7 महीने और वर्तमान टैरिफ चक्र के लिए वर्ष 2019-20 की अवधि के लिए होगा। तदनुसार, रु.1621.79 लाख के घाटे को पूरा करने के लिए वीसीटीपीएल के टैरिफ प्रशुल्क में वृद्धि का एक परिकलन नीचे सारणीबद्ध है:

विवरण	राशि (रु. लाखों में)
वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक के वर्तमान प्रशुल्क चक्र के लिए कुल निवल घाटा	-1621.79
आयात और निर्यात के लिए लदे हुए कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए संयोजी दर से कुल अनुमानित आय (वर्ष 2018-19 के लिए अर्थात सितंबर 2018 से मार्च 2019 तक (7 माह) प्रो-राटा आधार पर	15,533.34
01 सितंबर 2018 से आयात और निर्यात के लिए लदे हुए कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए संयोजी दर में की गई वृद्धि %	10.44%

12.6. इस प्रकार, लागत विवरण में दर्शाए गए घाटे के आधार पर और उपर्युक्त कार्य के अनुसार, यह प्राधिकरण वीसीटीपीएल को आयात और निर्यात के लदे हुए कंटेनर के प्रहस्तन के लिए मौजूदा संयोजी दर में 10.44% की वृद्धि का अनुमोदन करता है। अन्य सभी टैरिफ मदों के लिए वीसीटीपीएल द्वारा यथा अपेक्षित स्थिति यथावत् रहेगी।

12.7. इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित दरों को आम तौर पर भारत के राजपत्र में आदेश की अधिसूचना की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के बाद लागू किया जाता है। वर्तमान मामले में यह स्वीकार करते हुए कि वीसीटीपीएल द्वारा दायर समीक्षा आवेदन के अनुसार घाटा है और यह भी स्वीकार करते हुए कि टैरिफ में वृद्धि की गई है, और यह मानते हुए कि वृद्धि 01 सितंबर, 2018 से प्रभावी होगी, संशोधित दरों को 01 सितंबर 2018 से प्रभावी बनाया जाता है। नवंबर, 2017 के आदेश के अनुसार दरमानों की वैधता 31 मार्च, 2020 तक जारी रहेगी। लागू टैरिफ दिशानिर्देशों के बाद वास्तविक वित्तीय और वास्तविक प्रदर्शन की अगले टैरिफ संशोधन के दौरान समीक्षा की जाएगी, जो लेखापरीक्षित खातों के आधार पर वर्ष 2016-17 के अनुमानों की समीक्षा के वास्तविक के संदर्भ के साथ 31 मार्च, 2020 से किया जाना है।

13.1. परिणामतः, और ऊपर दिए गए कारण से और सामूहिक सोच-विचार के आधार पर, यह प्राधिकरण दिनांक 14 नवंबर 2017 के आदेश संब्या टीएएसपी/28/2017-वीसीटीपीएल के अनुसार अनुमोदित वीसीटीपीएल की मौजूदा दरमानों में निम्नलिखित का आशोधनों का अनुमोदन करता है।

(i) **मौजूदा एसओआर में अनुसूची 1.1. क में खंड-1 कंटेनर संचालन के तहत आयात/निर्यात हेतु लदे हुए कंटेनरों के लिए संयोजी दरें - क्रम सं.(क) में निर्धारित संशोधित और निम्नानुसार प्रतिस्थापित की जाती हैं:**

"1.1.क. कंटेनर-आयातित और निर्यातित कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए समेकित दर

(रूपयों में)

क्रम सं.	विवरण	20 फुट से लंबे कंटेनर नहीं		20 फुट से बड़ी और 40 फुट तक लंबे कंटेनर		40 फुट से बड़ी और 45 फुट तक लंबे कंटेनर	
		विवेशगामी	तटीय	विवेशगामी	तटीय	विवेशगामी	तटीय
(क)	लदे हुए कंटेनर-आयात/निर्यात	4663	2797	6995	4197	9326	5596

13.2. इस आदेश में अनुमोदित संशोधित दरें 01 सितंबर 2018 से लागू हो जाएंगी। दरों की वैधता 31 मार्च, 2020 तक लागू होगी, जैसा कि नवंबर 2017 के आदेश में उल्लेखित है।

13.3. वीसीटीपीएल को मौजूदा एसओआर में उचित रूप से संशोधन करने की सलाह दी जाती है।

टी.एस. बालसुब्रमनियन, सदस्य (वित्त)

[विज्ञापन-III/असा./203/18]

अनुलग्नक-I

विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्रा.लिमिटेड

वीसीटीपीएल के समीक्षा आवेदन के आधार पर 2014-15 से 2016-17 तक वीसीटीपीएल के वास्तविक बनाम आकलित कार्य निष्पादन का विश्लेषण

रुपये लाखों में

क्रम सं.	विवरण	वर्ष 2016 के प्राप्तक आवेदन में आकलन				वर्ष 2017 के आवेदन में प्राधिकरण द्वारा आशोधित वास्तविक				% प्रकारानुतर	वीसीटीपीएल के समीक्षा आवेदन पर आधारित प्राधिकरण द्वारा आशोधित वास्तविक				% प्रकारानुतर
		2014-15	2015-16	2016-17	कुल	2014-15	2015-16	2016-17	कुल		2014-15	2015-16	2016-17	कुल	
	यातायात (ट्रीईयू में)	2,51,000	2,94,485	3,12,154	8,57,639	2,48,163	2,81,821	3,86,683	9,06,467	5.7%	2,48,163	2,91,821	3,86,683	9,06,467	5.7%
	इष्टतम घमता	3,95,500	413000	413000	12,21,500	3,95,500	4,13,000	4,13,000	12,21,500		3,95,500	413000	413000	12,21,500	
I	कुल ऑपरेटिंग आय														
	कंटेनर प्रहस्तन से आय	6965.23	8171.93	9290.71	24,427.87	7,702.23	8,676.99	12,294.66	28,673.88	17.4%	7,702.23	8,676.99	12,294.66	28,673.88	17.4%
	अन्य	910.80	1066.18	1264.75	3,241.74	998.48	1,349.06	2,528.75	4,876.29	50.4%	998.48	1,349.06	2,528.75	4,876.29	50.4%
	कुल	7876.03	9239.12	10555.48	27889.81	8700.71	10026.05	14823.41	33550.17	21.3%	8,700.71	10,026.05	14,823.41	33,550.17	21.3%
II	परिचालन लागत (मूल्यहास को छोड़कर)	308.72	327.24	346.88	982.83	285.96	345.51	375.71	1,007.18		285.96	345.51	375.71	1,007.18	
	ऑपरेटिंग और प्रत्यक्ष	360.85	382.26	405.24	1,148.36	342.09	388.56	407.31	1,137.95		342.09	388.56	407.31	1,137.95	

श्रमिक														
रखरखाव श्रमिक	1262.93	1450.94	1656.22	4,370.10	1,015.01	1,228.08	1,469.13	3,712.21		1,015.01	1,228.08	1,469.13	3,712.21	
उपकरण चलाने की लागत	430.47	667.38	764.78	1,862.62	425.60	670.62	898.37	1,994.59		425.60	670.62	898.37	1,994.59	
रॉयलटी / राजस्व शेयर	712.49	831.87	920.99	2,465.35	736.94	905.97	1,237.28	2,880.19		736.94	905.97	1,237.28	2,880.19	
उपकरण किराया	85.90	85.90	85.90	257.71	94.09	85.30	101.35	280.73		94.09	85.30	101.35	280.73	
लीज किराया	93.46	113.71	157.95	365.12	78.64	80.34	96.51	255.48		78.64	80.34	96.51	255.48	
बीमा	431.27	473.17	512.27	1,416.72	421.73	430.19	479.72	1,331.64		421.73	430.19	479.72	1,331.64	
तकनीकी सेवा शुल्क	23.65	23.65	23.65	70.96	28.73	38.87	38.87	106.47		28.73	38.87	38.87	106.47	
कुल	3,709.75	4,358.14	4,673.88	12,939.77	3,428.78	4,173.43	5,104.25	12,708.45	-1.8%	3,428.78	4,173.43	5,104.25	12,708.45	
III	मूल्यहास	1694.58	1969.22	2737.28	6,401.09	1,462.19	1,494.12	1,376.83	4,333.14	-32.3%	1,462.19	1,494.12	1,376.83	4,333.14
IV	ऊपरि व्यय													
	प्रबंधन और प्रशासन	1206.26	1278.64	1355.35	3,840.25	1,384.02	1,591.79	1,647.73	4,623.54		1,384.02	1,591.79	1,647.73	4,623.54
	प्रारंभिक खर्च और अग्रिम भुगतान राईट आफ किया गया	12.53	12.53	12.53	37.58	12.53	12.53	12.53	37.58		12.53	12.53	12.53	37.58
	कुल	1,218.79	1,291.16	1,367.88	3,877.83	1,398.54	1,804.32	1,660.25	4,661.11	20.2%	1,398.54	1,804.32	1,660.25	4,661.11
V	ऑपरेटिंग अधियोग / (आटा) (i) - (ii) - (iii) - (iv)	1,252.91	1,621.80	1,578.41	4,450.92	2,413.20	2,754.18	6,682.08	11,849.47	166.2%	2,413.20	2,754.18	6,682.08	11,849.47
VI	विन और विविध आय (एफएमआई)													
	अन्य लोग	25.00	25.00	25.00	75.00	38.57	35.08	114.51	188.16		38.57	35.08	114.51	188.16
	कुल	25.00	25.00	25.00	75.00	38.57	35.08	114.51	188.16	150.9%	38.57	35.08	114.51	188.16
VII	विन और विविध व्यय (एफएमआई)													
	भविष्य निधि का योगदान	86.77	91.97	97.49	276.23	87.66	98.47	148.23	334.36		87.66	98.47	148.23	334.36
	संपत्तियों और अन्य विक्रय पर हानि					39.14	214.73	2.70	256.57		39.14	214.73	2.70	256.57
	बीसीटीपीएल द्वारा समीक्षा आवेदन के आधार पर विवेशी मुद्रा कठण की चकौती पर विवेशी मुद्रा हानि										495.66	1,253.09	1,748.75	
	कुल	90.04	99.04	108.95	298.03	126.80	313.20	150.93	590.93	98.3%	822.46	313.20	1,404.02	2,339.68
VIII	एफएमआई कम एफएमई (VI) - (VII)	(65.04)	(74.04)	(83.95)	(223.0)	(88.23)	(278.1)	(36.42)	(402.7)		(583.8)	(278.1)	(1,289.51)	(2,151.52)
IX	व्याज और कर से पूर्व अधियोग (v) + (vii)	1,187.87	1,547.55	1,492.46	4,227.89	2,324.98	2,476.07	6,645.65	11,446.70	170.7%	1,829.31	2,476.07	5,392.57	9,897.95

X	नियोजित पूँजी	11729.23	12681.61	17419.66	13,943.50	10,852.24	10,773.30	9,515.58	10,380.37	-25.6%	10,852.24	10,773.30	9,515.58	10,380.37	-25.6%
XI	नियोजित पूँजी पर @ 16% वापसी	1876.68	2029.06	2787.15	6,692.88	1,736.36	1,723.73	1,522.49	4,982.58	-25.6%	1736.36	1723.73	1522.49	4,982.58	-25.6%
XII	क्षमता का उपयोग	63.46%	71.30%	75.58%	70%	63%	74%	93%	76%	9.0%	63%	74%	93%	76%	9.0%
XIII	क्षमता उपयोग के लिए समायोजित आरओसीई	1876.68	2029.06	2787.15	6,692.88	1,736.36	1,723.73	1,522.49	4,982.58	-25.6%	1,736.36	1,723.73	1,522.49	4,982.58	-25.6%
XIV	नेट सरप्लस / (डेफिसिट) (ix) - (XIII)	(481.50) (688.80)	(481.50) (688.80)	(1,294.6 8) (2,464.9 9)	588.83	752.34	5,123.16	6,484.13	-382.2%	92.87	752.34	3,870.07	4,715.38	-291.3%	
XIV	ऑपरेटिंग आय के% के रूप में नेट अधिशेष / (घाटा) (% में XIII / I)	-8.75%	-5.21%	-12.27%	-8.74%	6.77%	7.50%	34.56%	16.28%	-286.2%	1.07%	7.50%	28.11%	11.56%	-232.2%
XV	ऑपरेटिंग आय के% के रूप में औसत नेट अधिशेष / (घाटा)	-8.74%				18.28%					11.56%				
XVI	दक्षता में सुधार के कारण लागत में बदल	1.62	2.02	2.27	5.91	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
XVII	समीक्षा आवेदन के अनुसार और टीएमपी मण्डा के अनुसार वीसीटीपीएल को अर्जित 2011-12 से 2013-14 की अवधि के लिए पिछले अवधि का अधिशेष सेट ऑफ किया गया	65.80	65.80	65.80	197.41	0.00	0.00	0.00	0.00	-	-	-	-	-	
XVIII	कुल अधिशेष / (घाटा) (XIII-XVI)	-624.62	-417.72	-1231.15	(2,273.49)	588.83	752.34	5,123.16	6,484.13		92.87	752.34	3,870.07	4,715.37	
XIX	ऑपरेटिंग आय के% के रूप में पिछली अवधि अधिशेष के वायरे के बाद शुद्ध अधिशेष / (घाटा) (%)	-7.93%	-4.52%	-11.66%	-8.04%	6.77%	7.50%	34.56%	16.28%		1.07%	7.50%	28.11%	11.56%	

	में XVIII / I)												
XX	ऑपरेटिंग आय के% के रूप में औसत नेट अधिशेष / (वाटा)	-8.04%			18.28%				11.56%				

अनुलग्नक - II

विशेषा कंटेनर टर्मिनल प्रा.लिमिटेड
समेकित आय और लागत विवरणी

रु. लाखों में

क्रम सं.	विवरण	वास्तविक			नवंबर 2017 के आदेश में प्राधिकरण द्वारा विचारित आकलन					सभी आदेश पर आधारित नवंबर 2017 के संरोचित आदेश में प्राधिकरण द्वारा विचारित आकलन					
					2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	कुल	2017-18	2018-19	2019-20	कुल
	वातावात (टीईयू में)	248163	291621	3,66,683	4,00,000	4,50,000	4,74,500	13,24,500	3,88,289	4,16,000	4,36,000	12,40,289.00			
	इष्टतम धनमता	395500	395500	395500	474500	474500	474500	14,23,500	4,74,500	4,74,500	4,74,500	14,23,500.00			
I	कुल ऑपरेटिंग आय														
	कंटेनर प्रहसन से आय	7,702.23	8,676.99	12,294.66	12,061.64	13,566.34	14,301.03	39,929.01	11708.19	12540.51	13139.80	37,388.50			
	अन्य	998.48	1,349.06	2,528.75	2,185.38	2,258.67	2,348.46	6,792.51	2170.19	2214.58	2298.53	6,683.29			
	कुल	8,700.71	10,026.05	14,823.41	14,247.01	15,825.01	16,649.50	46,721.52	13878.38	14755.09	15438.33	44,071.79			
II	परिचालन लागत (मूल्यहास्य को छोड़कर)														
	ऑपरेटिंग और प्रत्यक्ष श्रमिक	285.96	345.51	375.71	461.88	480.54	490.16	1,432.58	461.88	480.54	490.16	1,432.58			
	रखरखाव श्रमिक	342.09	388.56	407.31	490.68	543.09	553.99	1,587.76	490.68	543.09	553.99	1,587.76			
	उपकरण चलाने की लागत	1,015.01	1,228.08	1,469.13	1,630.67	2,115.17	2,263.29	6,009.12	1620.39	2137.54	2281.98	6,039.91			
	रोबोट्टी / ग्राजस्ट शेयर	425.60	670.62	898.37	980.00	1,515.94	1,743.79	4,239.73	951.31	1401.40	1602.30	3,955.01			
	उपकरण किराया	736.94	905.97	1,237.28	1,302.56	1,431.25	1,514.01	4,247.83	1277.99	1358.47	1429.95	4,066.40			
	लीज किराया	94.09	85.30	101.35	468.14	477.50	487.05	1,432.70	468.14	477.50	487.05	1,432.70			
	बीमा	78.64	80.34	96.51	112.44	283.97	331.54	727.96	112.44	283.97	331.54	727.96			
	अन्य खर्च	421.73	430.19	479.72	567.46	603.01	622.64	1,793.10	564.19	593.33	611.45	1,768.96			
	तकनीकी सेवा शुल्क	28.73	38.87	38.87	61.77	61.77	61.77	185.32	61.77	61.77	61.77	185.32			
	कुल	3,428.78	4,173.43	5,104.25	6,075.61	7,512.25	8,068.25	21,656.10	6,008.80	7,337.61	7,850.20	21,196.61			
III	मूल्यहास्य	1,462.19	1,494.12	1,376.83	1,666.10	3,196.23	3,383.07	8,245.40	1,666.10	3,196.23	3,383.07	8,245.40			
IV	ऊपरि वयव														
	प्रबंधन और प्रशासन	1,384.02	1,591.79	1,647.73	1,680.68	1,714.29	1,748.58	5,143.55	1680.68	1714.29	1748.58	5,143.55			
	प्रारंभिक खर्च और अंगिम मुग्धतान गैर्ड	12.53	12.53	12.53	12.53	12.53	12.53	37.58	12.53	12.53	12.53	37.58			
	कुल	1,396.54	1,604.32	1,660.25	1,693.21	1,726.82	1,761.10	5,181.13	1,693.21	1,726.82	1,761.10	5,181.13			
V	ऑपरेटिंग अधिशेष / (वाटा) (i) - (ii) - (iii) - (iv)	2,413.20	2,754.18	6,682.08	4,812.10	3,389.72	3,437.07	11,638.89	4,510.27	2,494.43	2,443.96	9,448.65			
VI	वित्त और विविध आय (एफएमआई)														
	अन्य	38.57	35.08	114.51	15.00	15.00	15.00	45.00	15.00	15.00	15.00	45.00			
	कुल	38.57	35.08	114.51	15.00	15.00	15.00	45.00	15.00	15.00	15.00	45.00			
VII	वित्त और विविध व्यव (एफएमई)														
	भविष्य निधि में	87.66	98.47	148.23	151.19	154.22	157.30	462.72	151.19	154.22	157.30	462.72			

	योगदान										
	संपत्तियों और अन्य के विक्रय पर हानि	39.14	214.73	2.70							
	वीरीटीपीएल द्वारा समीक्षा आवेदन के आधार पर विवेशी मुद्रा क्रम की चुकौती पर विवेशी मुद्रा हानि	495.66	-	1,253.09							
	कुल	622.46	313.20	1,404.02	163.05	179.36	197.30	539.71	163.05	179.36	197.30
VIII	एफएमआई घटाएं एफएमई (VI) - (VII)	(583.89)	(278.12)	(1,289.51)	(148.05)	(164.36)	(182.30)	(494.71)	(148.05)	(164.36)	(182.30)
IX	व्याज और कर से पूर्व अधिशेष (V) + (VIII)	1,829.31	2,476.07	5,392.57	4,664.04	3,225.36	3,254.78	11,144.18	4,362.22	2,330.07	2,261.66
X	नियोजित पूँजी	10,852.24	10,773.30	9,515.58	23,091.81	21,103.73	21,902.78	22,032.77	23091.81	21103.73	21902.78
XI	नियोजित पूँजी पर @ 16% वापरी	1736.36	1723.73	1522.49	3694.69	3376.60	3504.44	10,575.73	3694.69	3376.60	3504.44
XII	धमता का उपयोग	62.75%	73.73%	92.71%	84.30%	94.84%	100.00%	0.93	81.83%	87.67%	91.89%
XII	धमता उपयोग के लिए समायोजित आरओसीई	1736.36	1723.73	1522.49	3,694.69	3,376.60	3,504.44	10,575.73	3694.69	3376.60	3504.44
XIII	नेट सरल्स / (घाटा) (IX - (XII))	92.97	752.34	3870.07	969.35	(151.24)	(249.67)	568.45	667.53	-1046.53	-1242.78
XIV	वर्ष 2018-19 और 2019-20 के दौरान 12 महीनों के लिए प्रो-रेटा आधार पर समायोजित 2017-18 का अनुमानित अधिशेष	-	-	-	807.79	403.90	403.90		556.27	278.14	278.14
XV	नेट सरल्स / (घाटा) (XII) - (XIV)	92.97	752.34	3,870.07	161.56	252.66	154.23	568.45	111.25	-768.39	-964.65
XV	ऑपरेटिंग आय के% के रूप में नेट अधिशेष / (घाटा) (% में XIII / I)	1.07%	7.50%	26.11%	1.13%	1.60%	0.93%		0.80%	-5.21%	-6.25%
XVI	ऑपरेटिंग आय के% के रूप में औसत नेट अधिशेष / (घाटा)	11.56%			1.22%				-3.55%		

**TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS
NOTIFICATION**

Mumbai, the 14th August, 2018

No. TAMP/7/2018-VCTPL.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the review application filed by Visakha Container Terminal Private Limited (VCTPL) for review of the Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November, 2017 in respect of general revision of Scale of Rates of VCTPL as in the Order appended hereto.

**Tariff Authority for Major Ports
Case No. TAMP/7/2018-VCTPL**

Visakha Container Terminal Private Limited

Applicant

QUORUM:

- (i) Shri. T.S. Balasubramanian, Member (Finance)
- (ii) Shri. Rajat Sachar, Member (Economic)

O R D E R
(Passed on this 31st day of July 2018)

This case relates to review application filed by the Visakha Container Terminal Private Limited (VCTPL) for review of the Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November, 2017 in respect of general revision of Scale of Rates (SOR) of VCTPL.

2.1. This Authority had passed an Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November, 2017 disposing of the proposal received from the VCTPL for general revision of its SOR. The said Order was notified in the Gazette of India on 21 December, 2017 vide Gazette No.480 and was forwarded to VCTPL vide our letter dated 27 December, 2017.

2.2. The VCTPL in the said general revision proposal had sought a tariff increase of 23.30% in the composite rate for handling of import and export laden containers under 1.1.A (a) of the SOR and status quo on all the other tariff items based on its view that there is competition.

2.3. As against the above proposal of the VCTPL, this Authority in the Order dated 14 November, 2017, based on the net surplus reflected by the cost statement and for reasons brought in para 16 (xxxii) of the Order dated 14 November, 2017, has decided to maintain status quo in the then existing SOR of VCTPL.

2.4. As stipulated in Clause 3.3.1. of the tariff guidelines of March 2005, application for review of a tariff Order can be entertained provided such an application is filed within 30 days of the notification in the Gazette of India. Referring to the said clause, this Authority in para 16 (xxxii) of the Order had mentioned that the VCTPL has the option to approach this Authority for review of the Order to the extent of error apparent on face of records. The VCTPL Order has been notified on 21 December, 2017.

2.5. The VCTPL has filed the review application under cover of its letter dated 18 January 2018, which is well within the prescribed time limit of 30 days.

3.1. With reference to the said tariff Order of 14 November, 2017, the VCTPL vide its letter dated 18 January, 2018 has filed an application for review of the tariff Order.

3.2. The main points made by VCTPL to reconsider in its Review Application are summarised below:

(I) **Consider total forex loss of INR 18,30,42,316 incurred at the time of repayment of the foreign currency loan in the year 2014-15 and 2016-17 which was disallowed by the Authority in last tariff revision Order dated 14 November 2017:**

- (a) VCTPL had obtained Foreign Currency Loan by way of availing Buyers credit for a period of 5 years of USD 18,372,815 (Equivalent INR 98,63,27,717) for payment of the Fixed Assets (i.e. 2 RMQCs, 4 RTGCs, Spreaders, Capital Spares for RMQCs and Capital Spares for RTGCs) purchased during 2011-12 and 2012-13.
- (b) As per Accounting Standard (AS) 11, the outstanding foreign currency liabilities are to be translated at the exchange rate prevailing as on 31st March of the relevant financial year and shown in the books of accounts. The Authority had disallowed the translated forex loss in the previous year (Ref. TAMP Order No.TAMP/31/2015-VCTPL dated 28 April 2016) and again in the current Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 12 December 2017 (notified in the Official Gazette on 21 December 2017) in which the actual loss incurred was claimed. The Authority had stated that the actual loss is not found in audited Annual Accounts for the years 2014-15 to 2015-16 and in the provisional Annual Accounts of the year 2016-17.
- (c) The VCTPL has furnished Table-A showing details of Forex loss, Forex loan and Annual Report reference of Forex loan to long-term borrowing outstanding - Financial year-wise, in which the Foreign currency outstanding loan and corresponding references to the Balance sheet have been shown. The loan outstanding balances as on:

31-3-2013	₹99,86,54,356 (Ref. Note 5, Long-Term Borrowings (a) Acceptances from Bank of Financials of FY 2012-13 – ₹99,86,54,356)
31-3-2014	₹109,79,22,680 (Ref. Note 5, Long-Term Borrowings (a) Acceptances from Bank of Financials of FY 2013-14 – ₹ 80,64,23,509) and Note 10 Other Current Liabilities – ₹ 29,14,99,171)
31-3-2015	₹82,23,98,994 (Ref. Note 5, Long-Term Borrowings (a) Acceptances from Bank of Financials of FY 2014-15 – ₹82,23,98,994)
31-3-2016	₹85,33,06,361 (Ref. Note 5, Long-Term Borrowings (a) Acceptances from Bank of Financials of FY 2015-16 – ₹ 87,24,15,010 Less Hedge cost 1,91,08,650)
31-3-2017	Nil

(d) The corresponding financial year's Balance sheet can be referred under the Schedule "Note 5, Long-Term Borrowings (a) Acceptances from Bank" and "Note 10 Other Current Liabilities". The relevant Balance sheets of relevant years are furnished as Annexure-2.

(e) Following payment of the loan has been made during 2014-15 and payment proof have been furnished:

- (i) During 2014-15, the loan amount of USD 48,77,994 (INR 24,13,65,130) was paid by outflow of INR 28,68,74,833. Therefore, the net forex loss for this transaction was INR 4,55,09,703. The payment proof in form of Foreign Bill Transaction Advice issued by Axis Bank is furnished vide Annexure 11B and 11C.
- (ii) During 2014-15, the loan amount of USD 3,42,750 (INR 1,66,21,448) was paid by outflow of INR 2,06,78,108. Therefore, the net forex loss for this transaction was INR 40,56,659. The payment proof in form of Foreign Bill Transaction Advice issued by Axis Bank is furnished vide Annexure 11H and 11I.

Therefore, the total Repayment during 2014-15 was INR 30,75,52,941 and net Forex loss incurred was INR 4,95,66,362/-

(f) Following payment of the loan has been made during 2016-17 and payment proof have been furnished:

- (i) During 2016-17, the loan amount of USD 1,28,10,634 (INR 71,00,39,650) was paid by outflow of INR 83,11,53,948. Therefore, the net forex loss for this transaction was INR 12,11,14,292. The payment proof in form of Foreign Bill Transaction Advice issued by Axis Bank is furnished vide Annexure 11D, 11E and 11F.
- (ii) During 2016-17, the loan amount of USD 1,83,163 (INR 98,54,395) was paid by outflow of INR 1,22,27,019. Therefore, the net forex loss for this transaction was INR 23,72,624. The payment proof in form of Foreign Bill Transaction Advice issued by Axis Bank is furnished vide Annexure 11G.
- (iii) During the year 2016-17, the loan amount of USD 1,58,274 (INR 84,47,093) was paid by outflow of INR 1,02,68,829. Therefore, the net forex loss for this transaction was INR 18,21,736. The payment proof in form of Foreign Bill Transaction Advice issued by Axis Bank is furnished vide Annexure 11J.

Therefore, the total Repayment during 2016-17 was INR 85,36,49,796 and net Forex loss incurred was INR 12,53,08,652.

(g) The Summary of total Forex loss incurred at the time discharge of the foreign currency loan is furnished in the following Table:

Underlying assets	Foreign Currency Loan		Payment			Forex Loss
	USD	INR	FY	USD	INR	
RTGCs	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,833	45,509,703
Spreader	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,108	4,056,659
Sub-total for 2014-15 (A)	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,362
RMQCs	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,292

RTGC Spares	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624
RMQC Spares	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736
Sub-total for 2016-17 (B)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,652
Total (A+B)	18,372,815	98,63,27,717		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,014

(h) Apart from above, the company had done hedging of part of its foreign currency loan during 2015-16 at 64.88 per USD and therefore, eligible for the additional hedge cost (restricting itself to only the exchange difference between hedge rate and payment rate) The details are furnished hereunder:

Hedge cost paid	USD	Settled rate	Hedged rate	Hedge cost	Total Hedge cost
Ref Annexure 11D (RMQC Loan-1)	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000
Ref Annexure 11E (RMQC Loan-2)	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840
Ref Annexure 11F (RMQC Loan-3)	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568
Ref Annexure 11J (RMQC Spares Loan)	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894
Total Cost					81,67,301

(i) Therefore, VCTPL requests to reconsider the total forex loss of INR 18,30,42,316 (i.e. ₹17,48,75,014 + ₹81,67,301) incurred at the time of repayment of the foreign currency loan to be eligible for the Tariff hike, which was not considered by the Authority in past period at the time of general revision of SOR.

(II) **Reconsider traffic and Revenue projections as made by VCTPL:**

(a) Volume has been increased for 2017-18 to 2019-20 by considering the VPT's proposal based on IPA projections and accordingly the revenue has been revised upward to the tune of ₹53.97 crores.

Particulars	2017-18	2018-19	2019-20	Total (TEUs)
VCTPL proposal	3,69,000	3,84,000	4,00,000	11,53,000
TAMP approval	4,00,000	4,50,000	4,74,500	13,24,500
Increase in Revenue	9.76 crores	20.77 crores	23.44 crores	53.97 crores

(b) The report submitted by consortium of M.C. Kinsey and AECOM to IPA is of 2014, when establishment of neighbouring ports – Kakinada, Paradip and Dhamara had apparently not been envisaged. The scenario now is completely different and therefore, VCTPL has requested to reconsider its volume and revenue projections. The volume which may not be able to handle and projecting the income for the same would affect three years' tariff cycle, consequences of which would affect the ROCE and cashflow of the company.

(III) **Reconsider escalation in expenditure projection which is capped the WPI to 2% by the Authority in the last tariff revision Order:**

VCTPL had estimated all the cost items based on the actual inflation. VCTPL is aware that the Authority is guided by the Tariff Guidelines, 2005 and have capped the WPI to 2%. However, the VCTPL has requested to reconsider its proposal of inflation. The recent trend in increase in Fuel cost is one of major examples why the 2% WPI fixed till 31-3-2020, would have serious impact on the profitability and ROCE of the company.

4. In accordance with the consultative procedure prescribed, the review application of VCTPL dated 18 January 2018, except the Annual Reports for the years 2012-13 to 2015-16 was forwarded to the VPT and concerned users/ user organisations seeking their comments vide our letter dated 25 January 2018. The comments received from the VPT and users/ user organisations were forwarded to VCTPL for feedback information. The VCTPL vide its letters dated 21 February 2018 and dated 14 March 2018 has furnished its reply.

5. A joint hearing in this case was held on 25 April 2018 at the VPT premises. The VCTPL made a power point presentation of its Review Application. At the joint hearing, the VCTPL and VPT have made their submissions.

6.1. Based on the preliminary scrutiny of the Review Application dated 18 January 2018, the VCTPL was requested vide our letter dated 1 May 2018 to furnish additional information/ clarifications with reference to the one of

the points sought for review by the VCTPL to consider Foreign Exchange Loss of ₹1826.33 lakhs pertaining to the years 2014-15 and 2016-17. The VCTPL vide its letter dated 4 May 2018 has furnished its reply. A summary of the additional information/ clarifications sought by us and the information/ clarifications furnished by the VCTPL are tabulated below:

Sl. No.	Information/ clarifications sought by us	Reply furnished by VCTPL																																																																																																	
(i)	<p>At the time of proceedings relating to Order dated 14 November 2017, the VCTPL had furnished provisional Annual Accounts of the year 2016-17 stating that financial statements for 2016-17 are to be prepared under Indian Accounting Standard. The VCTPL, in the review application, has not furnished Audited Annual Accounts of the year 2016-17 though the year is already over. The VCTPL is, therefore, requested to furnish final audited Annual Accounts for the year 2016-17.</p>	<p>The Audited Annual Accounts for Financial year 2016-17 is furnished. [As per para 15 (iii) of Order dated 17 November 2017, since the figures considered in the past period analysis for the year 2016-17 was based on provisional accounts, the actual position for the year 2016-17 shall be review during the next tariff revision exercise.]</p>																																																																																																	
(ii)	<p>The Audited Annual Accounts for the years 2014-15 and 2015-16 and provisional Annual Accounts for the year 2016-17 report a net foreign exchange loss of ₹380.08 lakhs in the year 2014-15, ₹406.70 lakhs in the year 2015-16 and ₹0.60 lakhs in the year 2016-17. The VCTPL had, during the processing of its general revision proposal, furnished the breakup of the actual foreign exchange gain/ loss reported in the Annual Accounts/ provisional Annual Accounts which is brought out in para 16 (iv) (g) (i) of the said Order. Relevant part of the said table is brought out in subsequent sub para for ease of reference.</p> <p>The VCTPL had considered separate entry of foreign exchange loss of ₹1826.33 lakhs for the year 2016-17 in the cost statement in its general revision proposal and had stated that it pertains to actual loan payment of USD 18.37 million done in the years 2014-15 and 2016-17. The said figure considered by VCTPL was not found in audited Annual Accounts for the years 2014-15 to 2015-16 and in the provisional Annual Accounts of the year 2016-17 and hence not considered by the Authority for reasons recorded in para 16 (iv) (g) (ii) of the Order.</p> <p>The VCTPL has now sought review of this item. The VCTPL has furnished the following summary Table – B for forex loss incurred at the time discharge (payment) of the foreign currency loan and Table – C forex loss for additional hedge cost and has requested to reconsider forex loss of ₹1830.42 lakhs. [In the TAMP Order dated 14 November 2017 at para 16 (iv) (g) (ii) amount considered by VCTPL is ₹1826.33 lakhs.]:</p> <p>Table – B - Forex loss incurred at the time discharge of the foreign currency loan (Furnished by VCTPL):</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">Underlying assets</th> <th colspan="2">Foreign Currency Loan</th> <th colspan="3">Payment</th> <th>Forex Loss</th> </tr> <tr> <th>USD</th> <th>INR</th> <th>FY</th> <th>USD</th> <th>INR</th> <th>INR</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>RTGCs</td> <td>48,77,994</td> <td>24,13,65,130</td> <td>2014-15</td> <td>48,77,994</td> <td>286,874,833</td> <td>45,509,703</td> </tr> <tr> <td>Spreader</td> <td>3,42,750</td> <td>1,66,21,448</td> <td>2014-15</td> <td>3,42,750</td> <td>20,678,108</td> <td>4,056,659</td> </tr> <tr> <td>Sub-total for 2014-15 (A)</td> <td>52,20,744</td> <td>25,79,86,578</td> <td></td> <td>52,20,744</td> <td>30,75,52,941</td> <td>4,95,66,362</td> </tr> <tr> <td>RMQCs</td> <td>1,28,10,634</td> <td>71,00,39,650</td> <td>2016-17</td> <td>1,28,10,634</td> <td>831,153,948</td> <td>121,114,292</td> </tr> <tr> <td>RTGC Spares</td> <td>1,83,163</td> <td>98,54,395</td> <td>2016-17</td> <td>1,83,163</td> <td>12,227,019</td> <td>2,372,624</td> </tr> <tr> <td>RMQC Spares</td> <td>1,58,274</td> <td>84,47,093</td> <td>2016-17</td> <td>1,58,274</td> <td>10,268,829</td> <td>1,821,736</td> </tr> <tr> <td>Sub-total for 2016-17 (B)</td> <td>1,31,52,071</td> <td>72,83,41,138</td> <td></td> <td>1,31,52,071</td> <td>85,36,49,796</td> <td>12,53,08,652</td> </tr> <tr> <td>Total (A+B)</td> <td>18,372,815</td> <td>98,63,27,717</td> <td></td> <td>18,372,815</td> <td>116,12,02,737</td> <td>17,48,75,014</td> </tr> </tbody> </table> <p>Table – C - Apart from above, the additional hedge cost (restricting itself to only the exchange difference between hedge rate and payment rate):</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Hedge cost paid</th> <th>USD</th> <th>Settled rate</th> <th>Hedged rate</th> <th>Hedge cost</th> <th>Total Hedge cost</th> <th>Repayment date</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Ref Annexure 11D (RMQC Loan-1)</td> <td>9,300,000</td> <td>65.60</td> <td>64.88</td> <td>0.72</td> <td>6,696,000</td> <td>15.03.2017</td> </tr> <tr> <td>Ref Annexure 11E (RMQC Loan-2)</td> <td>1,072,000</td> <td>65.60</td> <td>64.88</td> <td>0.72</td> <td>771,840</td> <td>15.03.2017</td> </tr> <tr> <td>Ref Annexure 11F (RMQC Loan-3)</td> <td>2,438,634</td> <td>65.05</td> <td>64.88</td> <td>0.17</td> <td>414,568</td> <td>29.03.2017</td> </tr> </tbody> </table>	Underlying assets	Foreign Currency Loan		Payment			Forex Loss	USD	INR	FY	USD	INR	INR	RTGCs	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,833	45,509,703	Spreader	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,108	4,056,659	Sub-total for 2014-15 (A)	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,362	RMQCs	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,292	RTGC Spares	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624	RMQC Spares	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736	Sub-total for 2016-17 (B)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,652	Total (A+B)	18,372,815	98,63,27,717		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,014	Hedge cost paid	USD	Settled rate	Hedged rate	Hedge cost	Total Hedge cost	Repayment date	Ref Annexure 11D (RMQC Loan-1)	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000	15.03.2017	Ref Annexure 11E (RMQC Loan-2)	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840	15.03.2017	Ref Annexure 11F (RMQC Loan-3)	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568	29.03.2017	--
Underlying assets	Foreign Currency Loan		Payment			Forex Loss																																																																																													
	USD	INR	FY	USD	INR	INR																																																																																													
RTGCs	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,833	45,509,703																																																																																													
Spreader	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,108	4,056,659																																																																																													
Sub-total for 2014-15 (A)	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,362																																																																																													
RMQCs	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,292																																																																																													
RTGC Spares	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624																																																																																													
RMQC Spares	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736																																																																																													
Sub-total for 2016-17 (B)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,652																																																																																													
Total (A+B)	18,372,815	98,63,27,717		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,014																																																																																													
Hedge cost paid	USD	Settled rate	Hedged rate	Hedge cost	Total Hedge cost	Repayment date																																																																																													
Ref Annexure 11D (RMQC Loan-1)	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000	15.03.2017																																																																																													
Ref Annexure 11E (RMQC Loan-2)	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840	15.03.2017																																																																																													
Ref Annexure 11F (RMQC Loan-3)	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568	29.03.2017																																																																																													

		Ref Annexure 11J (RMQC Spares Loan)	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894	01.03.2017																																																																																																				
		Total Cost					81,67,301																																																																																																					
<p>(a) With reference to Table-B, since the repayment of foreign currency loan is reported to have been done in the years 2014-15 and 2016-17 as per documentary evidence furnished by the VCTPL, the VCTPL is requested to indicate as to under which head is the said forex loss of ₹4,95,66,362 for the year 2014-15 and ₹12,53,08,652 for the year 2016-17 on account of repayment of foreign currency loan in the said years captured in the Annual Accounts of 2014-15 and 2016-17 in the following break up of forex loss reported in the Audited Annual Accounts 2014-15 and Provisional Accounts of 2016-17 furnished by VCTPL during the last general revision:</p>																																																																																																												
(in ₹)																																																																																																												
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th rowspan="2">Sl. No.</th> <th rowspan="2">Particulars</th> <th colspan="3">Break up of Foreign exchange loss/ gain furnished by VCTPL duly matching with the figures reported in the Audited Accounts for the years 2014-15 and 2015-16 and Provisional Accounts for the year 2016-17</th> <th rowspan="2">FY 2014- 15 (Audited)</th> <th rowspan="2">FY 2015- 16 (Audited)</th> <th rowspan="2">FY 2016-17 (Provisional)</th> </tr> <tr> <th colspan="3"></th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td> <td>Management Fee</td> <td>42,109</td> <td>1,438</td> <td>15,444</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>2</td> <td>AMC - Navis LLC</td> <td>941</td> <td>(7,747)</td> <td>(1,076)</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>3</td> <td>Import of spares</td> <td>1,394</td> <td>193</td> <td>-</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>4</td> <td>Interest on BC's</td> <td>15,007</td> <td>-</td> <td>-</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>5</td> <td>Travelling and Other Exp.</td> <td>2,276</td> <td>2,332</td> <td>6,340</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>6</td> <td>Buyer's Credit (BC) FC Loan Restatement</td> <td>32,029,255</td> <td>30,907,372</td> <td>-</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>7</td> <td>FCNR Loan re-payment (Foreign exchange gain/ loss)</td> <td>(6,980)</td> <td>(4,013,002)</td> <td>-</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>8</td> <td>FCNR Loan Restatement</td> <td>5,938,467</td> <td>13,779,714</td> <td>-</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>9</td> <td>Bank Charges</td> <td>(13,727)</td> <td>294</td> <td>-</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>10</td> <td>Restatement of Forex liability</td> <td>-</td> <td>-</td> <td>39,312</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td></td> <td>Total Foreign exchange Loss / (Gain)</td> <td>38,008,742</td> <td>40,670,595</td> <td>60,020</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table>										Sl. No.	Particulars	Break up of Foreign exchange loss/ gain furnished by VCTPL duly matching with the figures reported in the Audited Accounts for the years 2014-15 and 2015-16 and Provisional Accounts for the year 2016-17			FY 2014- 15 (Audited)	FY 2015- 16 (Audited)	FY 2016-17 (Provisional)				1	Management Fee	42,109	1,438	15,444				2	AMC - Navis LLC	941	(7,747)	(1,076)				3	Import of spares	1,394	193	-				4	Interest on BC's	15,007	-	-				5	Travelling and Other Exp.	2,276	2,332	6,340				6	Buyer's Credit (BC) FC Loan Restatement	32,029,255	30,907,372	-				7	FCNR Loan re-payment (Foreign exchange gain/ loss)	(6,980)	(4,013,002)	-				8	FCNR Loan Restatement	5,938,467	13,779,714	-				9	Bank Charges	(13,727)	294	-				10	Restatement of Forex liability	-	-	39,312					Total Foreign exchange Loss / (Gain)	38,008,742	40,670,595	60,020			
Sl. No.	Particulars	Break up of Foreign exchange loss/ gain furnished by VCTPL duly matching with the figures reported in the Audited Accounts for the years 2014-15 and 2015-16 and Provisional Accounts for the year 2016-17			FY 2014- 15 (Audited)	FY 2015- 16 (Audited)	FY 2016-17 (Provisional)																																																																																																					
1	Management Fee	42,109	1,438	15,444																																																																																																								
2	AMC - Navis LLC	941	(7,747)	(1,076)																																																																																																								
3	Import of spares	1,394	193	-																																																																																																								
4	Interest on BC's	15,007	-	-																																																																																																								
5	Travelling and Other Exp.	2,276	2,332	6,340																																																																																																								
6	Buyer's Credit (BC) FC Loan Restatement	32,029,255	30,907,372	-																																																																																																								
7	FCNR Loan re-payment (Foreign exchange gain/ loss)	(6,980)	(4,013,002)	-																																																																																																								
8	FCNR Loan Restatement	5,938,467	13,779,714	-																																																																																																								
9	Bank Charges	(13,727)	294	-																																																																																																								
10	Restatement of Forex liability	-	-	39,312																																																																																																								
	Total Foreign exchange Loss / (Gain)	38,008,742	40,670,595	60,020																																																																																																								
<p>(b) Likewise, with regard to foreign exchange loss on account of additional Hedge cost given in Table-C of ₹81,67,301 for the year 2016-17, the VCTPL is requested to show under which head is the forex loss on account of additional Hedge cost captured in the Annual Accounts of the year 2016-17. Also, give a brief note on hedging cost for which forex loss is reported.</p>																																																																																																												
<p>(iii) In Table – A furnished by VCTPL in review application, under the heading “Payment of Buyers Credit loan”, additional forex loss of ₹308,978 (RTGC loan) and foreign exchange gain of ₹308,974 (spreader loan) are considered for the year 2014-15. Likewise, additional forex loss of ₹343,430 (RTGC spares loan) and ₹182,176 (RTGC spares loan) for the year 2016-17 are considered. The VCTPL to explain the basis for the said additional forex loss/ gain if could not be correlated with the documentary evidence furnished by VCTPL.</p>																																																																																																												
<p>(iv) Furnish the actual traffic handled by VCTPL for the year 2017-18 as the year is already over.</p>																																																																																																												
<p>The Traffic handled for the financial year 2017-18 is 3,88,289 TEUs.</p>																																																																																																												

6.2. The details furnished by VCTPL with reference to Foreign Exchange Loss pertaining to the years 2014-15 and 2016-17 are given below:

(i) For ease of reference, the VCTPL has furnished the following Table submitted by them earlier during its review application:

Underlying assets	Foreign Currency Loan		Payment			Forex Loss
	USD	INR	FY	USD	INR	INR
RTGCs	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,834	45,509,704
Spreader	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,107	4,056,659
Sub-total for 2014-15 (A)	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,363

RMQCs	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,298
RTGC Spares	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624
RMQC Spares	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736
Sub-total for 2016-17 (B)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,658
Total (A+B)	18,372,815	98,63,27,716		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,021

Each Asset-wise Loan liabilities and forex loss incurred with currency rate movement is now brought out by VCTPL in following Tables for better clarity and to show how it has been accounted in P&L and Balance sheet of each financial years.

A. Table showing the Foreign currency Loan availed, Forex loss restated YoY and final payment made for the Loan against Import of RTGCs.

FY	Particulars	USD	Ex Rate	INR	Loss/ (Gain)
2011-12	RTGCs Loan Liability-1	4,398,411	49.2250	216,511,767	
2012-13	RTGCs Loan Liability-2	479,583	51.8228	24,853,363	
		4,877,994		241,365,130	
2011-12	Restated on 31-3-2012		51.8521	228,066,832	11,555,065
2012-13	Restated on 31-3-2013		54.3550	265,143,370	12,223,175
2013-14	Restated on 31-3-2014		59.7580	291,499,172	26,355,802
2014-15	Payment done in 2014-15				
	16/05/2014	4,398,411	58.8100	258,670,534	
	16/05/2014	479,583	58.8100	28,204,300	
	Total payment for RTGC Loan	4,877,994		286,874,834	(4,624,338)
2011-12 to 2014-15	Total Forex Loss – RTGC (i) [₹241,365,130 less ₹286,874,834]				45,509,704

As can be referred in the above Table, the Foreign currency loan of USD 48,77,994 equivalent INR 24,13,65,130/- till 2012-13 had been restated at the end of each financial year. The restated forex loss was debited to P&L account and credited the same to the Loan liabilities in the Balance sheet at the end of respective financial year. The loan was settled in 2014-15 for ₹28,68,74,834/- resulting in total forex loss of ₹4,55,09,704/- (from the years 2011-12 to 2014-15 which includes restated forex loss till 2013-14) The forex losses are accounted on accrual basis in each financial year and not the entire loss booked at the time of making payment which is in accordance with the treatment to be followed as per the Indian Accounting Standard.

B. Table showing the Foreign currency Loan availed, Forex loss restated YoY and final payment made for the Loan against Import of Spreaders.

FY	Particulars	USD	Ex Rate	INR	Loss/ (Gain)
2011-12	Spreaders- Loan Liability-1	308,475	48.1213	14,844,218	
2011-12	Spreaders- Loan Liability-2	34,275	51.8521	1,777,231	
		342,750		16,621,448	
2011-12	Restated on 31-3-2012		51.8521	17,772,307	1,150,859
2012-13	Restated on 31-3-2013		54.3550	18,630,176	857,869
2013-14	Restated on 31-3-2014		59.7580	20,482,055	1,851,878
2014-15	Payment done in 2014-15				
	18/06/2014	308,475	60.3500	18,616,466	
	19/06/2014	34,275	60.1500	2,061,641	
	Total payment for Spreader Loan	342,750		20,678,107	196,053
2011-12 to 2014-15	Total Forex Loss – Spreaders (ii) [₹16,621,448 less ₹20,678,107]				4,056,659

As can be referred in the above Table, the Foreign currency loan of USD 3,42,750 equivalent INR 1,66,21,448/- till 2011-12 had been restated at the end of each financial year. The restated forex loss was debited to P&L account and credited the same to the Loan liabilities in the Balance sheet at the end of respective financial year. The loan was settled in 2014-15 for ₹2,06,78,107/- resulting in total forex loss of ₹40,56,659/- (from the years 2011-12 to 2014-15 which includes restated forex loss till 2013-14 and additional forex loss at the time of payment) The forex losses are accounted on accrual basis in each financial year and not the entire loss booked at the time of making payment which is in accordance with the treatment to be followed as per the Indian Accounting Standard.

Based on Table A and B above, the net forex loss for both the transactions paid in 2014-15 are consolidated in the following Table:

Sub-total for 2014-15 (A)	Total FC loan for RTGC & Spreaders	USD	INR	Loss/ (Gain)
	O/s at the time of settlement	5,220,744	257,986,578	
	Payment made	5,220,744	307,552,941	49,566,363
	Net Forex loss (i+ii) as per Table A and Table B			49,566,363

C. Table showing the Foreign currency Loan availed, Forex loss restated YoY and final payment made for the Loan against Import of RMCQs.

FY	Particulars	USD	Ex Rate	INR	Loss/ (Gain)
2012-13	RMQCs Loan Liability	12,810,634	55.4258	710,039,650	
2012-13	Restated on 31-3-2013		54.3550	696,322,023	(13,717,627)
2013-14	Restated on 31-3-2014		59.7580	765,537,880	69,215,857
2014-15	Restated on 31-3-2015		62.5300	801,048,958	35,511,078
2015-16	Restated on 31-3-2016		64.8800	831,153,948	30,104,990
2016-17	Payment done in 2016-17				
	15/03/2017	9,300,000	64.8800	603,384,000	
	15/03/2017	1,072,000	64.8800	69,551,360	
	29/03/2017	2,438,634	64.8800	158,218,588	
	Total payment for RMQC Loan	12,810,634		831,153,948	-
2012-13 to 2016-17	Total Forex Loss-RMQC (iii) [₹710,039,650 ₹831,153,948]				121,114,298

As can be referred in the above Table, the Foreign currency loan of USD 1,28,10,634 equivalent INR 71,00,39,650/- till 2012-13 had been restated at the end of each financial year. The restated forex loss was debited to P&L account and credited the same to the Loan liabilities in the Balance sheet at the end of respective financial year. The loan was settled in 2016-17 for ₹83,11,53,948/- resulting in total forex loss of ₹12,11,14,298/- (from the years 2012-13 to 2016-17 which includes restated forex loss till 2015-16 and additional forex loss at the time of payment) Since the Forex loss was hedged in 2015-16 at INR 64.88, there is no additional loss incurred at the time of making payment. The forex losses are accounted on accrual basis in each financial year and not the entire loss booked at the time of making payment which is in accordance with the treatment to be followed as per the Indian Accounting Standard.

D. Table showing the Foreign currency Loan availed, Forex loss restated YoY and final payment made for the Loan against Import of RTGCs Spares.

FY	Particulars	USD	Ex Rate	INR	Loss/ (Gain)
2012-13	RTGCs Spares Loan Liability	183,163	53.8014	9,854,395	
2012-13	Restated on 31-3-2013		54.3550	9,955,803	101,408
2013-14	Restated on 31-3-2014		59.7580	10,945,431	989,628
2014-15	Restated on 31-3-2015		62.5300	11,453,157	507,727
2015-16	Restated on 31-3-2016		64.8800	11,883,589	430,432
2016-17	Payment done in 2016-17				
	17/10/2016	183,163	66.7550	12,227,019	
	Total payment for RTGC Spares Loan	183,163		12,227,019	343,430
2012-13 to 2016-17	Total Forex Loss-RTGC Spares (iv) [₹9,854,395 less ₹12,227,019]				2,372,624

As can be referred in the above Table, the Foreign currency loan of USD 1,83,163 equivalent INR 98,54,395/- till 2012-13 had been restated at the end of each financial year. The restated forex loss was debited to P&L account and credited the same to the Loan liabilities in the Balance sheet at the end of respective financial year. The loan was settled in 2016-17 for ₹1,22,27,019/- resulting in total forex loss of ₹23,72,624/- (from the year 2012-13 to 2016-17 which includes restated forex loss till 2015-16 and additional forex loss at the time of payment) Since the Forex loan was hedged in 2015-16 at INR 64.88, additional loss of ₹3,43,430 incurred at the time of making payment was later adjusted back from the Hedge cost paid to Bank. The forex losses are accounted on accrual basis in each financial year and not the entire loss booked at the time of making payment which is in accordance with the treatment to be followed as per the Indian Accounting Standard.

E. Table showing the Foreign currency Loan availed, Forex loss restated YoY and final payment made for the Loan against Import of RTGCs Spares.

FY	Particulars	USD	Ex Rate	INR	Loss/ (Gain)
2012-13	RMQCs Spares Loan Liability	158,274	53.3700	8,447,093	
2012-13	Restated on 31-3-2013		54.3550	8,602,993	155,900
2013-14	Restated on 31-3-2014		59.7580	9,458,148	855,155
2014-15	Restated on 31-3-2015		62.5300	9,896,884	438,736
2015-16	Restated on 31-3-2016		64.8800	10,268,829	371,944
2016-17	Payment done in 2016-17				
	01/03/2017	158,274	64.8800	10,268,829	
	Total payment for RTGC Spares Loan	158,274		10,268,829	-
2012-13 to 2016-17	Total Forex Loss-RTGC Spares (v) [₹8,447,093 less ₹10,268,829]				1,821,736

As can be referred in the above Table, the Foreign currency loan of USD 1,58,274 equivalent INR 84,47,093/- till 2012-13 had been restated at the end of each financial year. The restated forex loss was debited to P&L account and credited the same to the Loan liabilities in the Balance sheet at the end of respective financial year. The loan was settled in 2016-17 for ₹1,02,68,829/- resulting in total forex loss of ₹18,21,736/- (from the year 2012-13 to 2016-17 which includes restated forex loss till 2015-16 and additional forex loss at the time of payment) Since the Forex loan was hedged in 2015-16 at INR 64.88, there is no Additional loss incurred at the time of making payment. The forex losses are accounted on accrual basis in each financial year and not the entire loss booked at the time of making payment which is in accordance with the treatment to be followed as per the Indian Accounting Standard.

Based on Table C, D and E above, the net forex loss for the transactions paid in 2016-17 are consolidated in the following Table:

Sub-total for 2016-17 (B)	Total FC loan for RMQC and Spares for RMQC and RTGCs	USD	INR	Loss/ (Gain)
	O/s at the time of settlement	13,152,071	728,341,138	
	Payment made	13,152,071	853,649,796	125,308,658
	Net Forex loss (iii+iv+v) as per Table C,D and E			125,308,658

The Financial Year-wise Forex loss/ (Gain) from 2011-12 to 2014-15 are part of the restatement Buyer's credit (BC FC Loan submitted to this Authority and appeared in the earlier Tariff Order of April 2016 and current Tariff Order of November 2017)

For ease of reference, VCTPL reproduced the Forex loss Table appearing in Tariff Order of April 2016 and current Tariff Order of November 2017 as follows:

Sl. No.	Particulars	FY 2011-12 (Audited)	FY 2012-13 (Audited)	FY 2013-14 (Audited)	FY 2014-15 (Audited)	FY 2015-16 (Audited)	FY 2016-17 (Provisional)
1	Management Fee	1,096	103,860	18,704	42,109	1,438	15,444
2	AMC-Navis LLC	6,823	(512,925)	27,762	941	(7,747)	(1,076)
3	Import of spares	290,298	34,536	82,424	1,394	193	--
4	Interest on BC's	9,362	59,559	37,205	15,007	--	--
5	Travelling and Other Exp.	3,470	(4,015)	305	2,276	2,332	6,340
6	Restatement- Management Fee	108,840	--	--			
7	Buyer's Credit (BC) FC Loan Restatement *	13,424,421	(1,097,782)	99,268,320	32,029,255	30,907,372	--
8	FCNR Loan repayment			--	(6,980)	(4,013,002)	--
9	FCNR Loan Restatement	--	(707,911)	--	5,938,467	13,779,714	--
10	Bank Charges				(13,727)	294	--
11	Restatement of Forex liability						39,312
12	FC-Cancellation	(11,436,110)	(5,100,677)				
	Total Loss/ (Gain)	2,408,200	(7,225,356)	99,434,720	38,008,742	40,670,595	60,020
	Amount not considered in earlier Orders in lakhs	2,097,151	(6,198,459)	99,268,320	37,982,729	44,687,087	39,312
	Actual loss/ (gain) allowed	311,049	(1,026,897)	166,400	26,013	(4,016,492)	20,708

* Highlighted BC FC Loan restated amounts were not considered in the earlier Tariff Orders:

From 2011-12 to 2013-14 (from previous Tariff cycle) : ₹11,15,94,959/-
2014-15 : ₹ 3,20,29,255/-
2015-16 : ₹ 3,09,07,372/-
2016-17 : ₹ -

Total Forex Loss : ₹17,45,31,586/-
=====

Consolidating the Table A,B,C,D and E:

FY	Forex Loss/ (Gain) booked to P&L	Loan Liabilities	Reference in BS
2011-12 to 2013-14	11,15,94,959	1,097,922,680	FY 2013-14, Note 5, Long term Liabilities (Acceptance from Banks-Secured) INR 80,64,23,509 + Note 10: Other current liabilities INR 29,14,99,171.
2014-15	3,20,29,255	822,398,994	FY 2014-15, Note 5, Long term Liabilities (Acceptance from Banks-Secured) INR 82,23,98,994.
2015-16	3,09,07,367	853,306,366	FY 2015-16, Note 5, Long term Liabilities (Acceptance from Banks-Secured) INR 87,24,15,010 Minus INR 1,91,08,644 to be paid by Bank since liabilities is hedged in 2015-16.
2016-17	3,43,430	--	FY 2016-17, Note 16, Borrowings (Acceptance from Banks-Secured) INR NIL. Additional Forex loss of INR 3,43,430 is adjusted to Hedge cost account.
Total	17,48,75,011	--	
Less: Adjusted to Hedge a/c	3,43,430		
Forex loss booked to P&L	17,45,31,581		

Since the FC loan o/s were hedged during the Financial year 2015-16 at INR 64.88 per USD and the same was restated as on 31-3-2016, no additional Forex loss booked at the time of making payment in 2016-17. However, the Hedge cost i.e. premium paid to Bank was a loss borne by VCT and the same was debited to Finance Cost in the P&L account of 2015-16 and 2016-17 on accrual basis.

(ii) **Brief Note on Hedging:**

To mitigate the highly volatile foreign currency fluctuations during 2015-16, the company had opted to hedge the outstanding foreign currency loan as on 19 October 2015. The Loan principal and interest payments were hedged @ ₹64.88 per USD for payment on the date its maturity. The company paid the Hedge cost towards premium and debited the same to its Finance cost in the respective financial years on accrual basis.

If the Loans were not hedged the actual foreign currency loss would have been as under:

Particulars	Loan o/s in USD	FC Loan payable at (INR per USD)	Hedged at (INR per USD)	Additional Forex loss received from Bank per USD	Cost recovered from Hedge cost paid (would have been actual Forex loss)
RMQC Loan-1	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000
RMQC Loan-2	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840
RMQC Loan-3	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568
Total for RMQC Loan	12,810,634				7,882,408
RMQC Spares Loan	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894
RTGC Spares Loan	183,163	66.76	64.88	1.88	343,430
USD currency Hedged	13,152,071				
Total cost recovered from Hedge cost paid to Bank, which would have been an actual Forex loss					8,510,731

Therefore, the VCTPL requested this Authority to consider the following:

Forex loss booked to P&L in its respective financial years	: ₹17,45,31,581/-
Recovery of part of Hedge cost paid	: ₹ 85,10,731/-

Total Forex Loss	: ₹18,30,42,313/-
	=====

7. The Lessor Port, the VPT was also requested vide our letter dated 3 May 2018 to furnish additional information on a few point by 10 May 2018, which was followed by reminder dated 21 May 2018. In response, the VPT vide its letter dated 28 May 2018 has furnished its reply. A summary of the additional information sought by us and the corresponding replies furnished by the VPT is tabulated below:

Sl. No.	Information sought by us	Reply furnished by VPT
(i)	The VCTPL has, vide its letter dated 21 February 2018, while furnishing its comments on the comments of VPT reiterated that due to stiff competition from neighboring ports, the traffic projections of VPT are very much on higher side and has again requested to re-consider volume and	The position in respect of container traffic projections as furnished vide VPT letter dated 3 February 2018 holds good. During the year 2017-18, 388,624 TEUs were

	<p>revenue projections as projected by VCTPL only. At the joint hearing held on 25 April 2018, the VCTPL has reported that as against traffic of 4.00 lakh TEUs estimated in the Tariff Order for the year 2017-18, VCTPL has handled 3,88,000 TEUs in actual terms. The VPT to confirm the actual traffic handled by VCTPL in the year 2017-18 as the year is already over. Further, VPT may review the traffic projections of the years 2018-19 and 2019-20 at 4,50,000 TEUs and 4,74,500 respectively based on actual traffic handled by VCTPL for the year 2017-18 which is now available.</p>	<p>handled at VPT as against the projected volume of 4 lakh TEUs. The variation as against the projected volume was less than 3% which is insignificant. Further, during the current financial year 33,262 TEUs were handled in April 2018 as against 28,656 TEUs handled during corresponding period of previous year i.e. April 2017 registering a growth of 16%. This would adequately justify the stand of VPT with regard to projected volumes.</p>
--	--	--

8.1. The reply furnished by VPT vide letter dated 28 May 2018 was forwarded to VCTPL vide our letter dated 15 June 2018 seeking their comments. The VCTPL was requested to consider to review the traffic projections for the years 2018-19 and 2019-20 based on the actual traffic handled by VCTPL for the year 2017-18 at 388,624 TEUs.

8.2. In this regard, the VCTPL vide its letter dated 21 June 2018 has highlighted the following points on the traffic projections provided by VPT:

- (i) The throughput handled by VCTPL during the year 2017-18 was 3,88,289 TEUs and not 3,88,624 TEUs mentioned by VPT. The overall container throughput handled at VCTPL registered a growth of 5.9% when compared to that in the year 2016-17.
- (ii) VPT had projected the container traffic as 4,50,000 TEUs and 4,74,500 TEUs respectively for the years 2018-19 and 2019-20. It may kindly be noted that the container throughput handled at VCTPL during April 2018 was 31080 TEUs as against 29826 TEUs during April 2017 i.e. 4% growth and not 16% increase as mentioned by VPT. VPT also had stated that basis 16% increase in container throughput during April 2018, the throughput projected by them is justified. In this regard, it has mentioned that –
 - (a) The actual growth of container traffic during April 2018 was only 4% as against April 2017.
 - (b) The contention by VPT to have growth of one month taken as a base for confirming projection for a year is not correct as this vary from month to month due to the cargo profile/ market conditions and will average on to the year.
- (iii) Considering the above, the revised traffic projected for the year 2018-19 and 2019-20 is 4,16,000 TEUs and 4,36,000 TEUs respectively basis the following market scenario:
 - (a) About 40% of the container traffic handled at VCTPL is originated from Orissa region. With new container handling facility already commencing operation in Paradip, VCTPL expects some good portion of cargo, especially from Kalinga Nagar – Jajpur belt, getting diverted through this port.
 - (b) Similarly, Kakinada port also is aggressively marketing for handling containers. There are good volume of cargo originated in the West Godavari region (Commodities like Rice, Frozen Shrimps, Paper, etc.) which are in proximity to this port and majority of them moving through VCTPL due to good vessel connectivity. Recently, there are regular weekly calls of container vessels in Kakinada Port and some part of the cargo are seen shifting to this port. This volume shift is expected to increase in the coming months.
- (iv) In view of the above facts, the traffic projections for the years 2018-19 and 2019-20 shall be considered as 4,16,000 and 4,36,000 TEUs respectively instead of 4,50,000 TEUs and 4,74,500 respectively projected for the years 2018-19 and 2019-20 by VPT.
- (v) With the revised traffic projection, the annual growth rate will be 6% in both these years and is in line with that prevailed during the last FY 2017-18.

8.3. Further, the VCTPL vide its letter dated 22 June 2018 and subsequent letter dated 04 July 2018 has furnished diesel bills for the month of June 2017, September 2017, December 2017, March 2018, April 2018, May 2018 and June 2018 and also submitted the following on the recent surge in fuel cost:

- (i) While filing the review application in January 2018, VCTPL had highlighted on the sharp increase in Fuel cost and 2% inflation considered in the Tariff Order of December 2017 fixed till 31.03.2020 will have a serious impact on its ROCE.

(ii) VCTPL had further represented during joint hearing held on 25 April 2018 on the hike in fuel price along with other matters. At the time of the joint hearing, the price of fuel was ₹68.51 per litre an increase of 17% over the cost then prevailing in March 2017. The current price is ₹75.13 per litre an increase of 28.43% over the cost prevailing in March 2017.

(iii) Fuel constitutes 10% of the overall operating cost and any exorbitant increase in fuel cost has an adverse impact.

(iv) A comparison of cost impact per TEU is presented in the following Table:

Particulars	March 2017	March 2018	April 2018	May 2018	June 2018
Cost per Litre	58.50	62.48	68.51	72.04	75.13
Consumption per TEU	2.25	2.42	2.42	2.42	2.42
Cost per TEU in ₹	132	151	166	174	182
Increase in cost per TEU in ₹		20	34	43	50

(v) As per current fuel price, the impact on cost is ₹50 per TEU.

(vi) Therefore, VCTPL has requested to take into consideration of fuel inflation of 28.43% in its Tariff Review Application.

(vii) The VCTPL has furnished a statement showing month wise fuel cost for the period April 2017 to March 2018 for the year 2017-18 and also for month of April 2018 to June 2018 for the year 2018-19. The VCTPL has also furnished copies of fuel bills to support figures. The statement of fuel cost furnished by VCTPL for is tabulated below:

(a) For the financial year 2017-18:

Month	Qty.	Amount	Average cost per litre
April 2017	72000	4,348,513	60.40
May 2017	72000	4,339,183	60.27
June 2017	72000	4,298,700	59.70
July 2017	96000	5,609,893	58.44
August 2017	84000	5,061,298	60.25
Sep 2017	84000	5,161,910	61.45
October 2017	72000	4,410,618	61.26
November 2017	72000	4,489,427	62.35
December 2017	72000	4,606,764	63.98
January 2018	84000	5,493,201	65.40
February 2018	72000	4,824,521	67.01
March 2018	92000	6,025,148	65.49
Total	944000	58,669,176	62.17

(b) For the financial year 2018-19:

Month	Qty.	Amount	Average cost per litre
April 2018	96000	6,522,926	67.95
May 2018	108000	7,744,914	71.71
June 2018	132000	9,794,591	74.20
Total	336000	24,062,431	71.29

9. To summarise, the VCTPL in its review application filed vide its letter dated 18 January 2018 and subsequent communication submitted during the processing of the case has submitted the following points for review of the Order dated 14 November 2017:

(i) Consider total forex loss of INR 18,30,42,316 incurred at the time of repayment of the foreign currency loan in the year 2014-15 and 2016-17 which was disallowed by the Authority in last tariff revision Order dated 14 November 2017.

- (ii) Consider the actual traffic for the year 2017-18 at 3,88,289 TEUs and the traffic projections for the years 2018-19 and 2019-20 at 4,16,000 TEUs and 4,36,000 TEUs respectively projected by VCTPL as against 4,00,000 TEUs, 4,50,000 TEUs and 4,74,500 TEUs respectively considered by the Authority for the corresponding period in the tariff fixation of VCTPL based on the traffic projections furnished by VPT
- (iii) Escalation of 2% per annum towards Employee cost, Power cost, Fuel cost is very low. Consider all the cost items based on the actual inflation as estimated by VCTPL. Consider fuel cost escalation at 28.43%.

10. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the comments received and arguments made by the concerned parties will be sent separately to the relevant parties. These details will also be made available at our website <http://tariffauthority.gov.in>.

11. A summary of the points made by the VCTPL in the review application, relevant extract from the tariff Order dated 14 November 2017 and our analysis thereon are dealt herein below in seriatim.

- (i) **Consider total forex loss of INR 18,30,42,316 incurred at the time of repayment of the foreign currency loan in the year 2014-15 and 2016-17 which was disallowed by the Authority in last tariff revision Order dated 14 November 2017**
 - (a) **Submissions made by VCTPL**
 - (i) VCTPL had obtained Foreign Currency Loan by way of availing Buyers credit for a period of 5 years of USD 18,372,815 (Equivalent ₹98,63,27,717) for payment of Fixed Assets purchased during 2011-12 and 2012-13.
 - (ii) As per Accounting Standard (AS) 11, the outstanding foreign currency liabilities are to be translated at the exchange rate prevailing as on 31 March of the relevant financial year and shown in the books of accounts. The VCTPL has restated the loan liability following the AS11 at the end of the each financial year.
 - (iii) The Authority vide Order No.TAMP/31/2015-VCTPL dated 28 April 2016 had disallowed the translated forex loss in the concerned previous year and again in the current Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 12 December 2017 in which the actual loss incurred was claimed stating that the actual loss is not found in audited Annual Accounts for the years 2014-15 to 2015-16 and in the provisional Annual Accounts of the year 2016-17.
 - (iv) The details of Foreign exchange loan taken by VCTPL for procurement of equipments, its equivalent Indian rupee, restated value of loan at the end of each financial year, actual loan repayment and Foreign exchange loss at the time of repayment is furnished.
 - (v) The Summary of total Forex loss incurred at the time discharge of the foreign currency loan is ₹17,48,75,014. Apart from this, the VCTPL had done hedging of part of its foreign currency loan during 2015-16 at ₹64.88 per USD. The VCTPL has, therefore, sought to consider the additional hedge cost of ₹81,67,302 (restricting itself to only the exchange difference between hedge rate and payment rate)
 - (vi) In short, the VCTPL has requested the Authority to consider the total forex loss of ₹18,30,42,316 (i.e. ₹17,48,75,014 + ₹81,67,302) incurred at the time of repayment of the foreign currency loan to be eligible for the Tariff hike.
 - (b) **Relevant extract of Para no.16 (iv)(g)(i) and (ii) in the Order no.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017:**
 - “(i) *The Annual Accounts of the VCTPL reports net foreign exchange loss of ₹380.08 lakhs, ₹406.70 lakhs and ₹0.60 lakhs in the years 2014-15 to 2016-17 respectively.*

The VCTPL has furnished the breakup of the actual foreign exchange gain/ loss reported in the Annual Accounts.

In tariff Order March 2015 as well as review Order No.TAMP/31/2015-VCTPL dated 30 March 2016 foreign exchange gain/ loss arising on account of actual transaction and for actual payment are captured in the cost statement for the purpose of tariff determination process. Foreign exchange gain or loss arising on account of restatement of loan/ assets/ expenses are not considered while determining the tariff. The same approach is followed while analysing the actuals for the years 2014-15 to 2016-17.

Of the net foreign exchange loss reported in the Annual Accounts, the VCTPL has excluded ₹379.61 lakhs (i.e. ₹380.29 lakhs foreign exchange loss less ₹20.71 lakhs foreign exchange gain), ₹406.74 lakhs (i.e. ₹446.91 lakhs foreign exchange loss less ₹40.20 lakhs foreign exchange gain) and nil for the years 2014-15, 2015-16 and 2016-17 respectively towards net foreign exchange loss on account of restatement of Buyer's Credit (BC), FC Loan Restatement, Foreign Currency Non Repatriable (FCNR) Loan Restatement, interest on BCs, etc. The details of the net foreign exchange loss furnished by VCTPL matching with the figures reported in the Accounts and the net foreign exchange loss/ gain admissible to the extent it is on account of restatement is tabulated below:

Sl. No.	Particulars	(in ₹)					
		Break up of Foreign exchange loss/ gain furnished by VCTPL duly matching with the figures reported in the Audited Accounts for the years 2014-15 and 2015-16 and Provisional Accounts for the year 2016-17			Net Foreign Exchange loss on account of repayment admitted as expense		
		FY 2014-15 (Audited)	FY 2015-16 (Audited)	FY 2016-17 (Provisional)	FY 2014-15 (Audited)	FY 2015-16 (Audited)	FY 2016-17 (Provisional)
1	<i>Management Fee</i>	42,109	1,438	15,444	42,109	1,438	15,444
2	<i>AMC - Navis LLC</i>	941	(7,747)	(1,076)	941	(7,747)	(1,076)
3	<i>Import of spares</i>	1,394	193	-	1,394	193	-
4	<i>Interest on BC's</i>	15,007	-	-	-	-	-
5	<i>Travelling and Other Exp.</i>	2,276	2,332	6,340	2,276	2,332	6,340
6	<i>Buyer's Credit (BC) FC Loan Restatement</i>	32,029,255	30,907,372	-	-	-	-
7	<i>FCNR Loan re-payment (Foreign exchange gain/ loss)</i>	(6,980)	(4,013,002)	-	(6,980)	(4,013,002)	-
8	<i>FCNR Loan Restatement</i>	5,938,467	13,779,714	-	-	-	-
9	<i>Bank Charges</i>	(13,727)	294	-	(13,727)	294	-
10	<i>Restatement of Forex liability</i>	-	-	39,312	-	-	-
	Total Foreign exchange Loss / (Gain)	38,008,742	40,670,595	60,020	26,013	(4,016,492)	20,708

From the details furnished by VCTPL, net foreign exchange loss reported on account of restatement of buyers credit, FCNR Loan Restatement and Restatement of Forex liability, to the tune of ₹379.82 lakhs, ₹446.87 lakhs and ₹39.31 lakhs for the years 2014-15 to 2016-17 respectively which are excluded as tabulated below for ease of reference:

Particulars	2014-15	2015-16	2016-17
<i>Buyer's Credit (BC) FC Loan Restatement</i>	32,029,255	30,907,372	-
<i>Restatement of Forex liability</i>	-	-	39,312
<i>Interest on BC's</i>	15,007	-	-
<i>FCNR Loan Restatement</i>	5,938,467	13,779,714	-
Total	37,982,729	44,687,087	39,312

(ii) *Further, for the year 2016-17, the VCTPL has considered separate entry of foreign exchange loss of ₹1826.33 lakhs in the cost statement. The VCTPL has stated that actual Loan payment of USD 18.37 million has been done in 2014-15 and 2016-17. The said figure considered by VCTPL is not found in audited Annual Accounts for the years 2014-15 to 2015-16 and in the provisional Annual Accounts of the year 2016-17. The figures reported in the Audited Accounts for the years 2014-15 to 2015-16 and provisional accounts for the year 2016-17 and foreign exchange gain/ loss arising on account of repayment as explained earlier and brought in the above table based on the break up furnished by VCTPL are considered in this analysis."*

(c) Analysis:

(i) The VCTPL during the proceedings relating to its general revision of SOR proposal which was disposed of by this Authority vide Order dated 14 November 2017, had furnished the breakup of the actual foreign exchange gain/ loss reported in the Annual Accounts for the years 2014-15 and 2015-16 and provisional Annual Accounts for the year 2016-17 which is brought out in para 16 (iv) (g) (i) of the said Order. Relevant part of the said table is brought out in preceding para and hence not reproduced here.

The VCTPL had then considered separate entry of foreign exchange loss of ₹1826.33 lakhs for the year 2016-17 in the cost statement of its general revision proposal and had stated that it pertains to actual loan payment of USD 18.37 million done in the years 2014-15 and 2016-17. The said figure considered by VCTPL was not found in audited Annual Accounts for the years 2014-15 to 2015-16 and in the provisional Annual Accounts of the year 2016-17 and hence not considered by this Authority for reasons recorded in para 16 (iv) (g) (ii) of the Order.

(ii) The VCTPL has now sought review of this item. There are following two components under this item for which review is sought:

(a) Foreign exchange loss on account of exchange variation at the time of actual repayment of foreign loan to the tune of ₹1,748.75 lakhs; and
 (b) Hedging cost of ₹81.67 lakhs

(iii) As regards (a) above relating to the foreign exchange loss of ₹1826.33 lakhs for the year 2016-17 disallowed by this Authority for reasons stated in para 16 (iv) (g) (ii) of the Order, VCTPL has sought review of this item, citing that the repayment of foreign currency loan was done by VCTPL in the years 2014-15 and 2016-17 and has furnished documentary evidence in support of payment done by it. Since no entry relating to loss on account of repayment of loan is reflected in Audited Annual Accounts in the years 2014-15 to 2016-17, the VCTPL was requested to indicate under which head the said forex loss of ₹4,95,66,362 for the year 2014-15 and ₹12,53,08,652 for the year 2016-17 on account of repayment of foreign currency loan gets captured in the Annual Accounts of the years 2014-15 and 2016-17.

The VCTPL has now clarified and exhibited that it has been accounted in Profit and Loss Account and Balance sheet of each financial year under the Schedule “Note 5, Long-Term Borrowings (a) Acceptances from Bank” and “Note 10 Other Current Liabilities”. The VCTPL has also furnished statement showing each asset-wise foreign exchange loan taken by VCTPL, its restated value, foreign loan repayment and foreign exchange loss at the time of repayment of loan on account of foreign currency movement.

The foreign loan has been restated at the end of each financial year to meet the accounting standard. The VCTPL has clarified that forex losses are accounted on accrual basis in each financial year and not the entire loss booked at the time of making payment which is in accordance with the treatment to be followed as per the Indian Accounting Standard.

To summarize, the VCTPL has reinstated the foreign currency loan at the end of each financial year capturing the foreign exchange variation. Hence, in the year of repayment of loan, there is no entry towards foreign exchange loss as the loan was already reinstated in their Audited Annual Accounts.

The VCTPL has given working for each of the forex loan, their reinstated value of each of the financial year, repayment done and actual foreign exchange loss in the year of repayment in comparison to the foreign exchange rate prevailing at the time of VCTPL availing the loan. Each repayment of loan by VCTPL is substantiated with documentary evidence.

A summary position showing foreign currency loan taken by VCTPL for procurement of equipments and actual payment done and Forex loss incurred at the time discharge of the foreign currency loan is tabulated below:

Underlying assets	Foreign Currency Loan		Payment			Forex Loss
	USD	INR	FY	USD	INR	INR
RTGCs	48,77,994	24,13,65,130	2014-15	48,77,994	286,874,834	45,509,704
Spreader	3,42,750	1,66,21,448	2014-15	3,42,750	20,678,107	4,056,659
Sub-total for 2014-15 (A)	52,20,744	25,79,86,578		52,20,744	30,75,52,941	4,95,66,363
RMQCs	1,28,10,634	71,00,39,650	2016-17	1,28,10,634	831,153,948	121,114,298
RTGC Spares	1,83,163	98,54,395	2016-17	1,83,163	12,227,019	2,372,624
RMQC Spares	1,58,274	84,47,093	2016-17	1,58,274	10,268,829	1,821,736
Sub-total for 2016-17 (B)	1,31,52,071	72,83,41,138		1,31,52,071	85,36,49,796	12,53,08,658
Total (A+B)	18,372,815	98,63,27,716		18,372,815	116,12,02,737	17,48,75,021

The detailed calculation of foreign exchange loss as given VCTPL in respect of RTGCs loan I and II i.e. first two items of previous table as brought out by VCTPL is reproduced hereunder for ease of understanding:

FY	Particulars	USD	Ex Rate	INR	Loss/ (Gain)
2011-12	RTGCs Loan Liability-1	4,398,411	49.2250	216,511,767	
2012-13	RTGCs Loan Liability-2	479,583	51.8228	24,853,363	
		4,877,994		241,365,130	
2011-12	Restated on 31-3-2012		51.8521	228,066,832	11,555,065
2012-13	Restated on 31-3-2013		54.3550	265,143,370	12,223,175
2013-14	Restated on 31-3-2014		59.7580	291,499,172	26,355,802
2014-15	Payment done in 2014-15				
	16/05/2014	4,398,411	58.8100	258,670,534	
	16/05/2014	479,583	58.8100	28,204,300	
	Total payment for RTGC Loan	4,877,994		286,874,834	(4,624,338)
2011-12 to 2014-15	Total Forex Loss – RTGC (i) [₹241,365,130 less ₹286,874,834]				45,509,704

As can be seen in the above table, the total Foreign currency loan (loan I and II) taken in the year 2011-12 and 2012-13 towards purchase of RTGCs of USD 48,77,994 was equivalent to ₹24,13,65,130/- . The said loan has been restated by VCTPL in the year 2012-13 and 2013-14 to comply with the AS 11 and restated loan amount as on 31 March 2014 is ₹29,14,99,172. The restated forex loss was debited to Profit and Loss Account and credited the same to the Loan liabilities in the Balance sheet at the end of respective financial years. The foreign exchange loss on account of reinstatement was not admitted in tariff fixation Order of November 2017 in line with general approach followed by this Authority in other cases as well. The said loan was repaid by VCTPL in the year 2014-15 in equivalent INR28,68,74,834/- resulting in total forex loss of ₹4,55,09,704/- [Equivalent of foreign Loan taken in the year 2011-12 in Indian Rupee i.e. ₹241,365,130 less foreign loan repayment in the year 2014-15 in Indian Rupee terms ₹286,874,834]. The VCTPL has furnished similar calculation for foreign exchange loss in respect of each foreign loan taken for purchase of spreader, RMQCs, RTGCs spares by VCTPL which is brought out in the earlier paragraphs and hence not reproduced for sake of brevity.

The VCTPL has clarified that the Forex loss of ₹4,95,66,363 for the year 2014-15 [₹45,509,703 for RTGCs + ₹40,56,659 for Spreader] and ₹12,53,08,653 for the year 2016-17 [₹12,11,14,292 for RMQCs + ₹23,72,624 for RTGC spares + ₹18,21,732 for RMQC spares] aggregating to ₹17,48,75,021 is pertaining to forex loss starting from the date of availing the relevant foreign currency loan till the date of payment. The forex losses are accounted on accrual basis i.e. reinstated in each financial year, and not the entire loss is booked at the time of making payment. This is to comply with the treatment to be followed as per the Indian AS 11. Hence, forex loss in the year of payment does not get reflected in the year of payment. The above clarification now furnished by VCTPL was not provided during the proceedings relating to the November 2017 Order. Hence, there is merit in the review sought by the VCTPL to admit the foreign exchange loss on repayment which was not considered by this Authority in November 2017 Order.

In view of submissions now made by the VCTPL and based on the documentary support furnished by VCTPL in respect of actual repayment of foreign exchange loan, the foreign exchange loss arising on account of variation in foreign exchange at the time of repayment of the foreign loan at ₹4,95.66 lakhs in the year 2014-15 and ₹12,53.09 lakhs in the year 2016-17 is considered in the past period statement for the years 2014-15 to 2016-17 under Annex – I i.e. the cost statement for the past period attached to the November 2017 Order.

(iv) With regard to Hedge cost, in order to mitigate the high volatile foreign currency fluctuations during 2015-16, the VCTPL has opted to hedge the outstanding foreign currency loan as on 19 October 2015. The Loan principal and interest payments were hedged at 1 USD = ₹64.88 for payment on the date of its maturity. The VCTPL has paid the Hedge cost towards premium and debited the same to its Finance cost in the respective financial years on accrual basis. The VCTPL has furnished following with reference to hedge cost:

Particulars	Loan o/s in USD	FC Loan payable at (INR per USD)	Hedged at (INR per USD)	Additional Forex loss received from Bank per USD	Cost recovered from Hedge cost paid (would have been actual Forex loss)
RMQC Loan-1	9,300,000	65.60	64.88	0.72	6,696,000
RMQC Loan-2	1,072,000	65.60	64.88	0.72	771,840
RMQC Loan-3	2,438,634	65.05	64.88	0.17	414,568
Total for RMQC Loan	12,810,634				7,882,408
RMQC Spares Loan	158,274	66.68	64.88	1.80	284,894
RTGC Spares Loan	183,163	66.76	64.88	1.88	343,430
USD currency Hedged	13,152,071				
Total cost recovered from Hedge cost paid to Bank, which would have been an actual Forex loss					8,510,731

The VCTPL has requested to consider hedge cost stating that if the loans were not hedged the actual foreign currency loss would have been of ₹85.11 lakhs for the year 2015-16.

In this context, it is to state that under the Table C at para 6.2 in the preceding paragraphs, it is seen that for total RMQC loan of USD 12,810,634, the repayment done by VCTPL in the year 2016-17 is done at 1US\$=₹64.88 and foreign exchange loss on account of variation in the foreign exchange from the date of availing of loan till the date of repayment at ₹121,114,298 has been sought by VCTPL which is already being considered based on submissions made by VCTPL on the previous item of review. As regards hedge cost claimed by VCTPL, the VCTPL has claimed that if loan were not hedged they would have paid loan at 1 USD = ₹65.60 to ₹66.76 instead of ₹64.88. Actual loss on account of forex loss on repayment of loan is already considered. Hedge cost of ₹85.11 lakhs sought by VCTPL is not the actual foreign exchange loss on account of repayment. It appears to be a notional loss. Hence, this item is not considered.

(v) (a) Consequent to above analysis, the cost statement for the past period 2014-15 to 2016-17 attached as Annex-I to the Order dated 14 November 2017 is modified considering impact of foreign exchange loss arising on account of repayment of foreign loan at ₹495.66 lakhs in the year 2014-15 and ₹1253.09 lakhs in the year 2016-17 aggregating to ₹1748.75 lakhs. The modified cost statement for the past period is attached as **Annex - I**.

(b) A summary of the comparison of the actuals vis-à-vis the estimates considered in the last tariff Order vis-à-vis the summary of the same as per the **Annex - I** i.e. modified cost statement for the past period 2014-15 to 2016-17 is tabulated below:

A. As given in para 16 (x) of the Order dated November 2017:

Particulars	Aggregate for the 2014-15 to 2016-17 in absolute terms (₹ in lakhs)	(₹ in lakhs)
		Variation in %

	Estimates as per tariff Order	Actuals	
Traffic (in TEUs)	8,57,639	9,06,467	5.7%
Operating Income	27,669.61 *	33,550.17	21.3%
Total Expenses	23,419.92	22103.47	-5.7%
Surplus/ deficit before Return	4,227.89	11,446.70	170.7%
Capital Employed (Average)	13,943.50	10,380.37	-25.6%
16% Return on Capital Employed for the three years 2014-15 to 2016-17	6,692.88	4,982.58	-25.6%
Net Surplus after ROCE	(-) 2,464.99	6,464.13	

* The operating income estimates are updated to reflect the effect of tariff increase granted in tariff Order of March 2015 and March 2016.

B. Modified cost statement for the past period consequent to review of foreign exchange loss on account of repayment:

(₹ in lakhs)

Particulars	Aggregate for the 2014-15 to 2016-17 in absolute terms (₹ in lakhs)		Variation in %
	Estimates as per tariff Order	Actuals	
Traffic (in TEUs)	8,57,639	9,06,467	5.7%
Operating Income	27,669.61 *	33,550.17	21.3%
Total Expenses	23,419.92	23852.22	1.9%
Surplus/ deficit before Return	4,227.89	9,697.95	129.4%
Capital Employed (Average)	13,943.50	10,380.37	-25.6%
16% Return on Capital Employed for the three years 2014-15 to 2016-17	6,692.88	4,982.58	-25.6%
Net Surplus after ROCE	(-) 2,464.99	4,715.37	

* The operating income estimates are updated to reflect the effect of tariff increase granted in tariff Order of March 2015 and March 2016.

(vi) (a) The findings of the analysis with reference to the past period relating to the years 2014-15 to 2016-17 as done in the tariff Order of November 2017 is updated considering impact of foreign exchange loss arising on account of repayment. Apart from this, no other modification is done in the past period analysis relating to the years 2014-15 to 2016-17.

(b) Consequent to above modification, on the expenditure side, the actual aggregate expenditure for the three years is ₹238.52 crores as against the estimated expenditure of ₹234.20 crores in the last Order for the corresponding period. The total actual expenditure thus shows positive variance of 1.9% in comparison to the expenditure estimated in the last tariff Order as against negative variation of 5.7% in the November 2017 Order.

(c) As per the modified cost statement for the past period prepared by us, the VCTPL has earned surplus of ₹1,829.31 lakhs, ₹2,476.07 lakhs and ₹5,392.57 lakhs before return which aggregates to average surplus of ₹3,232.65 lakhs for the years 2014-15 to 2016-17. The average return earned on the average capital employed thus works out to 31.1%, as shown in the following table:

Particulars	2014-15	2015-16	2016-17	Average
Actual Surplus before return earned by VCTPL	1,829.31	2,476.07	5,392.57	3,232.65
Actual Capital Employed	10,852.24	10,773.30	9,515.58	10,380.37
Actual Return earned on capital employed	16.86%	22.98%	56.67%	31.1%

(d) As explained in detail in November 2017 Order, as per clause 2.13 of the tariff guidelines, if review of actual physical and financial performance for the previous tariff cycle shows the variation of more than + or - 20%, then 50% of such accrued benefit / loss has to be adjusted in the next tariff cycle. As per the opinion of AG also as conveyed by the MOS, variation in both

physical and financial parameters should be taken into account for the purpose of clause 2.13. Further, as per the opinion of the AG, if the variation in both the physical and financial parameters is more than 20%, then 20% of the surplus is to be allowed to be retained by the operator. It is only the surplus over and above the 20% that shall be shared equally i.e. 50:50 between the operator and the users. In nutshell, 60% of additional surplus is allowed to be retained with the operator and 40% additional is to be shared with users by considering adjustment in future tariff.

It can be seen from the above analysis that the variation in the physical parameter i.e., actual traffic handled is less than 20% i.e. 6% positive and financial performance in terms of return on capital employed is positive and the same is more than 20% i.e. 31.1%. Further, as per the above table, the VCTPL has earned average return of 31.1% on the capital employed as against 16% return allowed in the last tariff Order. In the last tariff Order, the past period analysis reflected average return of 36.8% which has reduced to 31.1% in view of modification in the cost statement as stated in the earlier paragraphs. Thus, though there is positive variation in financial parameters, the variation in both physical and financial parameters does not exceed 20%. Hence, there is no case for adjustment of past period surplus of VCTPL operations while arriving at the tariff for the tariff cycle 2017-18 to 2019-20 following the opinion of the AG on the interpretation of clause 2.13 of the Tariff Guidelines of 2005.

(ii) **Consider the actual traffic for the year 2017-18 at 3,88,289 TEUs and the traffic projections for the years 2018-19 and 2019-20 at 4,16,000 TEUs and 4,36,000 TEUs respectively projected by VCTPL as against 4,00,000 TEUs, 4,50,000 TEUs and 4,74,500 TEUs respectively considered by this Authority:**

(a) **Submissions made by VCTPL:**

- (i) The VCTPL had projected traffic for the years 2017-18 to 2019-20 at 369000 TEUs, 384000 TEUs and 400000 TEUs respectively. This has been considered at increased the traffic projections at 4,00,000 TEUs, 4,50,000 TEUs and 4,74,500 TEUs for the years 2017-18 to 2019-20 based on the traffic projections furnished by VPT which was based on projections by the consultant M.C. Kinsey and AECOM to IPA. Consequently, the estimated revenue was revised upwards to the tune of ₹53.97 crores.
- (ii) The traffic estimates by VCTPL and that considered by the Authority in Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017 are given below:

Particulars	2017-18	2018-19	2019-20	Total (TEUs)
VCTPL proposal	3,69,000	3,84,000	4,00,000	11,53,000
TAMP approval	4,00,000	4,50,000	4,74,500	13,24,500
Increase in Revenue	9.76 crores	20.77 crores	23.44 crores	53.97 crores

- (iii) In this regard it is to state that the report submitted by consortium of M.C. Kinsey and AECOM to IPA is of 2014, when establishment of neighbouring ports – Kakinada, Paradip and Dhamara had apparently not been envisaged. The traffic projections made by VPT does not consider competition from Dhamra, Kakinada Ports and Paradip port. Paradip and Dhamra Port started functioning from the year 2018-19 and will start attracting more cargo of Vizag port by 2019-20. The scenario now is completely different and therefore, it is requested to reconsider traffic volume and revenue projections. The volume which VCTPL may not be able to handle and projecting the income for the same would affect three years tariff cycle. This will consequently affect the ROCE and cashflow of the VCTPL.
- (iv) The VCTPL during the processing of this review application has reported the actual throughput handled by it during the year 2017-18 at 3,88,289 TEUs as against 4.00 lakh TEU considered by the Authority for the year 2017-18. The overall container throughput handled at VCTPL registered a growth of 5.9% when compared to 366683 TEUs in the year 2016-17. The container throughput handled at VCTPL

during April 2018 is 31080 TEUs as against 29826 TEUs during April 2017 i.e. the actual growth of container traffic during April 2018 is only 4% over actual container traffic handled in April 2017.

The contention by VPT to have growth of one month taken as a base for confirming projection for a year is not correct as this may vary from month to month due to the cargo profile/ market conditions and will average on to the year.

(v) Based on the actual traffic handled at VCTPL at 3,88,289 TEUs in the year 2017-18, the VCTPL has furnished revised traffic projection for the years 2018-19 and 2019-20 at 4,16,000 TEUs and 4,36,000 TEUs respectively as against 3,84,000 TEUs and 4,00,000 TEUs projected by it during the last traffic revision. The VCTPL has furnished following justification in support of the revised traffic projections based on market scenario:

(a) About 40% of the container traffic handled at VCTPL is originated from Orissa region. With new container handling facility already commencing operation in Paradip, some good portion of cargo, especially from Kalinga Nagar – Jajpur belt, is expected to get diverted from VCTPL to these ports.

(b) Similarly, Kakinada port also is aggressively marketing for handling containers. There are good volume of cargo originated in the West Godavari region (Commodities like Rice, Frozen Shrimps, Paper, etc.) which are in proximity to this port and majority of them are moving through VCTPL due to good vessel connectivity. Recently, few regular weekly calls of container vessels are seen shifting to this port. This volume shift is expected to increase in the coming months.

(b) Relevant extract of Para no.16 (xii) in the Order no.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017:

“As per clause 3.1.8. of the tariff guidelines of 2005, the normal tariff validity cycle is for a period of three years and hence the analysis of estimates in respect of VCTPL is done for a three years period i.e. 2017-18 to 2019-20. The actual throughput handled by VCTPL is 3,66,683 TEUs in the year 2016-17. As against that the traffic estimated by VCTPL for the years 2017-18 to 2019-20 is 3,69,000 TEUs, 3,84,000 TEUs and 4,00,000 TEUs respectively.

The growth projected in traffic is 0.63%, 4.07% and 4.17% for the years 2017-18 to 2019-20 respectively over the actuals/ estimates of the respective previous years and the average growth rate comes to 2.95%. The VCTPL has stated that traffic has been forecasted taking into consideration the available traffic in and around Visakhapatnam, competition from the neighboring ports, depreciation in Dollar value and moderate economic growth in coming year and vast capacity being created in the East Coast. The VCTPL has also stated that Vessel related charges have gone up drastically which has affected the shipping lines.

When the VPT was requested to express its views on the reasonableness of the traffic projection made by the VCTPL, the VPT has stated that Indian Port Association (IPA) has appointed a consortium of M.C. Kinsey and AECOM as a Consultant to prepare the national perspective plan as part of Sagarmala programme. The VPT has stated that origin – Destination of key cargo in Indian ports have been mapped by the Consultant to develop traffic scenarios for a period of next 20 years. Based on the Report of the Consultant engaged by IPA, the VPT has stated that container projection at VCTPL for the years 2017-18, 2018-19 and 2019-20 works out to 4.00, 4.50 and 4.90 lakh TEUs as against the estimates of VCTPL at 369000 TEUs, 384000 TEUs and 400000 TEUs respectively for the corresponding period.

Thus, in short, the VPT has not accepted the traffic projections of the VCTPL. It is relevant here to state that the actual traffic growth achieved by VCTPL in the years 2014-15 to 2016-17 is -5%, 18% and 26% which works out to average growth of 13% per annum. If 13% growth per annum as achieved by VCTPL in the past period is considered over the actual traffic of the 2016-17, the traffic estimates works out to 414352 TEUs, 468218 TEUs and 529083 TEUs. The traffic growth projected by VPT is 8%, 17% and 23% for the years 2017-18 to 2019-20 respectively which is found to be higher than the traffic projections given by the VCTPL.

Since the Licensor Port has projected year wise traffic of VCTPL based on the Report of the Consultant engaged by IPA and also taking into consideration the traffic growth achieved by the VCTPL in the past, the traffic estimates furnished by VCTPL is updated at the level of traffic projection furnished by the licensor port VPT except for moderation for the year 2019-20. It is seen that the traffic projected by VPT for the year 2019-20 is 4,90,000 TEUs. Whereas the optimal capacity assessed by VCTPL is 4,74,500 TEUs. That being so, the traffic projections for the year 2019-20 is considered at the level of the optimal capacity assessed by the VCTPL.

The VCTPL has furnished detailed working of revenue estimation for the traffic projected by VCTPL. On perusing the working, it is seen that the broad share of container mix viz. import container, export containers, Transshipment container and Restow containers is projected at 37%, 37%, 25% and 1% respectively for each of the years 2017-18 to 2019-20 for income estimation. The average share of container mix in the years 2014-15 to 2016-17 was 45%, 45%, 9% and 1% for the corresponding container categories.

The reduction in the share of import and export containers including ICD is attributed by VCTPL to upcoming container terminals neighboring VCTPL as well as vast capacity being created in the East Coast. The VCTPL has also stated CONCOR MMLP is presently operational partially and there has been already a drop in ICD volume in the terminal this fiscal as the trains are being handled at CONCOR MMLP itself. The VCTPL has stated that growth in traffic for Transhipment is, however, projected to the extent of 25% of total volume considering few services likely to commence their operations. It is noteworthy that the VPT has not objected to the container mix estimated by VCTPL.

In view of the above position, brought out by the VCTPL, the share of container mix considered by the VCTPL is relied upon and considered for all the years under consideration. The share of container mix considered by the VCTPL for the broad cargo categories is considered on the updated traffic projections.”

(c) Analysis:

(i) As stated by the VCTPL, the revised traffic considered by this Authority in November 2017 Order at 4 lakhs TEUs, 4.50 lakh TEUs for the years 2017-18 and 2018-19 was based on the traffic projections furnished by the VPT. As regards, 2019-20 the traffic projection furnished by VPT at 4.90 lakh TEUs was moderated and considered at the capacity of the terminal at 4.745 lakh TEUs. The traffic projection by the VPT was reportedly based the Consultant engaged by IPA.

With reference to review of this item by VCTPL, the VPT has maintained the traffic projections furnished by them earlier during the processing of this case. The VPT has stated that container traffic at VPT registered a Compounded Annual Growth Rate (CAGR) of more than 10% during 2012-13 to 2016-17. The traffic projection in respect of container cargo contained in Master Plan Report for VPT prepared by M/s. AECOM for the financial years 2020, 2025 and 2035 are 0.49, 0.61 and 1.02 million TEUs respectively. The growth considered in the Master Plan was also 10% i.e. from 0.37 million TEUs in FY17 to 0.49 million TEUs in financial year 2020. As such, the VPT has viewed that it is prudent to consider 10% growth in container traffic YoY.

The VPT has furnished the actual traffic handled by VCTPL in the year 2017-18 at 388,624 TEUs as against the projected volume of 4 lakh TEUs. When the port was requested to review the traffic projections furnished by it for the years 2018-19 and 2019-20 based on actual traffic handled by VCTPL in the year 2017-18, the VPT has viewed that variation in 2017-18 between the projected volume and actual is less than 3% which is insignificant. The VPT has referred to actual traffic handled at 33,262 TEUs in April 2018 as against 28,656 TEUs handled during corresponding period of previous year i.e. April 2017 registering a growth of 16%. The VPT has stated that the VCTPL has recently procured two new RMQCs and Reach Stackers which may enhance the existing capacity. The VPT has thus maintained the traffic projections furnished by it at the time of proceedings relating to November 2017 Order.

(ii) The VCTPL has reported the actual throughput handled during the year 2017-18 at 3,88,289 TEUs and not 3,88,624 TEUs stated by VPT. The overall container throughput handled at VCTPL in the year 2017-18 registered a growth of 5.9% when compared to that in the year 2016-17. Further, VCTPL has also stated that the container throughput handled at VCTPL during April 2018 is 31080 TEUs as against 29826 TEUs during April 2017 i.e. the actual growth of container traffic during April 2018 is only 4% over actual container traffic handled in April 2017.

The VCTPL has stated that the traffic projections made by VPT does not consider competition from Dhamra, Kakinada Ports and Paradip port. Paradip and Dhamra Port started functioning from the year 2018-19 and will start attracting more cargo of Vizag port by 2019-20 and thus impacting the traffic volume of the VCTPL.

The VCTPL has furnished revised traffic projection for the years 2018-19 and 2019-20 at 4,16,000 TEUs and 4,36,000 TEUs respectively as against 3,84,000 TEUs and 4,00,000 TEUs projected by it during the last traffic revision. The revised traffic projections is based on the actual traffic handled by VCTPL at 3,88,289 TEUs in the year 2017-18 and based on the market scenario. The VCTPL has furnished following justification for the revised traffic projections:

- (a) About 40% of the container traffic handled at VCTPL is originated from Orissa region. With new container handling facility already commencing operation in Paradip, VCTPL expects some good portion of cargo, especially from Kalinga Nagar – Jajpur belt, getting diverted through this port.
- (b) Similarly, Kakinada port also is aggressively marketing for handling containers. There are good volume of cargo originated in the West Godavari region (Commodities like Rice, Frozen Shrimps, Paper, etc.) which are in proximity to this port and majority of them are moving through VCTPL due to good vessel connectivity. Recently, regular weekly calls of container vessels at VCTPL are shifting to Kakinada port and volume of shift is expected to increase in the coming months.
- (iii) In view of the above, the VCTPL has requested to consider the traffic for the year 2017-18 at 3,88,289 TEUs actually handled by it and revise the traffic projections for the years 2018-19 and 2019-20 at 4,16,000 TEUs and 4,36,000 TEUs respectively instead of 4,50,000 TEUs and 4,74,500 respectively projected for the years 2018-19 and 2019-20.
- (iv) As regards 2017-18, the VPT has reported that VCTPL has handled 3,88,624 TEUs. The VCTPL has confirmed that the traffic handled is 3,88,289 TEUs and not 3,88,624 TEUs stated by VPT. This Authority goes with the actuals furnished by the BOT operator VCTPL in this regard.
- (v) As regards point made by VPT that the VCTPL has recently procured two new RMQCs and Reach Stackers which may enhance the existing capacity, it is relevant to state that the impact of the additional equipment was already captured by VCTPL in assessing the capacity during the tariff revision Order dated 14 November 2017. The optimal capacity of 395500 TEUs in the year 2016-17 was increased to 474500 TEUs in the year 2017-18 on this account. Though capacity is available, the VCTPL has justified the traffic projections which has been dealt with in earlier paragraphs.
- (vi) With the revised traffic projections by the VCTPL, the growth in terms of percentage works out to 7.14% in the year 2018-19 over 2017-18 actual traffic and 4.81% growth in the year 2019-20 over previous years estimates. For the years 2017-18 to 2019-20, the average annual growth in traffic works out to 5.95%.
- (vii) The VCTPL has highlighted the competition scenario for container traffic. It is noteworthy that M/s. Paradip International Cargo Terminal Pvt. Ltd. has commenced operation with effect from 25 April 2018 to handle container apart from multipurpose cargo. The response of VPT on the competition scenario is silent. Based on

justification furnished by the VCTPL for the revised traffic projection and taking into consideration that the average annual growth projected at 5.95% is comparable to the actual growth of 5.89% achieved by the VCTPL in the year 2017-18, the traffic estimates for the years 2017-18 to 2019-20 is considered at 3,88,289 TEUs, 4,16,000 TEUs and 4,36,000 TEUs respectively as estimated by VCTPL. In any case, if variation in the actual traffic handled by VCTPL with the projection is more than +/(-) 20% it will be dealt with in line with the Tariff Guidelines of 2005.

(viii) Consequent to the above modifications, the income estimated in the Order dated 14 November 2017 is also modified for the revised traffic projections. The modified income considered is ₹13,878.38 lakhs, ₹14,755.09 lakhs and ₹15,438.33 lakhs in the years 2017-18 to 2019-20 as against ₹14,247.01 lakhs, ₹15,825.01 lakhs and ₹16,649.50 lakhs respectively considered in the Order dated 14 November 2017.

(ix) Consequent to the above modification in the traffic, the estimates of operating cost viz., the power cost, fuel cost captured under equipment running cost, admissible Royalty, Equipment hire charge and variable items under other expenses viz. testing charges and hire of manpower charges which are linked to traffic projection also stand modified.

The modified total operating cost is ₹6,008.80 lakhs, ₹7,337.61 lakhs and ₹7,850.20 lakhs in the years 2017-18 to 2019-20 aggregating to ₹21,196.61 lakhs as against ₹6,075.61 lakhs, ₹7,512.25 lakhs and ₹8,068.25 lakhs respectively aggregating to ₹21,656.10 lakhs considered in the Order dated 14 November 2017. The modified operating cost is after taking into consideration the modified unit rate of fuel for reasons brought out in the subsequent paragraphs.

(iii) **Escalation of 2% per annum towards Employee cost, Power cost, Fuel cost is very low. The VCTPL requests to review and consider all the cost items based on the actual inflation as estimated by VCTPL:**

(a) **Submissions made by VCTPL**

(i) The VCTPL is aware that this Authority is guided by the Tariff Guidelines, 2005 and have capped the WPI to 2%. However, the VCTPL has requested to reconsider the annual inflation considered by this Authority at 2% for each of the years 2017-18 to 2019-20.

(ii) The recent trend in increase in Fuel cost is one of major examples why the 2% WPI fixed till 31-3-2020, would have serious impact on the profitability and ROCE of the company.

(iii) Escalation of 2% per annum towards Employee cost, power cost and Fuel cost is very low. Compared to 2016-17, Fuel cost has gone up by 17%, power cost by 8% and employee cost by 11%. Minimum wage cost has gone up by 44% last year.

At the time of the joint hearing, the price of fuel was ₹68.51 per litre an increase of 17% over the cost then prevailing in March 2017. The current price is ₹75.13 per litre an increase of 28.43% over the cost prevailing in March 2017. Fuel constitutes 10% of the overall operating cost and any exorbitant increase in fuel cost has an adverse impact. As per current fuel price, the impact on cost is ₹50 per TEU. Therefore, VCTPL has requested to take into consideration of fuel inflation of 28.43% in its Tariff Review Application.

(b) **Relevant extract of Para no.16 (xiv) in the Order no.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017:**

“(xiv) *Clause 2.5.1. of the tariff guidelines requires that the expenditure projections of the major ports / terminal operators should be in line with traffic adjusted for price fluctuations with reference to current movement of Wholesale Price Index (WPI) for all commodities as announced by the Government of India. The escalation factor adopted by this Authority in respect of tariff cases filed under Tariff Guidelines, 2005*

to be disposed during the year 2017-18 is 2%. Annual escalation applied by the VCTPL for estimating some of cost items like maintenance cost, fuel cost, etc., is at 4% and power cost at 10% which are found to be higher than the permissible level.

As regards labour cost, the VCTPL has stated that as per the minimum wages policy revised by the Government of India w.e.f. 1st April 2017, there is increase in the minimum wages range of 43%-44% over the existing rate. Citing this the VCTPL has requested to consider annual escalation in cost of labour by 10% to retain the experienced and trained personnel.

In this regard, it is relevant to state that this Authority is guided by Tariff Guidelines, 2005. Clause 2.5.1. of the revised tariff guidelines requires that the expenditure projections with reference to current movement of Wholesale Price Index (WPI) for all commodities as announced by the Government of India. WPI is a weighted average movement of prices of the identified groups. It is not that all groups in the basket of WPI suffer the same quantum of escalation. Since this Authority is bound to follow the Tariff Guidelines, 2005, annual escalation is restricted to 2% per annum as announced by this Authority for the tariff cases to be decided in the year 2017-18 as per the terms of the Tariff Guidelines, 2005.

Accordingly, in our analysis, the estimate for the years 2017-18 to 2019-20 are modified applying the annual escalation factor of 2% over the actuals/ estimate of respective previous years wherever the annual escalation applied by the VCTPL is higher than the stated level and adjusted for the traffic growth. This is in line with approach followed while tariff fixation for other BOT operators under Tariff Guidelines, 2005.

(c) Analysis:

- (i) As stated in November 2017 Order, this Authority is guided by Tariff Guidelines, 2005. Clause 2.5.1. of the tariff guidelines requires that the expenditure projections of the major ports/ terminal operators should be in line with traffic adjusted for price fluctuations with reference to current movement of Wholesale Price Index (WPI) for all commodities as announced by the Government of India. It is not that all groups in the basket of WPI suffer the same quantum of escalation. Since this Authority is bound to follow the Tariff Guidelines, 2005, annual escalation was restricted to 2% per annum as announced by this Authority for the tariff cases to be decided in the year 2017-18 as per the terms of the Tariff Guidelines, 2005.
- (ii) It is relevant here to state that wherever the VCTPL had furnished contract copy during the last tariff revision, for example, for equipment hire charges, lashing/ unlapping, tally and hire of man power, security cost, etc., the estimate of cost captures the unit rate as per the valid contract. For the period beyond the contract period, the unit rate have been escalated applying 2% annual escalation at the WPI level. This is in line with approach followed while tariff fixation for other BOT operators under Tariff Guidelines, 2005.
- (iii) In the current review application, the VCTPL, while requesting that all cost items may be escalated at the level estimated by it, has specifically sought review of power cost, fuel cost and employee cost. As regard employee cost, the strength of labour as estimated by the VCTPL for each of the years 2017-18 to 2019-20 has been considered. As regards the unit cost, the actual average cost of operating and direct labour and maintenance labour for the year 2016-17 is taken as the base and escalated by 2% per annum for estimating this item as brought out in para 16 (xv) of the Order dated 14 November 2017.

As regards power cost as well, per unit consumption as estimated by the VCTPL has been considered. The actual average variable power cost as reported for the year 2016-17 is taken as the base and escalated by the admissible escalation level of 2% per annum for each of the years 2017-18 to 2019-20. The VPT also stated that escalation in power cost considered by this Authority is reasonable.

Further, in the current review application, the VPT has suggested to VCTPL to obtain power from VPT which is around ₹5.50/ unit as provided to other BOT operators like Essar Vizag Terminal Limited (EVTL) and Vedanta (VGCBPL) which is much cheaper than the power procured by VCTPL from Andhra Pradesh Electricity Regulatory Commission (APERC) which is around ₹8 per unit. The VCTPL has also agreed to examine this point made by the VPT. In view of the above, this Authority does not like to review this item.

(iv) As regards fuel cost, fuel consumption as estimated by VCTPL was considered for each of the years 2017-18 to 2019-20 in the tariff Order of November 2017.

During the proceeding relating to the last tariff revision, the VCTPL had furnished fuel bills for the months for April 2017 to June 2017. The average unit rate for these three months (i.e. ₹60.94 / litre) was considered in the cost estimate for the year 2017-18 and for the subsequent years 2018-19 to 2019-20, the annual escalation was moderated to the allowable level of 2%.

Now, in the current review application, the VCTPL stated that the fuel cost has increased by 28.43% over March 2017 fuel rate. The VCTPL has furnished a statement of fuel cost for the year 2017-18 and for the year 2018-19 from April 2018 to June 2018. The VCTPL has also substantiated with copy of fuel bills. As per the statement furnished by VCTPL, the average cost of fuel rate for the year 2017-18 is ₹62.17/ litre as against ₹60.94 / litre considered by this Authority. For the years 2018-19 (upto June 2018), the average fuel cost is ₹71.29/ litre as against ₹61.20 / litre considered by this Authority applying 2% escalation over the unit rate of fuel considered in 2017-18. The variation in the unit cost of fuel for the years 2017-18 and 2018-19 works out to 2.02% and 16.49% over the unit cost considered in November 2017 Order. Even the VPT has also endorsed the proposal of VCTPL for review of unit rate of fuel cost stating that fuel cost has increased during the recent time.

In view of the above position, this Authority is inclined to review the unit rate of fuel and consider it at ₹62.17 / litre for the year 2017-18 and ₹71.29 / litre for the year 2018-19 based on the details furnished by VCTPL and substantiated with copies of fuel bills. For the year 2019-20, 2% annual escalation is considered on the modified unit rate of 2018-19 in line with the approach followed in estimation of the other cost items and in compliance with the Tariff Guidelines 2005.

(v) In view of the above analysis, the fuel cost estimates which are captured under equipment running cost are modified. While modifying this cost item, as stated earlier, it is adjusted for the revised traffic projection flowing from this review application.

12.1. Subject to above analysis, the cost statement giving the consolidated position considered in the tariff Order of November 2017 is modified and attached as **Annex - II**. The summary of the cost position reflected in the modified cost statement is summarized below:

Particulars	2017-18	2018-19	2019-20	Total
Operating Income	13878.38	14755.09	15438.33	44071.79
Net Surplus / (Deficit)	111.25	(768.39)	(964.65)	(1621.79)
Net Surplus / (Deficit) as a percentage of Operating Income	0.80%	(5.21%)	(6.25%)	(3.55%) (Avg.)

The above table depicts a total deficit of ₹1621.79 lakhs for the years 2017-18 to 2019-20.

12.2. The VCTPL, in the last tariff revision which culminated in November 2017 Order, had proposed a tariff increase of 23.30% in the composite rate for handling of import and export laden containers under 1.1.A (a) of the SOR. For all the other tariff items, the VCTPL had maintained status quo in the then prevailing SOR based on its view that there is competition.

12.3. The cost statement of November 2017 Order reflected a net surplus after admissible cost at ₹161.56 lakhs, ₹252.66 lakhs and ₹154.23 lakhs for the years 2017-18 to 2019-20 respectively aggregating to net surplus of ₹568.45 lakhs at the then existing level of tariff level which in terms of percentage worked out to average net surplus of 1.22% for the years 2017-18 to 2019-20. Recognising that the net surplus reflected by the cost statement was marginal, this Authority had decided to maintain status quo in the existing Scale of Rates of VCTPL.

12.4. Based on the analysis of the review application filed by the VCTPL, it is seen from the above modified cost statement prepared and summary position reflected in table above that there is a net surplus after admissible cost at ₹111.25 lakhs in the year 2017-18 and net deficit to the tune of ₹768.39 lakhs and ₹964.65 lakhs for the years 2018-19 to 2019-20 respectively aggregating to net deficit of ₹1621.79 lakhs for the years 2017-18 to 2019-20. In view of the deficit position reflected by the cost statement arising out of the analysis of the review application filed by the VCTPL, there is a case to grant tariff increase to meet the total deficit of ₹1621.79 lakhs.

12.5. The current tariff cycle of the VCTPL is for the years 2017-18 to 2019-20. The year 2017-18 is already over and half of the year 2018-19 is also over. By the time the Order passed by this Authority comes into effect, it will be around September 2018. Hence, the tariff increase granted in the composite rate for handling of import and export laden containers under 1.1.A (a) of the SOR so as to meet the deficit of ₹1621.79 lakhs will be for a period of 7 months for the year 2018-19 i.e. from September 2018 to March 2019 and for the year 2019-20 for the current tariff cycle. Accordingly, a working for arriving at the tariff increase to meet the deficit of ₹1621.79 lakhs is tabulated below:

Particulars	Amount (₹ in Lakhs)
Total Net Deficit for the current tariff cycle for the years 2017-18 to 2019-20	-1621.79
Total Estimated income from composite rate for handling of import and export laden containers. [For the year 2018-19 i.e. from September 2018 to March 2019 (7 months) on pro rata basis and for the year 2019-20]	15,533.34
Tariff increase to be granted in composite rate for handling of import and export laden containers from 01 September 2018 in terms of % [₹1621.79 lakhs/ ₹15,533.34 lakhs]	10.44%

12.6. Thus, based on the deficit reflected in the cost statement and as per the above working, this Authority approves 10.44% increase in the existing composite rate for handling of import and export laden containers. Status quo is maintained on all the other tariff items as sought by the VCTPL.

12.7. Ordinarily the rates approved by this Authority come into effect after expiry of 30 days from the date of notification of the Order in the Gazette of India. In the instant case, recognising that there is deficit based on the review application filed by the VCTPL and also recognising that the tariff increase granted is arrived assuming the increase will be effective from 01 September 2018, the revised rates approved are made effective from 01 September 2018. The validity of the rates will continue to be till 31 March 2020 as ordered in November 2017 Order. The actual financial and physical performance will be reviewed following the applicable tariff guidelines during the next tariff revision, which is due from 31 March 2020 along with the review of estimates for the year 2016-17 with reference to actuals based on audited accounts.

13.1. In the result, and for the reason given above, and based on a collective application of mind, this Authority approves the following modifications in the existing Scale of Rates of VCTPL approved vide Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017:

(i) **The composite rates for Laden containers – Import / Export prescribed at Sl. No.(a) under Schedule 1.1.A under Section – I Container Operations in the existing SOR is modified and replaced as follows:**

“1.1.A. COMPOSITE RATE FOR HANDLING IMPORT AND EXPORT CONTAINERS:

(in ₹)

Sl. No.	Particulars	Container not exceeding 20 feet in length		Container exceeding 20 feet in length and upto 40 feet length		Container exceeding 40 feet in length and upto 45 feet length	
		Foreign- going	Coastal	Foreign- going	Coastal	Foreign- going	Coastal
(a)	Laden Containers -Import / Export	4663	2797	6995	4197	9326	5596

13.2. The revised rates approved in this Order will come into effect from 01 September 2018. The validity of the rates shall continue to be in force till 31 March 2020 as ordered in November 2017 Order.

13.3. The VCTPL is advised to suitably modify the existing SOR.

T.S. BALASUBRAMANIAN, Member (Finance)
[ADVT.III/4/Exty./203/18]

Annex - I

VISAKHA CONTAINER TERMINAL PRIVATE LIMITED ANALYSIS OF PERFORMANCE OF VCTPL FOR THE
YEARS 2014-15 TO 2016-17 BASED ON ACTUALS VIS-A-VIS ESTIMATES BASED ON THE REVIEW
APPLICATION FILED BY THE VCTPL

₹ in Lakhs

Sr. No.	Particulars	Estimates in the tariff Order of October 2016				Actuals modified by TAMP in November 2017 Order				% Variation	Actuals modified by TAMP based on the Review Application filed by VCTPL				% Variation	
		2014-15	2015-16	2016-17	Total	2014-15	2015-16	2016-17	Total		2014-15	2015-16	2016-17	Total		
	Traffic (In TEUs)	2,51,000	2,94,485	3,12,154	8,57,639	2,48,163	2,91,621	3,66,683	9,06,467	5.7%	2,48,163	2,91,621	3,66,683	9,06,467	5.7%	
	Optimal Capacity	3,95,500	413000	413000	12,21,500	3,95,500	4,13,000	4,13,000	12,21,500		3,95,500	413000	413000	12,21,500		
I	Total Operating Income															
	Container handling income	6965.23	8171.93	9290.71	24,427.87	7,702.23	8,676.99	12,294.66	28,673.88	17.4%	7,702.23	8,676.99	12,294.66	28,673.88	17.4%	
	Others	910.80	1066.18	1264.75	3,241.74	998.48	1,349.06	2,528.75	4,876.29	50.4%	998.48	1,349.06	2,528.75	4,876.29	50.4%	
	Total	7876.03	9238.12	10555.46	27669.61	8700.71	10026.05	14823.41	33550.17	21.3%	8,700.71	10,026.05	14,823.41	33,550.17	21.3%	
II	Operating Costs (excluding depreciation)															
	Operating & Direct Labour	308.72	327.24	346.88		982.83	285.96	345.51	375.71	1,007.18		285.96	345.51	375.71	1,007.18	
	Maintenance Labour	360.85	382.26	405.24		1,148.36	342.09	388.56	407.31	1,137.95		342.09	388.56	407.31	1,137.95	
	Equipment Running Costs	1262.93	1450.94	1656.22		4,370.10	1,015.01	1,228.08	1,469.13	3,712.21		1,015.01	1,228.08	1,469.13	3,712.21	
	Royalty / revenue share	430.47	667.38	764.78		1,862.62	425.60	670.62	898.37	1,994.59		425.60	670.62	898.37	1,994.59	
	Equipment Hire	712.49	831.87	920.99		2,465.35	736.94	905.97	1,237.28	2,880.19		736.94	905.97	1,237.28	2,880.19	
	Lease Rentals	85.90	85.90	85.90		257.71	94.09	85.30	101.35	280.73		94.09	85.30	101.35	280.73	
	Insurance	93.46	113.71	157.95		365.12	78.64	80.34	96.51	255.48		78.64	80.34	96.51	255.48	
	Other expenses	431.27	473.17	512.27		1,416.72	421.73	430.19	479.72	1,331.64		421.73	430.19	479.72	1,331.64	
	Technical Service Fee	23.65	23.65	23.65		70.96	28.73	38.87	38.87	106.47		28.73	38.87	38.87	106.47	
	Total	3,709.75	4,356.14	4,873.88	12,939.77	3,428.78	4,173.43	5,104.25	12,706.45	-1.8%	3,428.78	4,173.43	5,104.25	12,706.45	-1.8%	
III	Depreciation	1694.58	1969.22	2737.28		6,401.09	1,462.19	1,494.12	1,376.83	4,333.14	-32.3%	1,462.19	1,494.12	1,376.83	4,333.14	-32.3%
IV	Overheads															
	Management & Administration overheads	1206.26	1278.64	1355.35		3,840.25	1,384.02	1,591.79	1,647.73	4,623.54		1,384.02	1,591.79	1,647.73	4,623.54	
	Preliminary expenses & Upfront Payment write-off	12.53	12.53	12.53		37.58	12.53	12.53	12.53	37.58		12.53	12.53	12.53	37.58	
	Total	1,218.79	1,291.16	1,367.88	3,877.83	1,396.54	1,604.32	1,660.25	4,661.11	20.2%	1,396.54	1,604.32	1,660.25	4,661.11	20.2%	
V	Operating Surplus / (Deficit) (I) – (II) – (III) - (IV)	1,252.91	1,621.60	1,576.41	4,450.92	2,413.20	2,754.18	6,682.08	11,849.47	166.2%	2,413.20	2,754.18	6,682.08	11,849.47	166.2%	
VI	Finance & Miscellaneous Income (FMI)															
	Others	25.00	25.00	25.00		75.00	38.57	35.08	114.51	188.16		38.57	35.08	114.51	188.16	
	Total	25.00	25.00	25.00	75.00	38.57	35.08	114.51	188.16	150.9%	38.57	35.08	114.51	188.16	150.9%	

VII	Finance & Miscellaneous Expenses (FME)													
	Contribution of Provident Fund	86.77	91.97	97.49	276.23	87.66	98.47	148.23	334.36		87.66	98.47	148.23	334.36
	Loss on sale of assets and others					39.14	214.73	2.70	256.57		39.14	214.73	2.70	256.57
	Foreign Exchange loss on repayment of foreign currency loans based on review application by VCTPL	-	-	-	-	-	-	-	-	495.66	-	1,253.09	1,748.75	
	Total	90.04	99.04	108.95	298.03	126.80	313.20	150.93	590.93	98.3%	622.46	313.20	1,404.02	2,339.68
VIII	FMI Less FME (VI) - (VII)	(65.04)	(74.04)	(83.95)	(223.03)	(88.23)	(278.12)	(36.42)	(402.77)		(583.89)	(278.12)	(1,289.51)	(2,151.52)
IX	Surplus Before Interest and Tax (V) + (VIII)	1,187.87	1,547.55	1,492.46	4,227.89	2,324.98	2,476.07	6,645.65	11,446.70	170.7%	1,829.31	2,476.07	5,392.57	9,697.95
X	Capital Employed	11729.23	12681.61	17419.66	13,943.50	10,852.24	10,773.30	9,515.58	10,380.37	-25.6%	10,852.24	10,773.30	9,515.58	10,380.37
XI	Return on Capital Employed @ 16%	1876.68	2029.06	2787.15	6,692.88	1,736.36	1,723.73	1,522.49	4,982.58	-25.6%	1736.36	1723.73	1522.49	4,982.58
XII	Capacity Utilization	63.46%	71.30%	75.58%	70%	63%	74%	93%	76%	9.0%	63%	74%	93%	76%
XIII	ROCE adjusted for capacity utilization	1876.68	2029.06	2787.15	6,692.88	1,736.36	1,723.73	1,522.49	4,982.58	-25.6%	1,736.36	1,723.73	1,522.49	4,982.58
XIV	Net Surplus / (Deficit) (IX) - (XIII)	(688.80)	(481.50)	(1,294.68)	(2,464.99)	588.63	752.34	5,123.16	6,464.13	-362.2%	92.97	752.34	3,870.07	4,715.38
XIV	Net Surplus / (Deficit) as a % of operating income (XIII/I in %)	-8.75%	-5.21%	-12.27%	-8.74%	6.77%	7.50%	34.56%	16.28%	-286.2%	1.07%	7.50%	26.11%	11.56%
XV	Average Net Surplus / (Deficit) as a % of operating income	-8.74%				16.28%					11.56%			
XVI	Cost savings due to efficiency improvement	1.62	2.02	2.27	5.91	-	-	-	-	-	-	-	-	-
XVII	Set off of past period surplus for the period 2011-12 to 2013-14 accrued to VCTPL as per Review Application and as per TAMP calculation	65.80	65.80	65.80	197.41	0.00	0.00	0.00	0.00	-	-	-	-	-
XVII	Total surplus/ (deficit) (XIII-XVI)	-624.62	-417.72	-1231.15	(2,273.49)	588.63	752.34	5,123.16	6,464.13		92.97	752.34	3,870.07	4,715.37
XIX	Net Surplus / (Deficit) after adjustment of past period surplus as a % of operating income (XVIII/I in %)	-7.93%	-4.52%	-11.66%	-8.04%	6.77%	7.50%	34.56%	16.28%		1.07%	7.50%	26.11%	11.56%

XX	Average Net Surplus / (Deficit) as a % of operating income	-8.04%				16.28%				11.56%			
----	--	--------	--	--	--	--------	--	--	--	--------	--	--	--

VISAKHA CONTAINER TERMINAL PRIVATE LIMITED
Consolidated Income & Cost statement

ANNEX - II

₹ in Lakhs

	Total	622.46	313.20	1,404.02	163.05	179.36	197.30	539.71	163.05	179.36	197.30	539.71
VIII	FMI Less FME (VI) - (VII)	(583.89)	(278.12)	(1,289.51)	(148.05)	(164.36)	(182.30)	(494.71)	(148.05)	(164.36)	(182.30)	(494.71)
IX	Surplus Before Interest and Tax (V) + (VIII)	1,829.31	2,476.07	5,392.57	4,664.04	3,225.36	3,254.78	11,144.18	4,362.22	2,330.07	2,261.66	8,953.94
X	Capital Employed	10,852.24	10,773.30	9,515.58	23,091.81	21,103.73	21,902.78	22,032.77	23091.81	21103.73	21902.78	22,032.77
XI	Return on Capital Employed @ 16%	1736.36	1723.73	1522.49	3694.69	3376.60	3504.44	10,575.73	3694.69	3376.60	3504.44	10,575.73
XII	Capacity Utilization	62.75%	73.73%	92.71%	84.30%	94.84%	100.00%	0.93	81.83%	87.67%	91.89%	87.13%
XII	RoCE adjusted for capacity utilization	1736.36	1723.73	1522.49	3,694.69	3,376.60	3,504.44	10,575.73	3694.69	3376.60	3504.44	10,575.73
XIII	Net Surplus / (Deficit) (IX) - (XII)	92.97	752.34	3870.07	969.35	(151.24)	(249.67)	568.45	667.53	-1046.53	-1242.78	(1,621.79)
XIV	Estimated surplus of 2017-18 adjusted on pro-rata basis for 12 months over the years 2018-19 and 2019-20	-	-	-	807.79	403.90	403.90		556.27	278.14	278.14	
XV	Net Surplus / (Deficit) (XIII) - (XIV)	92.97	752.34	3,870.07	161.56	252.66	154.23	568.45	111.25	-768.39	-964.65	(1,621.79)
XV	Net Surplus / (Deficit) as a % of operating income (XIII/I in %)	1.07%	7.50%	26.11%	1.13%	1.60%	0.93%		0.80%	-5.21%	-6.25%	
XVI	Average Net Surplus / (Deficit) as a % of operating income	11.56%			1.22%				-3.55%			